राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 38
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 23 अगस्त 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 सिसोदिया को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग को लेकर भाजपा ने किया प्रचंड विरोध प्रदर्शन

पेज 5 अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का द्वि दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर राजस्थान में आयोजित हुआ

पेज 7 इमरान खान को मिली बड़ी राहत, हाई कोर्ट ने 25 अगस्त तक गिरफ्तारी पर लगाई रोक

अभिनंदन समारोह

22 अगस्त 2022 को नई दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ का अभिनंदन किया गया। श्री किरेन रिजिजू भी मॉजूद रहे ।

किसानों के मुद्दों को उठायेगा संयुक्त किसान मोर्चा : राकेश टिकैत

एजेंसी

नयी दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के नेता राकेश टिकैत ने सोमवार को केंद्र सरकार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुद्दे पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि समस्या का समाधान नहीं होने तक किसान अपना पक्ष रखते रहेंगे।

गांधी पीस फाउंडेशन में अशोक धवले द्वारा लिखित 'भारत में किसानों के आंदोलन का भविष्य' पुस्तक के विमोचन और एक संगोष्ठी में टिकैत ने कहा, किसान आंदोलन के बाद हमने अपनी पहली लड़ाई जीत ली है, केंद्र

को तीन नए कृषि कानूनों को निरस्त करना पड़ा, अब एमएसपी, बिजली और आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेने और किसानों के लिए वृद्धावस्था पेंशन जैसे कई मुद्दों पर लड़ाई जीतनी है।

श्री टिकैत ने कहा, यह पुस्तक किसानों के आंदोलन और इसकी हर महत्वपूर्ण घटनाओं और तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ हमारे एक साल के संघर्ष के विकास के बारे में बताती है, जिसे बाद में केंद्र सरकार ने रद्द कर दिया था।

उन्होंने कहा, पहली बार किसानों के आंदोलन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया था, जो हमारे लिए एक अच्छा संकेत है।

एसकेएम के नेता दर्शन पाल ने कहा, यह पुस्तक किसान आंदोलन के बारे में विकास की वास्तविक घटनाओं को प्रस्तुत करती है क्योंकि लेखक आंदोलन की उच्च स्तरीय समिति का हिस्सा थे और इसके सक्रिय सदस्य थे।

बाढ़-बारिश से 6 राज्य बेहाल

राजस्थान में 200 और एमपी में 50 डैम ओवरफ्लो

एजेंसी

नई दिल्ली। फोटो हिमाचल की राजधानी शिमला की है। यहां भारी बारिश के दौरान पेट्रोल पंप पर एक चट्टान गिर गई। घटना शुक्रवार की है, वीडियो अब सामने आया है।

मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और बिहार में पिछले 48 घंटे से भारी बारिश हो रही है। राजस्थान में 200 और मध्य प्रदेश में करीब 50 छोटे-बड़े डैम ओवरफ्लो हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में गंगा खतरे के निशान के ऊपर बह रही है और बिहार में ये खतरे के निशान के करीब है। हिमाचल प्रदेश में फ्लैश फ्लड और लैंड स्लाइड की 36 घटनाओं में 22 लोगों की जान चली गई है।

बारिश से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच सड़क संपर्क टूट गया है। इधर, राजस्थान के टोंक, बूंदी, कोटा में शहरों में सड़कों पर कई फीट पानी भर गया है। इन सभी राज्यों में मंगलवार के लिए भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। यानी अगले 48 घंटे बारिश से राहत मिलने के आसार नहीं हैं।

पिछले 48 घंटे से ज्यादा बारिश के चलते कई नेशनल हाईवे ब्लॉक हैं। 50 से ज्यादा डैम ओवर फ्लो हैं। जबलपुर में बरगी डैम के 17 और नर्मदापुरम में तवा डैम के 13 गेट खोले गए हैं। बारिश की बात करें तो गुना में सबसे ज्यादा 7 इंच, सागर में 6.5 इंच, जबलपुर में 6 इंच बारिश हुई। भोपाल में 24 घंटे में 10 इंच पानी गिरा है। भोपाल में रविवार सुबह 8:30 से रात 8:30 बजे तक 12 घंटे में 4 इंच से ज्यादा बारिश हुई। सीजन में बारिश का कुल आंकड़ा 56.44 इंच पर पहुंच गया है। 2016 में पूरे सीजन में 56.58 इंच बारिश हुई थी, जो कि एक रिकॉर्ड है। अब केवल .14 इंच यानी थोड़ी भी बारिश होने 6 साल पुराना यह रिकॉर्ड टूट जाएगा।

पिछले 48 घंटे हुई बारिश के चलते सीजन की 20.35 इंच बारिश हो चुकी है। कोटा 20.47 इंच का है। आंकड़ों के लिहाज से ये 25.80त्न ज्यादा है। सभी जिलों में औसत से ज्यादा बारिश हुई है। पिछले 24 घंटे में गिरे पानी की वजह से 716 छोटे-बड़े बांधों में से 200 से ज्यादा ओवरफ्लो हो चुके हैं। राजधानी जयपुर की बात करें तो सीजन की बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। यहां सीजन में 19.78 इंच बारिश होती है, जबकि 19.79 इंच बारिश हो चुकी है।

छत्तीसगढ : हाईवे पर चट्टानें गिरीं, एमपी से संपर्क कटा

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी बारिश के चलते गौरेला-पेंड्रा-मरवाही से करीब 15 किमी आगे मध्य प्रदेश के अनूपपुर में लैंडस्लाइड होने से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। इसके चलते 15 से 20 ट्रक फंस गए हैं। वहीं राजेंद्रग्राम-अमरकंटक को जोड़ने वाले किरर मार्ग पर रिटेनिंग वॉल सहित सड़क बह गई है। इसके बाद आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है।

बिहार : बारिश से मौसम में राहत, पहाड़ों पर बारिश से नदियां उफान पर

पहाड़ी इलाकों में बारिश के चलते बिहार के कई जिलों में नदियां उफान पर हैं। नदियों के किनारों बसे गांवों को अलर्ट जारी किया गया है। कई जिलों में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। पिछले 24 घंटे में पटना समेत कई जिलों में बारिश के चलते मौसम में राहत मिली है। पटना में सोमवार को भी बारिश जारी है।

हिमाचल : चंबा में लैंड स्लाइड से 14 की जान गई

हिमाचल में पिछले 48 घंटों में बारिश के चलते 34 जगह लैंडस्लाइड और बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। इनमें 22 लोगों की जान गई। 6 अभी लापता हैं।

मंडी में 14, चंबा में 3 और कांगड़ा व शिमला जिले में 2-2 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक 9 साल की एक बच्ची भी है। हिमाचल में कई जगह सड़कें तबाह हो गई हैं। 400 से ज्यादा प्रोजेक्ट अटक गए हैं।

उत्तर प्रदेश : स्टूडेंट्स छोड़ रहे प्रयागराज

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान हुई बारिश के चलते प्रयागराज में गंगा किनारे के सैकड़ों घरों में पानी घुस गया है। 50 हजार छात्र लॉज छोड़ कर चले गए हैं। 10 हजार से ज्यादा परिवार इससे प्रभावित हुए हैं। बलिया में टोंस नदी में छोटी नाव डूब गई। वाराणसी में घाट और कई मंदिर डूब गए हैं। गंगा खतरे के निशान के करीब है और यमुना का जलस्तर बहुत तेजी से बढ़ रहा है।

जंतर-मंतर पर किसानों की महापंचायत

5 हजार से ज्यादा किसान पहुंचे, बैरिकेडिंग तोड़ने वाले 19 किसान हिरासत में

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा सोमवार को एमएसपी गारंटी समेत विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर महापंचायत कर रहा है। किसानों को रोकने सिंघु, टिकरी, गाजीपुर बॉर्डर पर पुलिस की चेकिंग चल रही है। इसके चलते नोएडा-चिल्ला बॉर्डर पर 5्यरूलंबा जाम लग गया है।

किसानों को दिल्ली की सीमाओं पर रोका जा रहा है। किसानों ने बैरिकेडिंग गिरा दी। इसके बाद 19 किसानों को हिरासत में ले लिया गया। गाजीपुर बॉर्डर पर किसान धरने पर बैठ गए हैं। पुलिस किसानों के साथ बातचीत कर रही है। पुलिस ने कहा कि जंतर-मंतर पर अभी 5 हजार से ज्यादा किसान जमा हैं।

राजधानी में किसानों को रोकने के लिए धारा 144 लागू

सुबह से ही हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश के किसानों ने महापंचायत में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचना शुरू कर दिया था। हालांकि किसानों को इस महापंचायत के लिए मंजूरी नहीं मिली।

दिल्ली पुलिस ने टिकरी, सिंघु और गाजीपुर बॉर्डर पर सीमेंटेड बैरिकेड्स लगाए हैं। जहां से चेकिंग के बाद ही एंट्री दी जा रही है। प्रदर्शन को देखते हुए राजधानी में धारा 144 लगाई गई है।

किसानों ने कहा- सिर्फ एक दिन के लिए आए

अधिकतर किसानों ने दिल्ली जाने के लिए पंजाब की ओर से आने वाली ट्रेनों पर चढ़े और बहादुरगढ़ स्टेशन पर खड़ी पुलिस के सामने ही नारे लगाते हुए दिल्ली में आए। यहां से किसान सीधे बंगला साहिब गुरुद्वारे पहुंचे। किसानों का कहना है कि वे दिल्ली बॉर्डर पर पक्के मोर्चा लगाने नहीं आए हैं। अभी केवल एक दिन के प्रदर्शन के लिए आए हैं, ताकि सरकार को चेताया जा सके।

दिल्ली जा रहे टिकैत को हिरासत में लेकर वापस भेजा

बेरोजगारी को लेकर जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन में भाग लेने दिल्ली जा रहे भाकियू नेता राकेश टिकैत व कुछ कार्यकर्ताओं को गाजीपुर बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उन्हें दिल्ली के मधु विहार थाने ले जाया गया। बाद में उन्हें पुलिस ने वापस गाजीपुर बॉर्डर पर ले जाकर छोड़ दिया।

कोरोना संक्रमण के नए मामलों की संख्या 10 हजार से कम रही

नयी दिल्ली। देश में कोरोना के दैनिक संक्रमण के मामले अब 10 हजार से नीचे आ गए हैं और पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 9531 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या चार करोड 43 लाख 48 हजार 960 तक पहुंच गयी है वहीं संक्रमण दर में कमी और रिकवरी दर में वृद्धि के मद्देनजर सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 97,648 पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 210.02 करोड़ से अधिक टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से 26 और लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर पांच लाख 27 हजार 368 तक पहुंच गई है।

दिल्ली में शराब के ठेकों पर बवाल

भाजपा ने केजरीवाल और सिसोदिया पर हमला किया तेज

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार की नयी आबकारी नीति में गड़बड़ी की रिपोर्ट की केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच के बीच भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ आबकारी लाईसेंस शुल्क के नवीनीकरण में फीस न बढ़ा कर ठेकेदारों को 900 करोड़ रुपये का फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया है। भाजपा ने केजरीवाल सरकार पर हमला तेज करते हुए सोमवार को उनके खिलाफ सवालों की नयी बौछार लगा दी। भाजपा की दिल्ली इकाई के कार्यकर्ताओं ने श्री सिसोदिया के

इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में नए सवाल दागते हुए कहा कि आबकारी लाइसेंस नवीनीकरण के समय 10 प्रतिशत फीस बढ़ कर लेने के प्रावधान को लागू न करके केजरीवाल सरकार ने चहेते ठेकेदारों को फायदा पहुंचा और इससे सरकारी खजाने को कम 900 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ। भाटिया ने कहा, श्री केजरीवाल और श्री सिसोदिया आबकारी नीति में घोटाले पर जनता के सवालों से बच रहे हैं, पर कानून के समक्ष उन्हें इनका जवाब देना ही पड़ेगा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, केजरीवाल सरकार यह बताए कि उसने आबकारी नीति निर्धारित करने के लिए बनी उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों की अनदेखी क्यों की? केजरीवाल सरकार ने शराब की दुकानों आवंटन के लिए आवेदन मंगा कर लाटरी निकालने के प्रावधान की उपेक्षा क्यों की?

सड़क हादसे में एक परिवार के 5 लोगों की मौत

बागपत में बाइक से जा रहे पति, गर्भवती पत्नी और तीन बच्चियों को कैंटर ने रौंदा

बागपत। मेरठ-बागपत हाईवे पर टोल प्लाजा के पास रविवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। कैंटर और बाइक की जोरदार भिड़ंत में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में गर्भवती महिला, उसका पति और तीन बच्चियां शामिल हैं।

मरने वाले सभी सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के डोला गांव के रहने वाले थे। हादसे के बाद पुलिस ने आरोपी चालक को कैंटर समेत पकड़ लिया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मेरठ की तरफ से बाइक से जा रहा था परिवार

थाना प्रभारी बलैनी ने बताया कि डौला गांव में 35 साल का फतेह मोहम्मद रहता था। रविवार रात वह 8 महीने की गर्भवती पत्नी तबस्सुम (31), बेटी इलमा (8), इकरा (5) और मायरा (डेढ़ साल) के साथ बाइक से मेरठ की तरफ से अपने घर जा रहा था।

मेरठ-बागपत रोड पर बलेनी थाना क्षेत्र में टोल से करीब 150 मीटर पहले उसने ट्रक से ओवरटेक किया। तभी सामने से बागपत की तरफ से आ रहे कैंटर ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार दंपती और तीनों बच्चे सड़क पर गिर पड़े। हादसे में सभी की मौके पर ही मौत हो गई। अब परिवार में सिर्फ 7 साल की एक बेटी बची है।

आरोपी कैंटर ड्राइवर को पकड़ा

हादसे की सूचना पर पुलिस ने आरोपी चालक को पकड़ लिया। पुलिस ने कहा, कैंटर चालक इरशाद मेरठ का रहने वाला है। कैंटर को कब्जे में ले लिया गया है। तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज की कार्रवाई की जा रही है।

एक प्रत्यक्षदर्शी योगेंद्र ने बताया, टक्कर की आवाज सुनकर मैं मौके पर पहुंचा। देखा तो पांच लोग तड़प रहे थे। कुछ ही देर में सभी की मौत हो गई। देखते ही देखते मौके पर लोग जुट गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

रूस में आईएस का आतंकी गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। रूस में सोमवार को इस्लामिक स्टेट के फिदायीन को गिरफ्तार किया है। रूसी सुरक्षा एजेंसियों ने ये गिरफ्तारी की है। एजेंसियों ने दावा किया है कि सुसाइड बॉम्बर भारत में धमाके की साजिश रच रहा था। उसके निशाने पर सत्ताधारी दल के नेता थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस ने प्रतिबंधित IS के एक सदस्य आजमोव माशाहोन्ते को गिरफ्तार किया है। FSB ने आतंकी का एक वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में आतंकी भारत से बदला लेने की बात कह रहा है। उसने कहा- मैं वहां हमला करने वाला था। वहां पैगंबर मौहम्मद का अपमान किया गया। 27 मई को सत्ताधारी दल की एक प्रवक्ता ने टीवी डिबेट के दौरान पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी की थी। मामले के तूल पकड़ते ही उन्हें पार्टी से 6 साल के लिए निलंबित कर दिया गया। इस मुद्दे पर पहले 57 मुस्लिम देशों के संगठन इस्लामिक सहयोग संगठन ने विरोध जताया और इसके बाद कुछ अरब देशों ने भारतीय उत्पादों का बहिष्कार शुरू कर दिया था। इसके जवाब में भारत सरकार ने कहा था- हम सभी धर्मों को सम्मान देते हैं। FSB ने बताया कि आतंकी आजमोव माशाहोन्ते सेंट्रल एशियाई देश का मूल निवासी है। उसे ISIS ने तुर्की में आत्मघाती हमलावर के रूप में भर्ती किया था। ट्रेनिंग दिए जाने के बाद उसे रूस भेजा गया था। भारत में आतंकी हमला करने के लिए रूस छोड़कर जाने के आदेश दिए गए थे।

सहवाग स्कूल में यौन शोषण का मामला

पीड़ित बच्चे ने बताए दो लड़कों के नाम, पुलिस ने पूछताछ के लिए पेरेंटस को बुलाया

झज्जर। हरियाणा के झज्जर में सहवाग इंटरनेशनल स्कूल में यौन शोषण का शिकार हुए 8 साल के बच्चे ने उसके साथ ऐसा करने वाले दो लड़कों के नाम बताए हैं। यह जानकारी खुद झज्जर के डीएसपी राहुल देव ने दी। उन्होंने कहा कि शुरुआत में बच्चा बेहद डरा हुआ था और कुछ नहीं बता पा रहा था। कुछ दिनों की काउंसलिंग के बाद बच्चे ने दो साथियों पर शक जताया है। इसके बाद पुलिस ने हॉस्टल में जाकर बच्चों से पूछताछ की है। स्कूल स्टाफ से भी सवाल जवाब किए गए। DSP ने कहा कि पुलिस पहले पीड़ित बच्चे से ज्यादा सवाल-जवाब नहीं कर पाई

थी क्योंकि उस समय उसका मैंटल ट्रॉमा इस लायक नहीं था। अब कुछ दिनों की काउंसलिंग हो चुकी है इसलिए पीड़ित बच्चे को पेरेंट्स के साथ 23 अगस्त को दोबारा बुलाया गया है। उन दोनों लड़कों के पेरेंट्स को भी बुलाया गया है जिनके नाम बच्चे ने लिए हैं। पुलिस इन सभी से पूछताछ करेगी।

15 अगस्त की है वारदात

सहवाग इंटरनेशनल स्कूल में बच्चे के यौन शोषण की यह घटना 15 अगस्त की रात को हुई। बच्चे के पिता की शिकायत के बाद पुलिस ने 19 अगस्त को इससे जुड़ी एफआईआर दर्ज की। सहवाग इंटरनेशनल स्कूल के फाउंडर पूर्व इंडियन क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग हैं। उनकी पत्नी आरती इस स्कूल की चेयरपर्सन हैं। पीड़ित बच्चा यूपी के हाथरस का रहने वाला है और इसी साल अप्रैल में उसने इस स्कूल में दाखिला लिया था। वारदात के बाद से बच्चा सहमा और डरा हुआ है।

टेंडर घोटाला

टेंडर घोटाले में पकड़ा; दिन में ही विजिलेंस डायरेक्टर को किया था चैलेंज

पंजाब के पूर्व फूड सप्लाई मिनिस्टर आशू गिरफ्तार

लुधियाना। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य के पूर्व फूड सप्लाई मिनिस्टर और कांग्रेसी नेता भारत भूषण आशू को सोमवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया। आशू को ट्रांसपोर्टेशन टेंडर घोटाले में गिरफ्तार किया गया। आशू को विजिलेंस टीम ने उस समय दबोचा जब वह एक सैलून में बाल कटवाने गए थे।

इस दौरान लुधियाना के कांग्रेसी सांसद रवनीत सिंह बिट्टू भी आशू के साथ मौजूद थे। आशू की गिरफ्तारी के समय बिट्टू विजिलेंस अधिकारियों से भिड़ गए।

विजिलेंस अधिकारियों ने पूरी प्लानिंग के तहत रेड कर आशू को

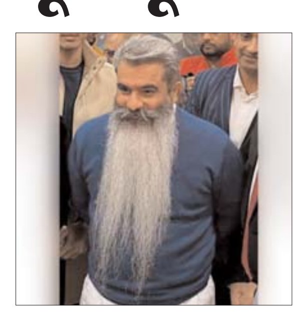

गिरफ्तार किया। राज्य की मंडियों में गेहूं की लोडिंग-अनलोडिंग से जुड़े टेंडर घोटाले में गिरफ्तार ठेकेदार ने आशू का नाम लिया था। उसके बाद से आशू विजिलेंस के रडार पर थे। सोमवार को विजिलेंस टीम ने सैलून में बाल कटवाने पहुंचे आशू को गिरफ्तार कर लिया। आशू की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस ने लुधियाना विजिलेंस ऑफिस का घेराव शुरू कर दिया है।

सुबह ही हाईकोर्ट से पिटीशन वापस ली थी

भारत भूषण आशू ने हाईकोर्ट में पिटीशन दायर की थी। जिसमें गिरफ्तारी से पहले 7 दिन के नोटिस की मांग की थी। हालांकि आज सुबह ही आशू ने यह पिटीशन वापस ले ली। उन्होंने नए सिरे से पिटीशन दायर करने की छूट मांगी। इसकी भनक विजिलेंस को भी लग गई। आशू फिर से हाईकोर्ट पहुंचते, विजिलेंस ने आशू को गिरफ्तार कर लिया।

दिन में विजिलेंस डायरेक्टर को चैलेंज किया था

पंजाब कांग्रेस ने आज चंडीगढ़ में विजिलेंस के डायरेक्टर के ऑफिस के बाहर धरना दिया था। इस दौरान आशू ने चैलेंज किया था कि वह यहां मौजूद हैं, विजिलेंस गिरफ्तार कर ले।

उस वक्त विजिलेंस ने कोई एक्शन नहीं लिया। धरने के बाद आशू वापस लुधियाना लौट गए। देर शाम वह फुरसत में सेलून पहुंचे तो विजिलेंस वहां गिरफ्तार करने पहुंच गई।

टेंडर घोटाला : स्कूटर, बाइक पर माल की ढुलाई दिखाई

लेबर ट्रांसपोर्टेशन टेंडर घोटाला में अनाज मंडियों में आरोपी वाहनों पर नकली नंबर प्लेट लगाकर माल की ढुलाई करते थे। वहीं आरोपियों ने टेंडर लेने से पहले विभाग में गलत वाहनों के नंबर लिखवा दिए। जांच के दौरान पता चला कि जो नंबर लिखवाए थे वह स्कूटर, बाइक आदि टू-व्हीलर के थे। जिन वाहनों के यह नंबर हैं, वह माल ढोने के लिए मान्य ही नहीं हैं।

शार्ट न्यूज

कश्मीर में स्नातकोत्तर में प्रवेश दिलाने के नाम पर की 10 लाख रुपये की ठगी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में स्नातकोत्तर में प्रवेश को लेकर एक छात्रा से 10 लाख रूपये की ठगी का मामला सामने आया है। प्रदेश की अपराध शाखा पुलिस ने सोमवार को एक व्यक्ति के खिलाफ निचली अदालत में चलान पेश किया और उस पर आरोप लगाया गया है कि उसने स्नातकोत्तर में दाखिला को लेकर एक छात्रा से 10 लाख रुपये की ठगी की है। इस मामले को लेकर श्रीनगर में कंसल्टेंसी चलाने वाले कुपवाड़ा के विकार मंजूर वानी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने वाली अपनी बेटी को स्नातकोत्तर में प्रवेश दिलाने के लिए कंसल्टेंसी से संपर्क किया। आरोपी वानी ने शिकायतकर्ता की पुत्री को स्नातकोत्तर में प्रवेश दिलाने के लिए उससे 10 लाख रुपये लिए, लेकिन न तो उसने उसकी बेटी को प्रवेश दिलाया और नहीं उसके पैसे वापस किये। एक अन्य मामले में आरोपी वानी ने इसी तरह से एक अन्य व्यक्ति से नौ लाख रुपये की ठगी की है।

पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार, चोरी की संपत्ति बरामद

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने सोमवार को बारामूला जिले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की लाखों संपत्तियों को जब्त करने और कई मामलों को सुलझाने का दावा किया। पुलिस ने कहा कि मीरगुंड पाट्टन के भट कॉलोनी में चोरी का मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में बारामूला के यखमानपोरा पाट्टन निवासी तीन चोर- एजाज अहमद मल्ला, सैयद उबैद शाह और जफर हुसैन वानी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी के तांबे के बर्तन, जूते, सोने की अंगूठी और नकदी बरामद किए गए हैं। एक अन्य मामले में पुलिस ने सदरबल पल्हालन, पट्टन में घरेलू सामान चोरी के मामले में उमर अहमद खांडे को गिरफ्तारी कर चोरी का मामला सुलझा लिया है। आरोपी के पास से तांबे के बर्तन और पानी के पंप भी बरामद किए गए हैं।

त्रिपुरा भाजपा उपाध्यक्ष भांग के साथ हिरासत में

अगरतला। त्रिपुरा में पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश उपाध्यक्ष मंगल देववर्मा से रविवार रात को थलाई जिले में कमलपुर जाते समय उनके वाहन से भारी मात्रा में भांग मिलने पर उनके खिलाफ सोमवार को जांच शुरु की है। थलाई जिला पुलिस ने कहा कि मंगल का वाहन खोवई और कमालपुर के बीच नाका जांच चौकी पर रोका गया। उनके वाहन को जब्त कर लिया गया और उन्हें देर रात छोड़ दिया गया। उन्होंने इस मामले के बारे में खुद की संलिप्तता से इनकार किया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को उसे पुलिस स्टेशन पर हिरासत में लेने के लिए मजबूर किया। श्री देववर्मा ने इस मामले में अपनी संलिप्तता से इनकार करते हुए कहा कि कुछ स्वार्थी समूहों ने उनके खिलाफ साजिश रची है। ना तो मैं और न ही मेरे चालक को वाहन में पीछे रखे इस माल के बारे में जानते है। हमारी अनुपस्थिति में कुछ लोगों ने भांग के पैकेट मेरी कार में पीछे रख दिये और पुलिस को सूचना दे दी। भाजपा नेता यहां कहा कि वे हमेशा निष्पक्ष जांच के पक्ष में रहे है और अगर मंगल इस मामले में दोषी पाया जाता है तो कानून के तहत उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। भाजपा ने इस घटना पार्टी को बदनाम करने की साजिश करार दिया।

रामागुंडम में पुलिस लाठीचार्ज में भाजपा नेता, एनटीपीसी के संविदा कर्मी घायल

पेद्दापल्ली। तेलंगाना के रामागुंडम में सोमवार को प्रदर्शनकारियों को बिजली संयंत्र में प्रवेश करने के रोकने के लिए पुलिस द्वारा किये गये लाठीचार्ज में नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनटीपीसी) यूनियन के नेता कौशिक सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता और संविदा कर्मचारी घायल हो गए। इससे पूर्व संविदा कर्मियों ने अपनी लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर प्लांट गेट पर श्रमिक संघों की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के बैनर तले धरना प्रदर्शन किया। पुलिस ने आज यहां बताया कि प्लांट पर तैनात सीआईएसएफ के जवानों ने आक्रोशित कर्मचारियों को प्लांट में प्रवेश करने से रोकने और उन्हें तितर-बितर करने के लिए उन पर लाठीचार्ज किया। पुलिस ने बताया कि संविदा कर्मियों ने सीआईएसएफ कर्मियों पर पथराव किया जिसके बाद तनाव बढ़ गया। पुलिस ने बताया कि लाठीचार्ज में एक कर्मचारी के सिर में चोट आई है।

बिलकिस बानो मामले में समय से पहले रिहाई रद्द करने मेघालय के नागरिकों की अपील

शिलांग। मेघालय के प्रगतिशील जन समूह थमा यू रंगली-जुकी (तूर) और आम नागरिकों ने गुजरात में बिलकिस बानो प्रकरण में 11 बलात्कारियों और हत्यारों की समयपूर्व रिहाई के मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से हस्तक्षेप करने और इसे रद्द करने की अपील की है। राष्ट्रपति को लिखे पत्र में लिखा है, हम बिलकिस बानो के न्याय के लिए 20 साल के बहादुर और कठिन संघर्ष के समर्थन और एकजुटता के साथ खड़े हैं और उनके लिए न्याय और उनके संघर्षों के लिए सम्मान की मांग करते हैं। गुजरात में इन जघन्य अपराधियों के प्रति समर्थन और बर्बर सांप्रदायिकता के घृणित प्रदर्शन की निंदा करते हुए नागरिकों ने मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार देश की गरिमा को बनाए रखें और यह दिखाएं कि भारत को अभी भी उन राष्ट्रों में गिना जा सकता है, जो लैंगिक एवं सामाजिक न्याय को कायम रखते हैं तथा नैतिक, नैतिक और कानूनी प्रतिबद्धताओं के साथ खड़े हो सकते हैं। नागरिकों ने मेघालय सरकार से इस अल्पसंख्यक विरोधी महिला विरोधी कार्रवाई की निंदा करने का भी आह्वान किया जो न्याय और कानून के शासन के सभी सिद्धांतों के खिलाफ है।

मेघालय- असम के मुख्यमंत्रियों ने शुरू की सीमा विवाद पर बातचीत

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ दोनों राज्यों के बीच अंतर-राज्यीय सीमा के साथ छह शेष क्षेत्रों की समस्या को हल करने के लिए रविवार को आधिकारिक चर्चा फिर से शुरू की। असम सचिवालय दिसपुर में आयोजित दूसरे चरण की चर्चा में दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। श्री संगमा ने कहा कि असम और मेघालय के बीच मतभेद वाले शेष छह क्षेत्रों पर चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए अगले 15 दिनों में क्षेत्रीय समितियां गठित की जाएंगी। उन्होंने मतभेद वाले छह क्षेत्रों पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने पर भी संतोष व्यक्त किया, जिसे दोनों राज्यों के बीच वार्ता के पहले चरण में किया गया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, असम और मेघालय ने दोनों राज्यों के बीच 50 वर्षों से अधिक समय तक चले सीमा विवाद को हल करने की प्रक्रिया में चर्चा शुरू की है। श्री संगमा ने कहा कि हमने चर्चा को आगे बढ़ाया है और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से पहले बहुत विस्तृत चर्चा की है। उल्लेखनीय है कि मतभेद वाले पहले छह क्षेत्रों पर समझौता ज्ञापन पर 29 मार्च, 2022 को नयी दिल्ली में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे।

कांग्रेस के अपमान के बाद आनंद शर्मा ने दिया इस्तीफा : कश्यप

शिमला। हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पार्टी में अपमान के बाद पार्टी के चुनाव संचालन समिति से इस्तीफा दे दिया है। कश्यप ने कहा कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि श्री शर्मा को पार्टी में उचित सम्मान नहीं मिलने के कारण उन्होंने यह कदम उठाया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि कांग्रेस के और भी कई नेता पार्टी में घुटन महसूस कर रहे हैं और इस वजह से वे पार्टी छोड़ रहे हैं या अपनी पार्टी के महत्वपूर्ण पदों से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में नकारात्मक महौल बना हुआ है और पार्टी में यह माहौल दिन प्रतिदिन बिगडता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज केवल आनंद शर्मा ही नहीं बल्कि नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री और विधायक सतपाल रायजादा ने भी खुलकर पार्टी का विरोध किया है।

दिल्ली बनाम केंद्र : सेवाओं पर किसका होगा नियंत्रण

5 जजों की संविधान पीठ करेगी याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) एन.वी. रमण ने सोमवार को कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण को लेकर केंद्र तथा दिल्ली सरकार की विधायी एवं कार्यकारी शक्तियों के दायरे से संबंधित कानूनी मुद्दों पर सुनवाई करने के लिए पांच सदस्यीय संविधान पीठ का गठन किया है।

सीजेआई ने कहा कि जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच केंद्र तथा दिल्ली सरकार के बीच विवाद पर सुनवाई करेगी। एक वकील ने जस्टिस रमण, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस सी.टी. रविकुमार की बेंच के समक्ष इस मामले का उल्लेख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने छह मई को दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण का मुद्दा पांच-सदस्यीय संविधान पीठ के पास भेजा था।

सीजेआई ने तब कहा था, संविधान के प्रावधानों और संविधान के अनुच्छेद 239एए (जो दिल्ली की शक्तियों से संबंधित है) के अधीन और संविधान पीठ के फैसले (2018 के) पर विचार करते हुए, ऐसा प्रतीत होता है कि इस पीठ के समक्ष एक लंबित मुद्दे को छोड़कर सभी मुद्दों का पूर्ण रूप से निपटारा किया गया है, इसलिए हमें नहीं लगता कि जिन मुद्दों का निपटारा हो चुका है, उन पर दोबारा विचार करने की जरूरत है। बेंच ने कहा था, इस न्यायालय की संविधान पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 239एए की व्याख्या करते हुए इस विवाद पर विशेष रूप से कोई टिप्पणी नहीं की, इसलिए संविधान पीठ द्वारा इस मामले पर एक आधिकारिक फैसले के लिए उपरोक्त मामले को उसके पास भेजना उचित होगा।

केंद्र सरकार ने सेवाओं के नियंत्रण और संशोधित जीएनसीटीडी अधिनियम, 2021 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की दो अलग-अलग याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करने का अनुरोध किया था। जीएनसीटीडी अधिनियम में उपराज्यपाल को कथित तौर पर अधिक शक्तियां प्रदान की गई है।

यह याचिका 14 फरवरी 2019 के उस खंडित फैसले को ध्यान में रखते हुए दायर की गई है, जिसमें जस्टिस ए.के. सीकरी और जस्टिस अशोक भूषण (अब दोनों सेवानिवृत्त) की बेंच ने भारत के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश को उनके विभाजित फैसले के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण के मुद्दे पर अंतिम फैसला लेने के लिए तीन-सदस्यीय बेंच के गठन की सिफारिश की थी।

जस्टिस भूषण ने तब कहा था कि दिल्ली सरकार के पास प्रशासनिक सेवाओं पर कोई अधिकार नहीं हैं। हालांकि, जस्टिस सीकरी की राय उनसे अलग थी।

गैर स्थानीय मतदाताओं के मुद्दे सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं होंगे सज्जाद लोन

एजेंसी

श्रीनगर। पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने सोमवार को कहा कि वह गैर स्थानीय मतदाताओं को जोड़ने के विवादास्पद मुद्दे पर चर्चा करने के लिए नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला द्वारा बुलाई गयी सर्वदलीय बैठक में भाग नहीं लेंगे।

लोन ने आज यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मैं सर्वदलीय बैठक में भाग नहीं लूंगा क्योंकि इस बैठक में भाग लेने या नहीं लेने से कुछ नहीं होगा। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि भविष्य में अगर फारूक अब्दुल्ला को उनकी जरूरत है, तो वह सिर्फ एक कॉल की दूरी पर हैं।

उन्होंने कहा, हम कानून से नहीं डरते। हम कानून लागू करने वालों से डरते हैं। हम एक अक्टूबर तक इंतजार करेंगे और अगर हमें लगता है कि जनसांख्यिकीय हस्तक्षेप के समान कुछ किया गया है तो हम दिल्ली में सभी संवैधानिक संस्थानों के सामने भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

पीपुल्स कांफ्रेंस नेता ने कहा कि उनके मन में फारूक साहब के लिए बहुत सम्मान है, लेकिन हकीकत यह है कि अगर सर्वदलीय बैठक एक गंभीर कवायद है तो इसे पूरी मीडिया की चकाचौंध में नहीं किया जाना चाहिए था।

ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी नेता महबूबा मुफ्ती पर भी यह कहते हुए निशाना साधा कि उन्होंने (सुश्री मुफ्ती) अपने जनाधार को पुन: प्राप्त करने के लिए बेताब हैं।

अतिरिक्त मतदाताओं को शामिल करने के मुद्दे पर जम्मू कश्मीर सरकार के स्पष्टीकरण पर उन्होंने कहा कि एक पार्टी के रूप में वे न तो सरकार द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण को समग्र रूप से स्वीकार करते हैं और न ही इसे अस्वीकार करते हैं।

जम्मू कश्मीर में गैर-मतदाताओं के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक जारी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में गैर-स्थानीय मतदाताओं के समावेश के मुद्दे पर विचारविमर्श के लिए नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के आह्वान पर आयोजित सर्वदलीय बैठक जारी है।

सर्वदलीय बैठक में पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, कांग्रेस पार्टी प्रदेश अध्यक्ष वकार ररुल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से एम वाई तारीगामी, अवामी नेशनल कांफ्रेंस से मुअफ्फर शाह और जम्मू कश्मीर शिव सेना के अध्यक्ष मनीष साहनी शामिल हैं।

पीपुल्स कांफ्रेंस से सज्जाद लोन और अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने हालांकि बैठक से दूरी बनायी है। सर्वदलीय बैठक में भाग लेने से पहले नव नियुक्त जम्मू कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी प्रदेश में गैर-स्थानीय मतदाताओं को मतदान सूची में जोड़ने के खिलाफ है।

शिव सेना नेता साहनी ने कहा कि मौजूदा सरकार डोगरा, कश्मीरियों और गुर्जरों की पहचान को विकृत कर रही है। श्री साहनी ने श्री अब्दुल्ला के आवास के बाहर संवाददाताओं से कहा, जम्मू-कश्मीर संकट में है और लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च हैं और हमें अपनी विचारधाराओं के बावजूद जनता की मदद के लिए एकजुट होना होगा।

कांग्रेस के पार्टी ऑफिस पर लगाए गए सावरकर के पोस्टर, गरमाई राजनीति; पुलिस सुरक्षा बढ़ाई गई

बेंगलुरु। कर्नाटक के विजयपुरा में कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर कुछ अज्ञात लोगों ने वीडी सावरकर के पोस्टर्स लगा दिए। इसे लेकर राजनीति और अधिक गरमाती इससे पहले ही पुलिस ने ये पोस्टर हटा दिए। फिलहाल इलाके में पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी है। मालूम हो कि राज्य में सावरकर के पोस्टर को लेकर सियायत पहले ही काफी तेज हो गई है। इस मामले में 15 अगस्त यानि स्वतंत्रता दिवस पर झड़पें भी हुई थीं।

इस बीच, भाजपा के एक पदाधिकारी ने सावरकर के पोस्टर चिपकाने की साजिश में शामिल होने की बात स्वीकार की है। उन्होंने कहा,

%हम लोग ही हैं जिन्होंने सावरकर की फोटो चिपकाई है। हुबली में कांग्रेस नेताओं की लीडरशिप में सावरकर की फोटो जलाई गई। कांग्रेस बार-बार सावरकर पर विवाद खड़ा कर रही है। कांग्रेसियों को सावरकर का सम्मान करना चाहिए और उनके बारे में किताबें पढ़नी चाहिए। आखिर कांग्रेस सावरकर की फोटो जलाकर क्या संदेश देना चाहती है ?

खुद ही पोस्टर फाड़ेंगे और तनाव खड़ा करेंगेः कांग्रेस

इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने पुलिस और जिला प्रशासन से पार्टी कार्यालय की दीवारों पर लगे सावरकर के पोस्टर को हटाने की अपील की थी। स्थानीय कांग्रेस नेता ने कहा, हम इस बात को लेकर चिंतित हैं कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने आज ये पोस्टर लगाए हैं और बाद में खुद ही इसे फाड़ देंगे, जिससे तनाव पैदा होगा। हालांकि, उन्होंने पोस्टर्स की सुरक्षा के लिए कई पुलिस अधिकारियों की तैनाती भी की हुई है। यह शर्मनाक है। इसलिए हमें इस पर आपत्ति है।

गणेश पंडालों में लगाए जाएंगे सावरकर और तिलक के पोस्टर

वहीं, राज्य में दक्षिणपंथी संगठनों ने सावरकर और बाल गंगाधर तिलक के पोस्टर राज्य के विभिन्न गणेश पंडालों में लगाने का फैसला किया है। श्रीराम सेना के प्रमुख प्रमोद मुतालिक ने कहा, हमने राज्यभर में कम से कम 15,000 स्थानों पर वीर सावरकर और तिलक की तस्वीरें लगाने का फैसला किया है।

बाढ़ प्रभावित जिलों में मुफ्त मिलेगा सेनेटरी पैड, ओडिशा सरकार का आदेश

भुवनेश्वर। ओडिशा में भीषण बारिश के चलते बाढ़ के हालात बन गए हैं। लगातार बारिश के कारण राज्य की नदियां उफान पर हैं। जहां एक ओर सैकड़ों गांव जलमग्न हैं, वहीं हजारों हेक्टेयर में लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। इसी बीच ओडिशा सरकार ने बाढ़ प्रभावित जिलों के कलेक्टरों से कहा है कि वे प्रभावित गांवों में लड़कियों और महिलाओं को सेनेटरी पैड मुफ्त में वितरित करें।

स्वच्छता उपायों के साथ चिकित्सा देखभाल आवश्यक

दरअसल, ओडिशा सरकार की तरफ जारी किए एक बयान में कहा गया है कि बाढ़ में फंसीं महिलाओं और लड़कियों के लिए स्वच्छता उपायों के साथ-साथ उचित चिकित्सा देखभाल आवश्यक है। इसलिए कृपया

सीडीएमओ को निर्देश दें कि आपातकालीन स्वच्छता उपायों के रूप में सेनेटरी पैड की खरीद करें और वंचित क्षेत्रों में महिलाओं और लड़कियों को वितरित करें।

बाढ़ प्रभावित जिलों के कलेक्टरों को पत्र लिखा

आगे यह भी कहा गया कि इस तरह के खर्च की लागत एसडीआरएफ की तरफ से एसआरसी द्वारा वहन की जाएगी। ओडिशा सरकार के विशेष राहत आयुक्त प्रदीप जेना ने 10 बाढ़ प्रभावित जिलों के कलेक्टरों को पत्र लिखा है। जिनमें खोरधा, पुरी, कटक, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, नयागढ़, बालासोर, भद्रक, बौध और क्योंझर शामिल हैं।

सुवर्णरिखा नदी बेसिन पर बाढ़ की स्थिति गंभीर

इस बीच सुवर्णरिखा नदी बेसिन पर स्थित बालासोर और मयूरभंज जिले में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और उन जिलों के सात ब्लॉकों के सैकड़ों गांव सुवर्णरिखा के बढ़ते पानी से प्रभावित हैं।

झारखंड में गलुडीह बैराज के साथ सुवर्णरिखा नदी पर 6 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया, यह बालासोर के राजघाट इलाके में खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है।

राजस्थान में नेशनल ब्रॉडबैंड मिशन का हो प्रभावी क्रियान्वयन : उषा

जयपुर। राज्य की मुख्य सचिव उषा शर्मा ने राजस्थान को टेलीकॉम सेवाओं की पहुंच एवं विस्तार के मामले में अग्रणी बताते हुए कहा है कि सामाजिक एवं आर्थिक विकास की दृष्टि से हर गांव-ढाणी तक गुणवत्ता युक्त ब्रॉडबैंड सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग प्रदेश में नेशनल ब्रॉडबैंड मिशन का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। शर्मा आज यहां नेशनल ब्रॉडबैंड मिशन के तहत गठित स्टेट ब्रॉडबैंड कमेटी की पांचवीं बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय बॉडबैंड मिशन के तहत राज्य में ब्रॉडबैंड सेवाओं के विस्तार के लिए टॉवर लगाने एवं ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने के लिए एनओसी, भू-आवंटन सहित आवश्यक कार्यवाही को गति दी जाए।

मंकीपॉक्स फैलने के बीच टमाटर फ्लू के बढ़ते मामले चिंताजनक : विशेषज्ञ

जालंधर। हाल ही में मंकीपॉक्स के बाद देश में टमाटर फ्लू के मामलों में खतरनाक उछाल चिंताजनक है। भारत में पहली बार छह मई को टमाटर फ्लू की पहचान की गई थी और अब तक 82 बच्चों को इससे संक्रमित पाया गया है, जो सभी पांच साल से कम उम्र के हैं।

राष्ट्रीय संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के सलाहकार डॉ नरेश पुरोहित ने सोमवार को कहा कि लैंसेट रेस्पिरेटरी जर्नल में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन के अनुसार, आम संक्रामक रोग ज्यादातर 1-5 वर्ष की आयु के बच्चों को लक्षित करता है। प्रतिरक्षाविहीन वयस्क भी हाथ, पैर और मुंह की बीमारी (एचएफएमडी) का शिकार हो सकते हैं।

पठानकोट स्थित चिंतपूर्णी मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित वस्तुत: 'टमाटर बुखार खतरे' पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (सीएमई) को संबोधित करते हुए प्रख्यात महामारी विज्ञानी डॉ पुरोहित ने कहा कि टमाटर फ्लू आंतों के वायरस के कारण होता है और वयस्कों में दुर्लभ होता है क्योंकि उनके पास आमतौर पर वायरस से बचाव के लिए पर्याप्त प्रतिरक्षा प्रणाली होती है। उन्होंने बताया कि त्वचा पर लाल, दर्दनाक सूजे हुए फफोले जो टमाटर जैसे आकार में बदल जाते हैं, के बाद इस बीमारी को टमाटर फ्लू कहा जाता है। यह रोग बुखार, शरीर में दर्द और जोड़ों के दर्द से लैस होकर आता है। कुछ रोगियों ने मतली, उल्टी, दस्त, बुखार, निर्जलीकरण, जोड़ों में सूजन और शरीर में दर्द की भी सूचना दी है।

उन्होंने कहा, 'बच्चों को टमाटर फ्लू के संपर्क में आने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि इस आयु वर्ग में वायरल संक्रमण आम है और निकट संपर्क के माध्यम से फैलने की आशंका है।

मोदी सरकार के 8 वर्षो में बढ़ी महिलाओं की सहभागिता : राय

शिमला। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि आदिकाल से ही महिलाओं की सहभागिता और सहयोग समाज के निर्माण ने भूमिका रही है। भारतीय सभ्यता संस्कृति में हमेशा से ही महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही। मोदी सरकार के पिछले आठ सालों में महिलाओं को पूरे सम्मान के साथ आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को न केवल पुलिस बल्कि हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर देना मोदी सरकार की प्राथमिकता है।

राय ने कहा कि यह सम्मेलन हर दो वर्ष में आयोजित किया जाता है। शिमला में हो रहे इस सम्मेलन मे कई महत्वपूर्ण विषयों को शामिल कर पुलिस तंत्र में कई सुधारात्मक सुझाव प्राप्त होंगे।

उन्होंने कहा कि देश की महिलाओं को सुरक्षा कें लिये नए आयाम छूने में सहयोग मिलेगा। महिलाओ की सहभागिता पुलिस बल, पैरामिलिट्री व अन्य सुरक्षा बलों में बढ़ी है यह गर्व की बात है। उल्लेखनीय है कि शिमला में पहली बार होने जा रहें दसवें महिला पुलिस सम्मेलन का आगाज राजभवन से हो गया है। दो दिवसीय इस सम्मेलन का शुभारंभ आज केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानन्द राय ने किया।

भरतपुर में दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

भरतपुर। राजस्थान में करौली की लांगरा थाना क्षेत्र में पुलिस और डीएसटी टीम ने बहरदा के जंगलों से एक-एक हजार रुपए के दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को धौलपुर की बसई डांग थाना पुलिस को सौंपा जाएगा। जिला पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस ने बताया कि रविवार देर रात को जिला स्पेशल टीम एवं पुलिस को गश्त के दौरान बहरदा के जंगलों में धौलपुर पुलिस के इनामी बदमाश रामगोपाल और हरी सिंह गुर्जर निवासी सुखसिंह का पुरा मजिरा सायपुर थाना बसई डांग (धौलपुर) के होने की सूचना मिली। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो दोनों बदमाश भागने लगे।

गरीब व कामगार वर्ग को सुदृढ करने की दिशा में किया जा रहा है काम: सिंह

सिरसा। हरियाणा के बिजली, अक्षय ऊर्जा एवं जेल मंत्री रणजीत सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश में खेल, शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार आदि क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीब व कामगार वर्ग को सुदृढ करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अब गांवों में भी शहरों की तर्ज पर विकास कार्य करवाए जा रहे है। हरियाणा सरकार निरंतर प्रदेश के विकास व सुविधाओं के विस्तार को लेकर कार्य कर रही है। सरकार द्वारा हर क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं व कार्यों का लाभ पहुंचे और सरकार अपने लक्ष्य में सफल भी हो रही है।

सिंह रानियां विधानसभा क्षेत्र के साहुवाला प्रथम, कर्मगढ, खुइयांनेपालपुर, पन्नीवाला मोटा, घोड़ांवाली आदि गावों में भ्रमण के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में साढ़े सात सालों के दौरान पूरे प्रदेश में समान विकास कार्यों के साथ-साथ आमजन को सरकार की योजनाओं व सुविधाओं का लाभ सरलता से मिले, इसके लिए गंभीरता से कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास व सबका प्रयास की नीति पर चलकर विकास करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार अपनी सकारात्मक सोच के साथ काम करते हुए आगे बढ़ रही है और पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कृतसंकल्प है।

अमित शाह का भोपाल आगमन महत्वपूर्ण और सौगात भरा होगा : शिवराज

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के भोपाल प्रवास पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनका हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री चौहान ने कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री शाह का यह दौरा मध्यप्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और सौगात भरा होगा। श्री चौहान ने केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह के भोपाल आगमन से पूर्व प्रसारित अपने संदेश में कहा कि यह

मध्यप्रदेश के लिए प्रसन्नता का विषय है कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह 21 अगस्त की रात्रि भोपाल पहुँच रहे हैं। श्री चौहान ने कहा कि वे इसे मध्यप्रदेश का सौभाग्य मानते हैं कि मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह की अध्यक्षता में की जा रही है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक है। इसमें छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश और उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री भी भोपाल पधार रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बैठक में अनुसूचित जाति, जनजाति कल्याण, किसान-कल्याण, महिलाओं और बच्चों के विरूद्ध अपराध की विवेचना, आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद, नक्सलवाद विषयों की रोकथाम के लिए व्यापक विचार-विमर्श होगा, जिसका लाभ चारों राज्यों को मिलेगा।

चौहान ने कहा कि यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि मध्यप्रदेश के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री एक नई सौगात देने के लिए भोपाल आ रहे हैं। वे नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के भोपाल केम्पस का भूमि पूजन करेंगे। मध्यप्रदेश की साढ़े 8 करोड़ जनता की ओर से वे उनका आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने एनएफएसयू का केम्पस भोपाल में स्थापित करने का फैसला किया है। भोपाल के गांधी नगर में स्थापित इस केम्पस में हजारों विद्यार्थियों को पढ़ने का अवसर प्राप्त होगा। चार कोर्स प्रारंभ हो रहे हैं। केम्पस निर्माण के बाद 20 कोर्स और प्रारंभ किए जाएंगे।

भोपाल में बारिश से हाल-बेहाल, दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों का दौरा रद्द, आधे शहर की बिजली गुल

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में कल सुबह से जारी बारिश के करीब 36 घंटे बाद भी अनवरत जारी रहने के चलते एक तरफ जहां समूचा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, वहीं आज हो रही मध्य क्षेत्रीय परिषद् की बैठक में दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों को खराब मौसम के कारण वर्चुअली शामिल होना पड़ रहा है। राजधानी में आज गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में ये बैठक हो रही है। इस बैठक में मध्यप्रदेश समेत छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्रियों को भी शामिल होना था। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बैठक में शामिल होने भोपाल नहीं आ पाने के कारण इसमें वर्चुअली शामिल हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर तेज हवाओं के साथ लगातार हो रही बारिश ने करीब आधे से ज्यादा शहर की बिजली गुल कर दी है। स्थान-स्थान पर पेड़ गिरने और जलभराव की खबरें हैं। भारी बारिश की आशंका को देखते हुए कल ही जिला कलेक्टर ने सभी स्कूलों के आज अवकाश रहने की घोषणा कर दी थी।

शार्ट न्यूज

खादी ग्रामोद्योग के विस्तार हेतु जाटसभा में लगेगा एकदिवसीय जागरूकता शिविर

नांगल चौधरी। खादी और ग्रामोद्योग आयोग अम्बाला छावनी हरियाणा (सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार) द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पी.एम.ई.जी.पी.) के अन्तर्गत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जायेगा। यह शिविर जिला महेंद्रगढ़ के विधानसभा क्षेत्र खण्ड नाँगल चौधरी स्थित जाटसभा में बुधवार 24 अगस्?त को लगाया जाएगा। जिसमें अधिकतम नवयुवक व नवयुवतियों को (पी.एम.ई.जी.पी.) कार्यक्रम के अन्तर्गत उद्योग लगाने की जानकारी दी जायेगी। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र में उद्योग लगाने हेतू अधिकतम 35 प्रतिशत अनुदान व शहर में 25 फिसदी अनुदान दिया जाता है। जो अपना उद्योग लगाना चाहते हैं। वह इस शिविर में सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए इस शिविर में भाग लेकर खादी ग्रामोद्योग का लाभ प्राप्त करेंगे।

डांडिया नृत्य, रामलीला व रावण दहन के पश्चात महा कवि सम्मेलन का होगा आयोजन

नई दिल्ली। आदर्श रामलीला कमेटी अशोक विहार फेस टू की कार्यकारिणी बैठक श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर अशोक विहार फेस टू में संपन्न हुआ जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय किया गया कि इस वर्ष हम संपूर्ण रामलीला का मंचन करेंगे। रामलीला के महामंत्री अनिल यादव ने बताया कि रामलीला शुभारंभ की पूर्व संध्या पर डांडिया नृत्य व रावण दहन के पश्चात महा कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। डांडिया नृत्य सुप्रसिद्ध कलाकारों के नेतृत्व में संपन्न होगा। रामलीला का मंच व प्रवेश द्वार अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम मंदिर के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। मंचन निपुण कलाकारों के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। नदी, झरना, वन ,पहाड़ आदि का प्राकृतिक दृश्य मनमोहक होगा। युद्ध व आकाशीय लीला को लेजर लाइटिंग के माध्यम से रोचक बनाया जाएगा। एलइडी स्क्रीन तकनीकी से महल, भवन आदि के दृश्य दर्शकों को आकर्षित करेंगे।रामलीला का लाइव प्रसारण इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व फेसबुक आदि के माध्यम से किया जाएगा। रामलीला के अध्यक्ष श्री अशोक गर्ग ने बताया कि अधिक से अधिक दर्शकों तक हम अपनी रामलीला का इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया के द्वारा लाइव मंचन दिखा सकें ऐसा पूर्ण प्रयास करेंगे।

एमसीडी कमिश्नर से मिला फेडरेशन ऑफ दिल्ली ट्रेड एसोसिएशनंस (रजि.) का प्रतिनिधिमंडल

नईदिल्ली। फेडरेशन ऑफ दिल्ली ट्रेड एसोसिएशनंस (रजि.) का प्रतिनिधिमंडल जिसमें अध्यक्ष आदरणीय श्री राधेश्याम शर्मा जी, महासचिव देवेन्द्र जैन (देवू), श्री चंद्रभूषण गुप्ता जी, श्री राजेन्द्र कपूर जी, श्री विराग जैन, श्री प्रवीण लूथरा जी, श्री देवेन्द्र सिंह जी आज MCD कमिश्नर श्री ज्ञानेश भारती जी से मिले। फेडरेशन ने दिल्ली बाजारों में आ रहे कंवर्जन नोटिस की परेशानियों से द्रूष्त्र कमिश्नर श्री ज्ञानेश भारती जी को अवगत कराया व कमिश्नर जी ने ध्यान से सभी बातों को सुना। उन्होंने कंवर्जन से संबंधित सभी डोक्यूमेंट्स, पालीसी मैटर, मास्टर प्लान का रोडमैप, कोर्ट की नोटीफिकेशन व द्रूष्त्र द्वारा अखबार में जारी कंवर्जन सूचना की कापी हमें दी हैं। जिसका फेडरेशन गंभीरता से अध्यन करेगी व आगे के कदम पर निर्णय लेगी। किसी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई पूछताछ करनी हो अथवा कोई समस्या हो तो संस्था के पदाधिकारियों से मिल सकता है।

10वीं की छात्रा के साथ खाली मकान में दुष्कर्म

ग्रेटर नोएडा। दादरी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 10वीं की छात्रा के साथ दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। छात्रा शाम के समय सहेली के घर से किताब लेने के लिए जा रही थी। इसी दौरान गांव के युवक ने उसके साथ खाली मकान में दुष्कर्म किया। पुलिस ने पीड़ित छात्रा का मेडिकल कराया और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। 15 वर्षीय बालिका कक्षा 10वीं की छात्र हैं। दो दिन पूर्व छात्रा गांव में ही रहने वाली सहेली के घर जा रही थी। उसको सहेली के घर से विज्ञान की किताब लेनी थी। इसी दौरान गांव का युवक उसे रास्ते में मिल गया और उसको गांव के खाली मकान में ले गया। वहां पर आरोपी युवक ने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया और मौके से फरार हो गया। छात्रा ने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती बात बताई। इसके बाद परिजनों ने कोतवाली पुलिस को मामले की शिकायत दी है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी पर पॉक्सो अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

करंट लगने से युवक की मौत

नोएडा। सेक्टर 63 थाना क्षेत्र के चोटपुर कॉलोनी में स्थित अपनी रिश्तेदारी में आये एक युवक की बिजली की हाईटेंशन वायर की चपेट में आने से मौत हो गयी । पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मरने वाले की पहचान सोनू (21) के रूप में की गयी है और वह दिल्ली के त्रिलोकपुरी का रहने वाला था जो अपने रिश्तेदार के घर आया था। उन्होंने बताया कि वह छत पर कपड़ा सुखाने गया था और इसी दौरान वह हाईटेंशन वायर की चपेट में आ गया। उन्होंने बताया कि करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अखलाक की पत्नी की कल गवाही

ग्रेटर नोएडा। अखलाक हत्याकांड में बुधवार को कोर्ट में दूसरी गवाही होगी। इसके लिए अखलाक की पत्नी इकरामन कोर्ट में गवाही देने पहुंचेंगी। इससे पहले अखलाक की बेटी शाइस्ता की गवाही इस केस में पूरी हो चुकी है। बुधवार को अखलाक की पत्नी इकरामन पुलिस सुरक्षा के बीच कोर्ट पहुंचेंगी। बिसहाड़ा गांव में हुए अखलाक हत्याकांड के मामले में कोर्ट में गवाही चल रही है। इसमें अखलाक की बेटी और चश्मदीद गवाह शाहिस्ता की गवाही पूरी हो चुकी है। अब इस मामले में बुधवार को अखलाक की पत्नी चश्मदीद गवाह इकरामन की गवाही होनी है। अखलाक पक्ष के अधिवक्ता युसूफ सैफी ने बताया कि बुधवार को इकरामन कोर्ट पहुंचेगी। पुलिस सुरक्षा के बीच इकरामन को कोर्ट में लाया जाएगा। कोर्ट में गवाही होने पर इस केस में तीसरे गवाह को बुलाया जाएगा।

गुरुग्राम : बस और कार की भीषण टक्कर, हादसे में चार युवकों की मौत

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में सोमवार सुबह एक प्राइवेट बस और कार की भीषण टक्कर में चार युवकों की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, सोमवार को सुबह खेटवास पेट्रोल पंप के सामने हुए भीषण सड़क हादसे में कार सवार चार युवकों की मौत हो गई। कार और बस में टक्कर की यह घटना पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मारुति कंपनी की स्टाफ बस कर्मचारियों को लेकर फरुखनगर से गुरुग्राम जा रही थी। बस जैसे ही खेतावास पेट्रोल पंप के पास पहुंची वैसे ही यू टर्न लेती कार से जा टकराई। बस की रफ्तार तेज होने के चलते बस कार को काफी दूर तक घसीटते हुए ले गई। इस भिड़ंत की की तमाम तस्वीरें सीसीटीवी फुटेज में भी कैद हुई हैं।

सिसोदिया को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग को लेकर भाजपा ने किया प्रचंड विरोध प्रदर्शन

भाजपा घर-घर जाकर आबकारी नीति में हुए भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए विशेष अभियान चलाएगी : आदेश गुप्ता

प्रफुल्ल राय/गौवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता की अगुवाई में आज दिल्ली भाजपा ने मुख्यमंत्री आवास के बाहर नई आबकारी नीति में हुए भ्राष्टाचार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। श्री गुप्ता ने मांग की है कि अब तो सिर्फ केजरीवाल ही नहीं बल्कि पूरी दिल्ली जान चुकी है कि इस पूरे घोटाले का मुख्य अपराधी अगर कोई है तो वह मनीष सिसोदिया हैं और इसके सरगना केजरीवाल हैं, तो अब उन्हें मंत्रिमंडल में जगह देने का मतलब है कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना। इसलिए उन्हें जल्द से जल्द मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली के घर-घर जाकर इस भ्रष्टाचारी सरकार की पोल खोलेंगे ताकि दिल्ली को भी इस बात की जानकारी हो कि किस तरह से टैक्स पेयर्स के पैसों का गलत इस्तेमाल केजरीवाल और उनकी सरकार सिर्फ अपने राजनीतिक लाभ और अपना चेहरा चमकाने के लिए कर रहे हैं।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए श्री आदेश गुप्ता ने आज केजरीवाल सरकार से सवाल करते हुए कहा कि अगर यह आबकारी नीति दिल्ली के राजस्व को बढ़ाने में मददगार थी तो इसे वापस क्यों लिया। बिना किसी कैबिनेट मीटिंग के शराब माफियाओं के 144 करोड़ रुपये माफी करने का केजरीवाल को मंजूरी किसने दे दी। जबकि आप प्रवक्ता कह रहे हैं कि कोरोना के कारण हमने यह कर्ज माफ कर दिए। उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान तो केजरीवाल और उनकी पूरी टीम मिलकर शराब माफियाओं के साथ मीटिंग कर रही थी कि किस तरह से आबकारी नीति के तहत पैसे अपने जेबों में भरे जाएं। इसके लिए उन्होंने कमीशन को 2 फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी कर दी। आदेश गुप्ता ने मनीष सिसोदिया का पुतला जलाकर विरोध जताते हुए कहा कि स्कूल खोलने की बात करने वाले केजरीवाल स्कूल तो नहीं खोल पाए, लेकिन उसके बगल में शराब के ठेके जरुर खोल दिए और साथ ही शराब पीने की उम्र को कम करके दिल्ली के युवाओं को नशे में झोंकने का काम करने से भी पीछे नहीं हटे। उन्होंने कहा कि जब इस पूरे मामले में बड़े घोटालों का खुलासा हुआ है और उसमें आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया सहित अन्य लोगों पर आरोप लग रहे हैं तो अब देश के महापुरुषों के नाम लेकर सिसोदिया उन्हें भी अपमानित करने का काम कर रहे हैं। दिल्ली के रिहायशी इलाकों, विद्यालय, धार्मिक स्थलों, इत्यादी के पास शराब के ठेके खुलवाकर इसमें जो लूट मचाई और इसका विरोध करने वाली महिलाओं को गुडों से पिटवाया, जिसे पूरी दिल्ली ने देखा है। नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि कानून के खिलाफ जाकर नई आबकारी नीति के तहत उन क्षेत्रों में भी शराब की दुकानें खोली गई जहां नहीं खुलनी चाहिए थी। 300 से ज्यादा शराब के ठेके गैरकानूनी ढंग से खोल दिए और इसके पीछे भारी भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया। आखिर केजरीवाल की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल ने उन क्षेत्रों में शराब के ठेके खोलने की अनुमति कैसे दे दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने शराब माफियाओं से पैसे लिए और कमीशन बढ़ाकर शराब माफियाओं को सीधे तौर पर फायदा पहुंचाने का काम किया गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि आज स्थिति यह है कि केजरीवाल सरकार के पास आबकारी नीति में हुए भ्रष्टाचार पर कोई जवाब नहीं है इसलिए अब वे आबकारी नीति पर सवाल करने पर शिक्षा और स्वास्थ्य के बारे में बता रहे हैं और विदेशी अखबारों में पेड न्यूज छपवाकर खुद ही खुश हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली की जनता जानना चाहती है कि उनके टैक्स के रुप में दिए गए करोड़ों रुपये का क्या हुआ। प्रदर्शन में प्रदेश महामंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजन तिवारी एवं श्री जयवीर राणा, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती योगिता सिंह, पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष श्री कौशल मिश्रा, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष श्री संतोष पाल सहित प्रदेश, मोर्चा एवं जिला के अन्य पदाधिकारी और हज़ारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

गलत आधार पर लोगों का ध्यान भटका रहे हैं केजरीवाल: बिधूड़ी

आनंद राय/गौवशाली भारत

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली सांसद श्री रमेश बिधूड़ी ने भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय कायार्लय में प्रेस वार्ता कर दिल्ली के मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल के झूठ को उजागर करते हुए कहा कि गलत आधार पर केजरीवाल जी बार-बार लोगों का ध्यान भटका कर कर के उन्हें विषय से भटकाना चाहते हैं, वह गलत बयान देकर व गलत ट्विट कर के सोचते हैं कि दिल्ली व देश वासियों का ध्यान विषय से भटक जाएगा। लेकिन आपने यह नहीं सोचा कि आज क्या कह रहे होंगे वो 80 प्रतिशत लोग जो पहले कांग्रेस के भ्रष्टाचार, टूजी स्पेक्ट्रम, कोयला घोटाले से लेकर देश को बबार्द करने वाली नीतियों से त्रस्त थे, जिन्होंने आपके ऊपर विश्वास कर के आपको की दिल्ली की सत्ता सौंपी थी, आज उन लोगों की आत्मा तक रो रही है, उन्हें सरदार भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव जी व प्रधानमंत्री नहीं बनना था, उन्होंने देश को दीमक की तरह चाटने वाली भ्रष्टाचारी कांग्रेस को हटाकर आप पर भरोसा जताया था और आपको दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाने की पहल दिल्ली के लोगों ने की थी, वह लोग आज निश्चित रूप से बहुत प्रताड़ित हो रहे होंगे कि वह आम आदमी जो भ्रष्टाचार को समाप्त करने लिए आया था, परन्तु अब वही भ्रष्टाचार में लिप्त हो कर टेलीविजन पर इधर-उधर की बात करके भ्रष्टाचार को दबाने व लोगों को भटकाने का काय कर रहा है।

बिधूड़ी ने दिल्ली में आबकारी नीति के क्रियान्वयन में हुए भ्रष्टाचार के विषय में दिल्ली सरकार पर कटाक्ष करते हुए सरकार को सवालों के घेरे में लिया, उन्होंने कहा कि करोड़ों रूपये के लेन-देन में 15 लोगों सहित एफआईआर में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री पहले अभियुक्त हैं। आपने जो पालिसी बनाई थी उस पालिसी में यह विषय भी शामिल था जिसे आप दबाने का कार्य कर रहे हैं। आपने कहा था कि हम इंडिविजुअल लोगों को लॉटरी के सिस्टम से लाइसेंस देंगे, परन्तु आपने ऐसा ना कर के कार्टेल, भगवती ट्रांसपोर्ट, लोहा गारमेन्ट्स, एच.आर सोल्यूशन आदि बड़ी-बड़ी कंपनियों को लाइसेंस देने का काम किया, और आपने जो लोगों से कहा कि पब्लिक हमें जो अपना रिफरेंडम देकर कहेगी हम वही काम करेंगे। कमेटी ने रिपोट दी जिसे दरकिनार कर आपने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री होते हुए बड़े लोगों को अपने दफ्तर में ना बुला कर उन्हें ओबेरॉय में डील के लिए बुलाया, बताएं इन लोगों से आपकी क्या रिश्तेदारी थी? बिधूड़ी ने आगे बताया कि 32 जोन में प्रत्येक व्यक्ति को दो-दो जोन के कांन्टैक्ट इनके द्वारा दिए गए, जिसमें 3-3 करोड़ रूपये उनसे लिया गया या नहीं, इसका जवाब दें? और केजरीवाल जी यह बताएं कि जोन में जो रिटेल के दुकानदार थे क्या आपसे मनीष सिसोदिया जी ने बात कर के यह तय नहीं किया कि हर दुकानदार 2.5 लाख रूपये हर महीने हमको देगा इसलिए हमने उनका कमिशन 2 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया है? जब उन दुकानदारों से सीबीआई गहराई में जा कर यह पूछेगी तो सच्चाई खुदबखुद सामने आ जाएगी। बिधूडी ने कहा कि उन लोगों को इंटरनेशनल बीयर जिसका आपने ऑबरोय होटल में डील के वक्त कांन्टेक्ट में इंटरनेशनल बीयर पर 50 रूपये पेटी के हिसाब से दिल्ली की जनता को लूटने के लिए वो कीमत क्यों बढ़ाई गई? जवाब दीजिए केजरीवाल जी। आप बार-बार कहते हैं कि यह पालिसी बहुत अच्छी थी लेकिन अब पूरा देश जान चुका है और आपके फोलोवर भी जान चुके हैं कि जब यह अच्छी पालिसी थी तो आपने इसको विथड्रॉ क्यों किया। अगर आप ईमानदार हैं तो स्वतंत्र रूप से जनता के प्रश्नों का जवाब दीजिए ना कि इधर-उधर की बाते कर गुमराह करने का प्रयास कीजिए।

आप कहते हैं कि मैं इनकम टैक्स कमीश्नर था अगर मैं भ्रष्टाचारी होता तो करोड़ो रूपये लूट सकता था, जो कि केजरीवाल जी का सबसे बड़ा झूठ है, कि वो इनकम टैक्स कमीशनर थे, अगर आप इनकम टैक्स कमीशनर थे तो लोगों को बताइये की कौन सी सन् में थे, आपके जनता से बोले गए सभी झूठ एक-एक कर उजागर हो रहे है, जनता जानना चाहती है, इसका जवाब दीजिए ?

मनीष सिसोदिया का बड़ा दावा, केस बंद कराने के लिए बीजेपी ने दिया है ऑफर

नई दिल्ली। दिल्ली में कथित शराब घोटाले को लेकर सीबीआई की जांच के दायरे में आए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन्हें आम आदमी पार्टी (आप) को तोड़ने को कहा है और इसके बदले सीबीआई-ईडी केस बंद कराने का लालच दिया गया है। सिसोदिया ने खुद को राजपूत और महाराणा प्रताप का वंशज बताते हुए कहा कि वह सिर कटा लेंगे लेकिन झुकेंगे नहीं।

सिसोदिया ने ट्वीट किया, मेरे पास भाजपा का संदेश आया है- आप तोड़कर भाजपा में आ जाओ, सारे CBI ED के केस बंद करवा देंगे। मेरा भाजपा को जवाब- मैं महाराणा प्रताप का वंशज हूं, राजपूत हूं। सर कटा लूंगा लेकिन भ्रष्टाचारियो-षड्यंत्रकारियों के सामने झुकूंगा नहीं। मेरे खिलाफ सारे केस झूठे हैं। जो करना है कर लो।

इस बीच, सिसोदिया अरविंद केजरीवाल के साथ गुजरात के लिए निकल गए हैं। उन्होंने कहा, मैं अरविंद केजरीवाल के साथ दो दिन के दौर पर गुजरात जा रहा हूं। जिस प्रकार से दिल्ली में काम हुआ है और जिस प्रकार से पंजाब में काम हो रहे हैं, इससे प्रभावित होकर गुजरात की जनता केजरीवाल को एक मौका देना चाहती है। पिछले 27 साल में भाजपा ने गुजरात के लिए जो नहीं किया वो केजरीवाल की सरकार करके दिखाएगी दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया।

उधर, केजरीवाल सरकार पर एक बार फिर बरसते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह पहली बार है कि किसी एक ही व्यक्ति के पास शिक्षा विभाग भी है और शराब का विभाग भी है। यह सरकार कट्टर भ्रष्टाचार करती है। यदि इनकी शराब नीति इतनी ही शानदार है तो फिर क्यों सीबीआई ने दस्तक दी है। अरविंद केजरीवाल सर्टिफिकेट देते सत्येंद्र जैन को और वह आज जेल में हैं। अब मनीष सिसोदिया को अरविंद केजरीवाल सर्टिफिकेट दे रहे हैं।

नोएडा में अवैध रूप से रहने वाले 15 चीनी नागरिक पकड़े

दिल्ली स्थित डिटेंशन सेंटर भेजे गए

एजेंसी

नोएडा। नोएडा पुलिस ने गौतमबुद्धनगर में अवैध रूप से रहने वाले 15 चीनी नागरिकों को सोमवार को हिरासत में लिया है। यह सभी वीजा अवधि समाप्त होने के बावजूद अवैध रूप से बिना अनुमति नोएडा में रह रहे थे। हिरासत में लिए गए नागरिकों को दिल्ली स्थित डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया है।

चीनी नागरिकों से जुड़े हवाला, ठगी और जासूसी के मामले सामने आने के बाद से पुलिस जिले में विशेष अभियान चला रही है। इसके तहत नोएडा में अवैध रूप से रहने वाले विदेशी नागरिकों की पहचान की जा रही है और उनके पते की जानकारी लेकर हिरासत में लिया जा रहा है।

अभियान के तहत पुलिस ने जिलेभर से 15 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इनमें एक महिला व 14 पुरुष हैं।

यह सभी वीजा अवधि समाप्त होने के बावजूद नोएडा में अवैध रूप से रह रहे थे। वीजा समाप्त होने के बारे में ये लोग अपने दूतावाज को भी जानकारी नहीं दे रहे थे।

अभियान के तहत पुलिस ने सेक्टर-113 थानाक्षेत्र से 3, सेक्टर-46 थानाक्षेत्र से 1, फेज-2 थानाक्षेत्र से 6, सेक्टर-142 थानाक्षेत्र से 3 और दो को अन्य जगह से पकड़ा है। पुलिस सभी चीनी नागरिकों को दिल्ली स्थित डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया। यहां से उन्हें उनके देश भेज दिया जाएगा।

गुरुग्राम के निजी स्कूल में 11 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

गुरुग्राम। गुरुग्राम एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाली 11 वर्षीय एक छात्रा की सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में स्कूल में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि यह घटना सेक्टर-64 के एक प्राइवेट स्कूल में सोमवार सुबह करीब 8.40 बजे हुई, जब चौथी क्लास की छात्रा अपने क्लास रूम की ओर जाते समय बेहोश हो गई। स्कूल के कर्मचारी उसे तुरंत पास के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि छात्रा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। लड़की अपने परिवार के साथ सेक्टर-65 में एक बहुमंजिला सोसाइटी में रहती है।

पढ़ाई से छुटकारा पाने को 10वीं के छात्र ने कर दी दोस्त की हत्या

स्कूल से बचने को बनाई थी जेल जाने की योजना

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मसूरी इलाके में हत्या की एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मसूरी थाना क्षेत्र में दसवीं के एक छात्र ने स्कूल और पढ़ाई से छुटकारा पाने के लिए आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले अपने दोस्त की हत्या कर दी। आखिरी बार दोनों को साथ देखे जाने पर पुलिस को आरोपी पर शक हुआ। पूछताछ करने पर आरोपी ने बेबाकी से अपना गुनाह कबूल कर लिया। उसने बताया कि स्कूल से बचने के लिए उसने जेल जाने की योजना बनाई थी। इसी के तहत उसने गला दबाकर दोस्त की हत्या कर दी। मसूरी थानाक्षेत्र के ननकागढ़ी में रहने वाले राज मिस्त्री विनोद का बेटा नीरज आठवीं कक्षा में पढ़ता था। पड़ोस में ही रहने वाला 16 वर्षीय और दसवीं कक्षा का छात्र उसका दोस्त था। सोमवार करीब चार बजे हत्यारोपी किशोर, नीरज को घर से घूमने के बहाने अपने साथ ले गया। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के बराबर में स्लैब पर ले जाकर उसने नीरज की गला दबाकर हत्या कर दी।

नीरज बेसुध होकर गिर गया, जिसके बाद हत्यारोपी छात्र मौके से फरार हो गया। उधर, राहगीरों ने किशोर को पड़ा देख पुलिस को इसकी सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस नीरज को पास के अस्पताल में लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मसूरी थाना एसएचओ रविंद्र चंद पंत ने बताया कि नीरज को आखिरी बार पड़ोसी किशोर के साथ देखा गया था। इसके बाद पुलिस ने उसे घर के बाहर से घूमते हुए पकड़ लिया। एसएचओ ने बताया कि हत्यारोपी से पूछताछ के बाद पता चला है कि हत्यारोपी किशोर पढ़ाई नहीं करना चाहता था और स्कूल से छुटकारा पाने के लिए उसने जेल जाने की योजना बनाई। इसी के चलते उसने नीरज की हत्या कर दी। छात्र के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

एनसीआर के इस इलाके में बनने जा रहा है 2600 बेड वाला हॉस्पिटल, 24 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

फरीदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 24 अगस्त को दिल्ली एनसीआर के फरीदाबाद में माता अमृतानंदमयी मठ द्वारा संचालित होने वाले 2600 बिस्तरों वाले अमृता हॉस्पिटल का उद्घाटन करेंगे।

विश्व प्रसद्धि समाजसेविका और आध्यात्मिक गुरु श्रीमाता अमृतानंदमयी देवी (अम्मा) इस अवसर पर उपस्थित रहेंगी। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर भी समारोह में शामिल होंगे। यह अस्पताल दिल्ली-एनसीआर में लोगों को नवीनतम स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराने और उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल की सुविधा प्रदान करने के अलावा और भी कई सुविधाएं प्रदान करेगा।

पूरा उत्तर-पूर्वी भारत है लक्ष्य

संगठन ने आज यहां जारी बयान में कहा कि अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद का लक्ष्य पूरे उत्तर और उत्तर-पूर्वी भारत के रोगियों को अपनी सेवाएं

प्रदान करना है। आर्थिक दृष्टिकोण से अस्पताल लगभग 2,000 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार और 2,000 और लोगों के लिए अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा। अस्पताल के एक बार पूरी तरह से चालू हो जाने के बाद, अस्पताल में लगभग 10,000 कर्मचारी और 800 से अधिक डॉक्टर होंगे।

एआई/बायोइंफॉर्मेटिक्स पर होगा विशेष ध्यान

अमृता हॉस्पिटल के रेजिडेंट मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संजीव के सिंह के अनुसार यह अत्याधुनिक चिकित्सा अनुसंधान अत्यधिक महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा, अस्पताल में एक समर्पित अनुसंधान खंड होगा जो सात मंजिल की इमारत में कुल तीन लाख वर्ग फुट में फैला होगा जिसमें विशेष ग्रेड ए से डी जीएमपी प्रयोगशालाएं होंगी। यहां नए डायग्नोस्टिक मार्कर्स की पहचान करने पर, एआई, एमएल, बायोइंफार्मेटिक्स आदि ध्यान दिया जाएगा। हम चिकित्सा विज्ञान में दुनिया के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ अनुसंधान सहयोग करने की प्रक्रिया में हैं।

कई सुविधाओं से लैस होगा हॉस्पिटल

फरीदाबाद सेक्टर -88 में स्थित यह अस्पताल कुल एक करोड़ वर्ग फुट में बनेगा, जिसमें 14 मंजिल की बिल्डिंग होगी, जहां प्रमुख चिकित्सा सुविधाएं और रोगियों के लिए जगह होगी। यहां ऑन्कोलॉजी, कार्डियक साइंसेस, न्यूरोसाइंसेस, गैस्ट्रो-साइंसेज, रीनल साइंसेस, बोन डिजीज और ट्रामा, ट्रांसप्लांट, और मदर एंड चाइल्ड केयर सहित 81 स्पेशियलिटीज और आठ उत्कृष्टता केंद्र होंगे। संक्रामक रोगों से निपटने के लिए अस्पताल में भारत का सबसे बड़ा विभाग भी होगा।

देश के बड़े प्रत्यारोपड़ केंद्रों में से एक

डॉ सिंह ने कहा, अस्पताल द्वारा पेश किया जाने वाला व्यापक प्रत्यारोपण कार्यक्रम देश में सबसे बड़े प्रत्यारोपण कार्यक्रमों में से एक होगा। अमृता हॉस्पिटल, कोच्चि ने भारत के पहले दो डबल हैंड ट्रांसप्लांट और देश के पहले अपर-आर्म डबल हैंड ट्रांसप्लांट जैसी जटिल सर्जरी के साथ कई अन्य जटिल सर्जरी की है और इसी तरह की महत्वपूर्ण सर्जरी अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद में भी की जाएगी।

'आप' सरकार ने कमेटी की सिफारिशों को किया नजरअंदाज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार द्वारा गठित समिति की महत्वपूर्ण सिफारिशों को नई आबकारी नीति में शामिल नहीं किया गया, जबकि नीति के एक प्रमुख प्रावधान को भी लागू नहीं किया गया, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने को कम से कम 900 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। भाजपा ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के इस दावे का भी खंडन किया कि पार्टी ने उनके खिलाफ सभी मामलों को वापस लेने की पेशकश की है यदि वह आप छोड़कर भाजपा में शामिल हो जाते हैं।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके डिप्टी, जो शराब नीति घोटाले में आरोपी नंबर एक हैं, हर बार बीजेपी द्वारा उनसे कड़े सवाल पूछने पर पाला बदलते रहते हैं। भाटिया ने कहा कि भाजपा एक सम्मानित परिवार है और इसमें भ्रष्ट लोगों के लिए कोई जगह नहीं है। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भाटिया ने कहा कि समिति ने सिफारिश की है कि थोक वितरण सरकार के पास रखा जाना चाहिए, प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक नई लॉटरी प्रणाली के आधार पर खुदरा वेंडिंग दी जानी चाहिए और नवीनीकरण के समय लाइसेंस शुल्क में 10त्न की वृद्धि का प्रावधान करना चाहिए। लेकिन, थोक और लॉटरी प्रणाली के संबंध में समिति की सिफारिशों को नीति में शामिल नहीं किया गया था। अरविंद केजरीवाल और सिसोदिया देश के पहले मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम हैं, जिन्हें सरकारी एजेंसियों पर भरोसा नहीं है। भाटिया ने कहा कि 32 क्षेत्रों के लिए खुदरा विक्रेताओं के लिए लॉटरी प्रणाली के बजाय समिति की सिफारिश के बावजूद थोक वितरण निजी खिलाड़ियों को दिया गया था, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ। भाटिया ने कहा कि उन्होंने 16 कंपनियों का चयन किया और उन्हें प्रत्येक को दो क्षेत्र दिए। उन्होंने लाइसेंस शुल्क में 144 करोड़ रुपये की छूट भी दी और 30 करोड़ रुपये की फर्म की बयाना राशि को माफ कर दिया।

संपादकीय

कश्मीर को अन्य प्रांतों के लोगों के लिए अछूत बनाकर क्यों रखना चाहते हैं कश्मीरी नेता

इन कश्मीरी नेताओं का गुस्सा बिल्कुल स्वाभाविक है, क्योंकि नेता लोग राजनीति में आते ही इसीलिए हैं कि उन्हें येन-केन-प्रकरेण सत्ता-सुख भोगना होता है। केंद्र सरकार इधर जो भी सुधार वहां कर रही है, वह उन नेताओं को बिगाड़ के अलावा कुछ नहीं लगता।

जम्मू-कश्मीर को लेकर अब एक और नया विवाद छिड़ गया है। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि जम्मू-कश्मीर में रहने वाले अन्य प्रांतों के नागरिकों को अब वोट डालने का अधिकार मिलने वाला है। जम्मू-कश्मीर की लगभग सभी पार्टियां इस नई पहल पर परेशान दिखाई पड़ रही हैं। पहले तो वे धारा 370 और 35 ए को ही हटाने का विरोध कर रही थीं। अब उन्हें लग रहा है कि उनके सिर पर एक नया पहाड़ टूट पड़ा है।

उनका मानना है कि केंद्र सरकार के इशारे पर किया जा रहा यह कार्य अगला चुनाव जीतने का भाजपाई पैंतरा भर है लेकिन इससे जम्मू-कश्मीर का असली चरित्र नष्ट हो जाएगा। सारे भारत की जनता कश्मीर पर टूट पड़ेगी और कश्मीरी मुसलमान अपने ही प्रांत में अल्पसंख्यक बन जाएंगे। इस वक्त वहां की स्थानीय मतदाताओं की संख्या लगभग 76 लाख है। यदि उसमें 25 लाख नए मतदाता जुड़ गए तो उन बाहरी लोगों का थोक वोट भाजपा को मिलेगा।

जम्मू के भी ज्यादातर वोटर भाजपा का ही साथ देंगे। ऐसे में कश्मीर की परंपरागत प्रभावशाली पार्टियां हमेशा के लिए हाशिए में चली जाएंगी। पहले ही निर्वाचन-क्षेत्रों के फेर-बदल के कारण घाटी की सीटें कम हो गई हैं। इसी का विरोध करने के लिए नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारुक अब्दुल्ला ने भाजपा को छोड़कर सभी दलों की एक बैठक भी बुलाई है। पीडीपी की नेता महबूबा मुफ्ती भी काफी गुस्से में नजर आ रही हैं।

इन कश्मीरी नेताओं का गुस्सा बिल्कुल स्वाभाविक है, क्योंकि नेता लोग राजनीति में आते ही इसीलिए हैं कि उन्हें येन-केन-प्रकरेण सत्ता-सुख भोगना होता है। केंद्र सरकार इधर जो भी सुधार वहां कर रही है, वह उन नेताओं को बिगाड़ के अलावा कुछ नहीं लगता। ऐसे में इन कश्मीरी नेताओं से मेरा निवेदन है कि वे अपनी दृष्टि ज़रा व्यापक क्यों नहीं करते हैं?

यदि कश्मीरी नेता देश के गृहमंत्री, राज्यपाल, सांसद, राजदूत और केंद्र सरकार के पूर्ण सचिव बन सकते हैं तथा कश्मीरी नागरिक देश में कहीं भी चुनाव लड़ सकते हैं और वोट डाल सकते हैं तो यही अधिकार गैर-कश्मीरी नागरिकों को कश्मीर में दिए जाने का विरोध क्यों होना चाहिए? देश के जैसे अन्य प्रांत, वैसा ही कश्मीर भी। वह कुछ कम और कुछ ज्यादा क्यों रहे?

यदि कश्मीरी लोग देश के किसी भी हिस्से में जमीन खरीद सकते हैं तो देश के कोई भी नागरिक कश्मीर में जमीन क्यों नहीं खरीद सकते? हमारे कश्मीरी नेता कश्मीर जैसे सुंदर और शानदार प्रांत को अन्य भारतीयों के लिए अछूत बनाकर क्यों रखना चाहते हैं? मैं तो वह दिन देखने को तरस रहा हूं कि जबकि कोई पक्का कश्मीरी मुसलमान भारत का राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री बन जाएं।

क्रिप्टो करेंसी (आभासी मुद्रा) का मायाजाल, भौतिक अस्तित्व पर सवाल

आज का युग तकनीकी तथा नवाचार का युग है। वैश्विक स्तर पर हर देश में आज तकनीकी परिवर्तन हो रहे हैं। तकनीकी परिवर्तन के कारण देश में हर क्षेत्र में डिजिटलाइजेशन हो रहा है। ऐसा ही एक नया प्रयोग, नवाचार आभासी मुद्रा यानी क्रिप्टो करेंसी का आर्थिक क्षेत्र में पदार्पण हुआ है। क्रिप्टो करेंसी के सिक्के के भी दो पहलू हैं एक पहलू में बहुत सारे लाभ हैं और दूसरे पहलू में आर्थिक संदर्भ में चुनौतियां या सुरक्षा अंतर्निहित है। इसको अपनाने से पहले या इसे स्वीकार करने से पहले इसके कानूनी पक्ष और विधि सम्मत स्वीकार्यता पर पूरा ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होगी। क्रिप्टोकरंसी एक डिजिटल मुद्रा है, जिसे ना तो देखा जा सकता है ना ही चुन सकते न मुद्रा की भांति जेब में या पर्स में रखा जा सकता है, क्योंकि इसकी हार्ड कॉपी या मुद्रित रूप उपलब्ध ही नहीं है। यह करेंसी भौतिक रूप से उपलब्ध ना होने के कारण इसे आभासी मुद्रा कहा जाता है। यह एक स्वतंत्र किस्म की मुद्रा है इसका संचालन व नियमन किसी संस्था या सरकार द्वारा नहीं किया जा सकता इसे विकेंद्रीकृत मुद्रा भी कहा जाता है। यह एक डिजिटल मुद्रा है। यह एक ऐसी मुद्रा है जिसे कंप्यूटर एल्गोरिथ्म के आधार पर बनाया जाता है। किसे केवल कंप्यूटर में ही देखा जा सकता है गिना जा सकता है एवं भुगतान किया जा सकता है। यह मुद्रा सरकारी नियंत्रण से मुक्त है। विश्व में सबसे पहले 2009 में जापान के संतोषी नाकमोतो द्वारा बनाई गई थी। वर्तमान में बाजार में 1500 से भी ज्यादा क्रिप्टो करेंसी उपलब्ध है, जो पियर टू पियर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के रूप में काम करती है। वर्तमान में क्रिप्टोकरंसी काफी लोकप्रिय होती जा रही है इसकी लोकप्रियता का कारण एक यह भी है कि यह गोपनीयता बनाए रखने में सहायक होती है। जिसके लेन देन में छद्म नाम एवं पहचान बनाई जाती है। ऐसे में निजता तो लेकर अत्यधिक संवेदनशील व्यक्तियों को यह व्यवस्था बहुत उपयुक्त लगती है। इसके लेनदेन में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी आर्थिक बोझ कम पड़ता है। जिसके लेन देन में थर्ड पार्टी के सर्टिफिकेशन की आवश्यकता नहीं होती है। इसके लेनदेन में समय तथा धन की बहुत ज्यादा बचत होती है। सामान्य बैंक खातों की तरह इसमे किसी भी प्रकार के कागजात की आवश्यकता भी नहीं होती है। बैंकिंग प्रणाली तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले लेनदेन पर सरकार का कड़ा नियंत्रण होता है, जबकि यह राष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम के प्रत्यक्ष नियंत्रण के बाहर होने कारण लेनदेन के आदान-प्रदान का विश्वसनीय एवं सुरक्षित माध्यम बनकर उभरा है। सरकार के पास बैंक खाते को जप्त करने का अधिकार होता है, जबकि की क्रिप्टो करेंसी के मामले में ऐसा नहीं कर सकती अत: सरकार से बचाव के प्रभावशाली विकल्प के रूप में इस मुद्रा का प्रयोग किया जा रहा है। साथ ही नोटबंदी एवं मुद्रा के अवमूल्यन का इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

यह डिजिटल करेंसी है, अत: इसमें धोखाधड़ी की संभावनाएं बहुत कम होती है। या निवेश के लिए इस प्लेटफार्म पर अधिक पैसा होने पर क्रिप्टोकरंसी में निवेश करना लाभप्रद माना जा रहा है, क्योंकि इसकी कीमतों में बहुत तेजी से उछाल होता है। क्रिप्टो करेंसी राशि सीमाओं से परे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत ही कम लागत पर एक देश से दूसरे देश को पैसा भेजने के लिए सुगम साधन बन चुका है। 2009 में बिटकॉइन क्रिप्टो करेंसी की शुरुआत हुई थी। वर्तमान में एक बिलियन बिटकॉइन इंटरनेट के नेटवर्क में समाहित है, तथा नए बिटकॉइन का लगातार आगमन हो रहा है। आज प्रत्येक बिटकॉइन का मूल्य ?500 है, जो दुनिया की सबसे महंगी करेंसी मानी जाती है। कुछ लोग इसे गोल्डरश के नाम से भी पुकारते हैं। वर्ष 2014 से माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी सेवाओं के लिए बिटकॉइन के रूप में भुगतान लेना शुरू कर दिया है। निकोसिया विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के प्रवेश शुल्क के रूप में बिटकॉइन करेंसी स्वीकार किया था। 2018 प्रशांत महासागर में स्थित मार्शल द्वीप क्रिप्टो करेंसी के लीगल टेंडर को मान्यता देने वाला पहला वैश्विक देश है।

बेरोजगारी में नंबर वन हरियाणा: युवाओं के साथ खेलती सरकार, क्यों नहीं हो रही भर्तियां?

प्रियंका 'सौरभ'

अगर सरकार की मंशा ही है तो आखिर क्यों राज्य में लाखों पदों के खाली होने के बावजूद यहां के औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में आईटीआई इंस्ट्रक्टर के पदों पर भर्ती नहीं होती? शिक्षकों के खाली पदों को क्यों नहीं भरा जाता? एचएसआईआईडीसी एवं पुलिस के चयनित उम्मीदवारों को जॉइनिंग क्यों नहीं दी जाती? सरकार को इन बातों का युवाओं को जवाब देना चाहिए। इन सबके अलावा हजारों पद ग्रुप डी और ग्रुप सी श्रेणी के खाली पड़े हैं और हरियाणा के करोड़ों युवा दिन रात मेहनत कर इन परिक्षाओं की तैयारियां कर रहे हैं। सरकार क्यों उनका एग्जाम लेकर तुरंत इन भर्तियों को पूरा नहीं करती? क्यों कोर्ट और कर्मचारी चयन आयोग के बीच बार-बार इन भर्तियों को उलझा कर रखा जाता है? और युवाओं को पेंडुलम बनाकर रख दिया है। आखिर सरकार की मंशा क्या है? यहां के मुख्यमंत्री सीधे तौर पर युवाओं से संवाद क्यों नहीं करते? उनकी समस्याओं को क्यों नहीं सुनते? उनके प्रश्नों का जवाब क्यों नहीं देते?

आज हरियाणा देशभर में बेरोजगारी में कई सालों से पहले स्थान पर है। देश और प्रदेश में बेरोजगारी और महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। हरियाणा बेरोजगारी में 35.1त्र के साथ देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश में 18 से लेकर 40 वर्ष तक का हर दूसरा युवा बेरोजगार है। हरियाणा की इस उपलब्धि में सीधा-सा सरकार का हाथ है, कई सालों से यह छोटा-सा राज्य पहले स्थान पर काबिज है। हरियाणा में लाखों पदों की रिक्तियों के बावजूद साल 2014 से क्यों तरस रहे हैं नौकरी के लिए युवा? कौन जिम्मेदार है। क्यों विभिन्न विभागों में लाखों पदों के खाली होने के बावजूद सरकार की मंशा नहीं है कि इन पदों को भरा जाए। और न ही हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों को चिंता कि वह सरकार से इन पदों को भरने के लिए कहे।

दिल्ली से लगे हरियाणा राज्य में भर्तियों का हाल यह है कि साल 2014 से विज्ञापित बहुत से पदों का परिणाम आज तक जारी नहीं हुआ। अगर कोई परिणाम जारी हो भी गया तो वह भर्तियां कोर्ट में लटकी हुई है। चयनित आवेदक जॉइनिंग को लेकर तरस रहे हैं। शिक्षा विभाग में पिछले 8 सालों में कोई भर्ती नहीं हुई है जबकि हरियाणा के लाखों युवा हर साल राज्य पात्रता परीक्षा पास करते हैं। इस आस में कि वो एक दिन अध्यापक बन कर देश के सुनहरे भविष्य का निर्माण करेंगे। मगर अब तो उनका खुद का भविष्य अंधकार में खो गया है। हरियाणा में भर्ती प्रणाली और कर्मचारी चयन आयोग की कार्यशैली कि बानगी देखिए। पारदर्शिता के नाम पर यहां रोज नए- नए नियम बनाए जाते हैं तो कभी कॉमन भर्ती टेस्ट के नाम पर युवाओं को बहलाया जाता है। तरह-तरह के सब्जबाग दिखाए जाते हैं। बेरोजगार युवा उनका पीछा करते हैं मगर आखिर हाथ कुछ नहीं लगता।

आज हरियाणा के युवाओं की स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि यहां के करोड़ों युवा पहले तो खाली पदों के लिए विज्ञापन के लिए सरकार से प्रार्थना करते है, बात नहीं बनती तो मजबूरी में आंदोलन करते हैं। सही समय पर पेपर नहीं होते तो फिर उनके एग्जाम के लिए आंदोलन कर सड़कों पर आते हैं। पहली बात तो एग्जाम होता ही नहीं, होता है तो बार-बार लीक होता है। अगर कोई एग्जाम पूर्ण हो भी जाता है तो उसके परिणाम के लिए आवेदक सालों तक इंतजार करते हैं या फिर राजनीतिज्ञों की कोठियों पर चक्कर लगाते हैं। अगर परिणाम जारी भी हो जाता है तो जॉइनिंग के लिए सालों तक इन बेरोजगार युवाओं को इंतजार में बैठा रहना पड़ता है या फिर वही भर्तियां ऐसे मोड़ पर लाकर कोर्ट में उलझा दी जाती है।

उदाहरण के लिए यहां के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में लगभग 3000 पदों की इंस्ट्रक्टर की भर्ती पिछले 9 सालों से पेंडिंग है। युवाओं के अथक प्रयासों के परिणाम स्वरुप कुछ पदों का परिणाम जारी हुआ है, मगर जॉइनिंग उनकी भी नहीं हुई। यही नहीं मुख्य ट्रेड वाली बड़ी भर्ती का परिणाम अभी भी कर्मचारी चयन विभाग ने रोका हुआ है। एक-एक, दो-दो पोस्ट वाली कैटेगरी का परिणाम जारी करके ये कह दिया जाता कि हम परिणामी लिस्ट दे रहें है। भर्ती के नियमों में स्पष्टता के अभाव में भर्तियां कोर्ट और आयोग के बीच झूलती रहती है। आखिर क्यों आयोग विज्ञापन जारी करते हुए स्पष्ट नियम नहीं बनाता। आखिर उनकी मंशा क्या है? क्यों युवाओं को बेरोजगारी के साथ-साथ कोर्ट और आयोग के बीच पिसना पड़ रहा है? स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि कॉमन टेस्ट के नाम पर हरियाणा के लाखों युवा एग्जाम के इंतजार में घर बैठे हैं लेकिन सरकार है कि समझती ही नहीं।

आखिर क्यों हरियाणा सरकार को अपने द्वारा की गई एक-दो छुटपुट भर्तियों की ही जांच बार-बार करनी पड़ रही है? हरियाणा सरकार की दो ऐतिहासिक भर्तियां ग्रुप डी और क्लर्क की आए दिन जांच बैठती है। ग्रुप डी को तो वोट बैंक का जरिया कहा जाए तो अतिश्यक्ति नहीं होगी क्योंकि यह भर्ती पिछले चुनाव से थोड़े दिन पहले रातों-रात बिना किसी वेरिफिकेशन के आनन-फानन में की गई थी। कुछ ऐसा ही हाल क्लर्क की 5000 पदों की भर्ती का हुआ जिसका संशोधित परिणाम अब सालों बाद भी जारी हो रहा है। परिणाम स्वरुप हज़ारों युवाओं का भविष्य अंधकार में खो गया है, गलती करें कोई, भरे कोई।

हरियाणा पुलिस में हर साल हजारों पदों की भर्ती का ढिंढोरा पीटने वाली सरकार पिछले 3 साल से चल रही कॉन्स्टेबल की भर्ती को भी पूरा नहीं कर पाई है। इस भर्ती के लिए लाखों युवाओं ने मेहनत की, लेकिन यह भर्ती आज भी सरकार की मंशा के अभाव में पूर्ण नहीं हुई है। आलम यह है कि हरियाणा के हर विभाग में लाखों पद खाली है लेकिन सरकार इन पदों को भरना नहीं चाहती। तभी तो हरियाणा बेरोजगारी में नंबर वन है। अगर ऐसे ही चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हरियाणा बेरोजगारी के साथ-साथ चोरी, लूट और अन्य आपराधिक घटनाओं में में नंबर वन पर होगा।

हरियाणा सरकार के एचएसआईआईडीसी में निकली 200-300 पदों की विभिन्न श्रेणियों की भर्तियां आज चयन के बावजूद जॉइनिंग के लिए तरस रही है।

आखिर क्यों वहां के विभागाध्यक्ष और सरकार इन युवाओं को जॉइनिंग नहीं दे रहे। इसमें युवाओं की क्या गलती है कि वह चयन के बाद भी सालों तक घर बैठे जॉइनिंग का इंतजार कर रहे हैं।

परिणाम यह है कि आज यहां का पढ़ा लिखा युवा नौकरी के अभाव में अपना घर बसाने को तरस रहा है क्योंकि भर्तियां नहीं होने की वजह से युवा लगातार तैयारी करते रहते हैं। उम्र बढ़ती जाती है और वह रोजगार के अभाव में शादी के लिए सही समय पर सोच नहीं पाता।

हर साल प्रदेश के लाखों युवाओं को अध्यापक पात्रता परीक्षा के नाम पर लूटा आ जाता है लेकिन शिक्षकों भर्तियां नहीं निकाली जाती। भर्ती नहीं तो पात्रता परीक्षा क्यों? आज शिक्षकों के लाखों आवेदकों की राष्ट्रीय पात्रता सर्टिफिकेट की वैधता समाप्त होने के कगार पर है, बार-बार परीक्षा पास कर वो थक चुके है, टूट चुके है। शिक्षकों के हज़ारों पद खाली होने के बावजूद न तो यहां का शिक्षा विभाग और न ही यहां की सरकार इन पदों को भरने का सोच रही है। उल्टे यहां के हजारों सरकारी स्कूलों पर बंद होने की नौबत आ गई है। आखिर क्या होगा गरीब और निचले तबके के बच्चों का और नौकरी की आस में बैठे हरियाणा के मेधावी और शिक्षित युवाओं का।

देखे तो पिछले 8 सालों में यहां की सरकार के द्वारा स्वास्थ्य विभाग में नाममात्र के कुछ पदों को भरने के अलावा किसी भी विभाग में कोई भर्ती अच्छे से पूर्ण नहीं हुई है। जिससे युवाओं को संतोष हो। स्वास्थ्य विभाग में हुई भर्तियों को वक्त का तकाजा कहे या सरकार की मजबूरी क्योंकि कोरोना काल की वजह से इनको पैरामेडिकल स्टाफ की भर्तियां मजबूरी में करनी ही पड़ी और यह भर्तियां भी आवेदकों के सड़कों पर उतरने के बाद पूर्ण हुई है।

आखिर क्यों यहां के मुखिया ने युवाओं को सड़कों पर उतरने मजबूर कर दिया है? युवा आज अपने हकों के लिए हरियाणा सरकार के विरोध में आ खड़ा हुआ है। सरकार को सोचना होगा, सोचना ही नहीं उनकी परेशानियों का हल ढूंढना होगा। तभी एक स्वर्णिम हरियाणा का निर्माण कर पाएंगे।

क्या हाउसिंग सोसायटी अविवाहित लोगों को घर किराए पर लेने से रोक सकता है?

कई मकान मालिकों का कुंवारे या अकेले रह रहे लोगों को घर किराये पर देने का अनुभव अच्छा होता है. साथ ही, कुंवारे लोगों को किराए पर लेना फ्लैट मालिक के लिए अधिक फायदेमंद होता है क्योंकि वे आपस में खर्चों को विभाजित करके अधिक भुगतान करने को तैयार होते हैं। लेकिन शहरों में हाउसिंग सोसाइटी अक्सर यह नियम बनाती है कि कोई भी मकान मालिक किसी अविवाहित पुरुष या महिला को - बॅचलर्स का बुरा अनुभव है, लड़कियों या लड़कों को लाना, शराब पीना, देर रात पार्टी करना या सुरक्षा गार्डों से बहस करना, अपराधी हो सकते हैं, आदि बहानों से उन्हें घर किराए पर देने से रोका जाता है. फ्लैट मालिकों की भी आमतौर पर यह धारणा होती है कि अगर कोई परिवार फ्लैट में रहता है, तो वे फ्लैट की बेहतर देखभाल करेंगे। इसके अलावा, समाज और पड़ोसियों से कोई शिकायत नहीं होगी.

नतीजतन, कई पढेलिखे और अच्छी पार्श्वभूमी के लोग भी जब शहर में शिक्षा या रोजगार के लिए आते हैं तो उनके साथ दुर्व्यवहार और अपमान का बर्ताव किया जाता है। तो सवाल यह उठता है कि अगर समाज की पुलिसगिरी करने वाले लोग यदि उन्हें कई पूर्वाग्रहों के आधार पर रहने नहीं देंगे, तो ये लोग कहां जाएंगे? मुंबई, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे, ठाणे और चेन्नई जैसे शहरों में आने वाले नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए छात्रावासों की संख्या बहुत कम है और पर्याप्त नहीं है।

क्या ये नियम कानूनी रूप से बाध्यकारी हैं? तो नहीं। पुलिस सत्यापन और सभी कानूनी दस्तावेज होने पर उन्हें जाति, धर्म, पंथ या लिंग के आधार पर फ्लैट किराए पर लेने से कोई नहीं रोक सकता है। सोसायटी के सदस्यों को नैतिक पुलिसिंग का कोई अधिकार नहीं है। कुछ चुनिंदा लोगों के व्यवहार को मानक मानकर मानदंड नहीं बनाए जा सकते। कानून के सरल शब्दों में, घर का स्वामित्व सोस्यती के पास नहीं बल्कि फ्लैट मालिक के पास होता है। इसलिए घर किसे किराये पर वो दे, इसपर सोसायटी अडंगा नहीं डाल सकती. यह फ्लैट मालिक का विवेक है जिसके तहत वो कानून द्वारा निर्धारित उचित नियमों और शर्तों के अधीन अपने फ्लैट को किसी को भी किराए पर देने का अधिकार रखता है। बस इतना ही जरुरी है कि वह अपने फ्लैट को वाणिज्यिक या अवैध गतिविधियों के लिए किराए पर न दें। सोसायटी के प्रत्येक सदस्य को अपनी इच्छा से अपना मकान किराए पर देने का अधिकार है और सोसायटी बॅचलर्स या सिंगल लोगों को प्रतिबंधित नहीं कर सकता है। नए मॉडल उप-नियमों से लीव और लाइसेंस के आधार पर फ्लैट देने के लिए सोसायटी की पूर्व अनुमति लेने की शर्त को हटा दिया गया है। केवल यह कि सदस्यों को विधिवत पंजीकृत किरायेदारी समझौते की एक प्रति और निकटतम पुलिस स्टेशन में जमा किए गए किरायेदारों के विवरण की एक प्रति प्रस्तुत करके किराए पर लिए जाने वाले फ्लैट के बारे में सोसायटी को सूचित करना आवश्यक है। सोसायटी गैर अधिभोग शुल्क ले सकती है लेकिन सोसायटी मनमानी नहीं कर सकती। हाउसिंग एसोसिएशन अपने नियम खुद बना सकते हैं। विस्तृत दिशा-निर्देश या उप-नियम हैं जो प्रत्येक हाउसिंग सोसाइटी पंजीकृत होने पर अपनाती है। ये नियम और विनियम आवास संगठन के दिन-प्रतिदिन के संचालन को नियंत्रित करते हैं और इसके सुचारू संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं। व्यक्तिगत समाजों को अपने उपनियमों के आधार पर किरायेदारों को मना करने का कानूनी अधिकार है। कई मामलों में, इस तरह के उपनियमों को इसे प्राप्त करने के लिए एक विशेष तरीके से व्याख्या की जाती है। हालांकि, उन्हें ऐसा करने का कोई संवैधानिक अधिकार नहीं है। मकान मालिक केवल किरायेदारी समझौते और उसके नियमों और शर्तों से बाध्य है। उस किराये के समझौते के किसी भी खंड या किसी नियम के उल्लंघन के मामले में, केवल उस स्थिति में, सोसायटी को फ्लैट खाली करने के लिए कहने का अधिकार है, अन्यथा किसी को भी अपना घर किसी को किराए पर देने में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है।

बारिश, बाढ़ से होती तबाही और हमारी असहाय व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

मानूसन की शुरूआत से ही इस साल देश के कई राज्य भारी बारिश और बाढ़ के कहर से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं, जहां के हालातों को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है, मानो मानूसन के दौरान बाढ़ के कहर को झेलना अब लोगों की नियति बन गया है। प्रतिवर्ष निर्मित होने वाली ऐसी परिस्थितियों को लेकर अब इन राज्यों के नीति नियंताओं की सेहत पर कोई फर्क पड़ता नहीं दिखता। पर्वतीय क्षेत्रों हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर इत्यादि में तो इन दिनों आसमानी आफत बरस रही है और भारी बारिश के कारण तबाही का मंजर साफ देखा जा रहा है। 20 अगस्त को ही भारी बारिश, बाढ़, भूस्खलन तथा बादल फटने की घटनाओं के कारण इन राज्यों में 30 से भी ज्यादा लोग मारे गए। उत्तराखंड के देहरादून जिले के एक गांव में 20 अगस्त की सुबह बादल फटने से काफी तबाही हुई। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में चक्की नदी पर अचानक आई बाढ़ से शनिवार को पंजाब और हिमाचल को जोड़ने वाला रेलवे का क्षतिग्रस्त चक्की पुल ढ़ह गया। हिमाचल के कांगड़ा, चंबा, बिलासपुर, सिरमौर, मंडी जिलों में भी तबाही की काफी तस्वीरें सामने आई हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखण्ड इत्यादि कुछ अन्य राज्यों में भी लोग भारी बारिश और बाढ़ से बेहाल हैं। एक तरफ जहां उत्तर भारत के कुछ राज्य सूखे की आशंका से सहमे हैं, वहीं बीते कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश से कई राज्यों में विभिन्न नदियों के जलस्तर में होती वृद्धि से कई तटीय इलाके भी बाढ़ की आंशका से सहमे हैं और कुछ इलाके तो पूरी तरह जलमग्न हैं। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि देश की राजधानी दिल्ली में अब चंद घंटों की बारिश से ही बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं, वहीं देशभर में कई दूसरे राज्यों में भी अब कुछ घंटों की लगातार बारिश से ही नदियां और बरसाती नालों में उफान आ जाता है। पहाड़ों में निरन्तर हो रही बारिश से उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कई जिलों में नदियां इस समय पूरे उफान पर हैं और बैराजों पर पानी की बढ़ोतरी होने पर सम्पर्क नदियों में पानी डिस्चार्ज करना पड़ रहा है। उड़ीसा के उत्तरी हिस्सों में भी बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। पहले से ही बाढ़ मार झेल रहे उड़ीसा के करीब 500 गांवों में लगभग चार लाख लोग फंसे हुए हैं। देशभर में भारी बारिश और बाढ़ के कारण कई इलाकों में सड़कों पर आवागमन ठप्प है। कई क्षेत्रों में तो अनेक गांवों के बाढ़ की चपेट में आने के कारण प्रशासन को सड़कों पर नावें चलानी पड़ रही हैं। पिछले साल भी कमोवेश ऐसे ही हालात थे और जब ऐसी परिस्थितियां निर्मित होने पर तमाम सरकारी दावों की कलई खुलती है तो जिम्मेदार लोगों द्वारा यह कहकर पल्ला झाड़ने का प्रयास किया जाता है कि यह महज प्राकृतिक आपदा है और प्रशासन द्वारा इससे निपटने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो बिहार में भयानक बाढ़ को हमेशा ही प्राकृतिक आपदा बताकर पल्ला झाड़ते रहे हैं। करीब दो साल पहले बिहार के गोपालगंज में 264 करोड़ रुपये की लागत से बने पुल का एक हिस्सा सरकारी निकम्मेपन के कारण ढ़ह गया था। हैरत की बात तो यह थी कि उस पुल का ऑनलाइन उद्घाटन 16 जून 2020 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया था और महज 29 दिनों बाद पुल ढ़ह जाने से पुल के निर्माण पर खर्च हुए 264 करोड़ रुपये पानी में बह गए थे। उस वक्त भी राज्य के तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री ने गैरजिम्मेदाराना बयान देते हुए कहा था कि ऐसी प्राकृतिक आपदाओं में अक्सर सड़कें बह जाती हैं और पुल टूट जाते हैं। महत्वपूर्ण सवाल यही है कि आखिर प्रतिवर्ष विभिन्न राज्यों में मानूसन के दौरान ऐसी ही स्थितियां सामने आने के बावजूद समय रहते ऐसे कदम क्यों नहीं उठाए जाते ताकि बाढ़ से जान-माल के खतरे को न्यूनतम किया जा सके? क्यों मानसून बीतते ही सब कुछ भगवान भरोसे छोड़कर समस्त प्रशासनिक अमला अगले मानसून तक चैन की नींद सो जाता है? बाढ़ के कारण हर साल जनजीवन चौपट हो जाता है, लाखों लोग बेघर हो जाते हैं, सैंकड़ों लोग और हजारों पशु मौत की नींद सो जाते हैं लेकिन ऐसे संभावित हालातों से निपटने के लिए सालभर कहीं कोई फिक्र दिखाई नहीं देती। बाढ़ के कारण हर साल हजारों किलोमीटर सड़कें और अनेक पुल क्षतिग्रस्त होते हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को अरबों रुपये का नुकसान होता है लेकिन किसी को इसकी परवाह नहीं। बिहार हो अथवा देश के अन्य इलाके, प्राय: देखा यही जाता रहा है कि सरकारी तंत्र द्वारा हर साल मानसून के दौरान बाढ़ जैसे हालात पैदा होने के बाद बांधों या तटबंधों की कामचलाऊ मरम्मत कर उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है और बाढ़ का तांडव सामने आने पर उसे प्राकृतिक आपदा की संज्ञा देने की कोशिशें शुरू हो जाती हैं। हर साल बांधों के टूटने और उनमें आने वाली दरारों के कारण बाढ़ का जो विकराल रूप सामने आता है, उसे देखते हुए यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण है कि बाढ़ को प्राकृतिक आपदा का नाम देकर पल्ला झाड़ने के बजाय ऐसे बांधों का मानसून से पहले ही ईमानदारी से ऑडिट कराकर उनकी मजबूती और मरम्मत के लिए समुचित कदम क्यों नहीं उठाये जाते? प्रशासन क्यों नहीं मानसून से पहले ही भारी वर्षा से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए मुस्तैद होता? क्यों हमारी सम्पूर्ण व्यवस्था हर साल मानसून के दौरान आपदाओं और चुनौतियों के समक्ष बौनी और असहाय नजर आती है? हालात इतने खराब हो चुके हैं कि जब भी थोड़ी सी ज्यादा बारिश हो जाती है तो बाढ़ आ जाती है और थोड़ी सी कम वर्षा होते ही सूखे का संकट मंडराने लगता है। दरअसल हम अभी तक वर्षा जल का संचय करने के लिए कोई कारगर योजना या उपाय नहीं कर सके हैं। हर साल जब भी बाढ़ जैसी आपदा एक साथ लाखों लोगों के जनजीवन को प्रभावित करती है तो केन्द्र और राज्य सरकारों के मंत्री बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के हवाई दौरे करते हैं और सरकारों द्वारा बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत राशि देने की घोषणाएं की जाती हैं किन्तु जैसे ही बाढ़ का पानी उतरता है, सरकारी तंत्र बाढ़ के कहर को बड़ी आसानी से भूल जाता है। देखा जाए तो करोड़ों लोगों की जीवनरेखा को प्रभावित करती बाढ़ जैसी भयानक आपदाएं सरकारी तंत्र के लिए 'सरकारी खजाने की लूट के उत्सव' के समान बनकर रह गई हैं।

कभी जो दीप जलते हैं, तेरी यादों के

कभी जो दीप जलते हैं, तेरी यादों के
वही तो है, सहारा और क्या है..
मुझको दिखती नहीं अपनी परछाई
यही तो है, अंधेरा और क्या है..

मैं खो ही जाता हूँ, तेरी यादों के मेले
में शुकून के ये चन्द लम्हे भी, नहीं
गँवारा जमाने को
मुझे फिर खींच लाती हैं, मेरी
मजबुरियाँ अक्सर..
यही तो हाल है अपना, कहें कैसे
रकीब़ो से..

सहम कर ख्वाब जगते हैं, अकेली
तनहा रातों में
कभी फिर शोर करते हैं, इन शमशान
राहों पे खुदा ने भी क्या खूब़, मेरी
तकद़ीर बख्शी है
कफन में मेरी सब, हसरतें लिपटीं हैं

तन्हा हूँ कि, अब बज्म़ में रखा क्या
है संगीत सूना, हर गीत अधूरा, और
साज खफा है
पर जो है साँस लेती, मुसकुराती
तेरी तस्वीर जिन्दा है..

शार्ट न्यूज

भारी बारिश, बादल फटने के बीच गंगा किनारे बसे गांवों पर गहराया बाढ़ का खतरा

बुलंदशहर। पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश, बादल फटने और बिजनौर बैराज से गंगा में दो लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में गंगा किनारे बसे गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। नरोरा बैराज के सहायक अभियंता अंकित सिंह ने बताया कि नरौरा बैराज पर सोमवार सुबह छह बजे गंगा नदी में पानी की आवक 145526 क्यूसेक प्रति सेकेंड दर्ज की गयी है,इसमें से 130000 क्यूसेक पानी डाउनस्ट्रीम से प्रति सेकंड निकाला जा रहा है। इससे पहले शनिवार को जो आवक 52926 क्यूसेक थी वह रविवार को ही बढ़कर दोगुनी हो गयी थी। आहार ,बुगरासी, राजघट, रामघाट, बिहार घाट ,करण वास ,नरोरा और अनूप शहर क्षेत्र में गंगा का पानी खेतों में घुसकर फसल को बर्बाद कर रहा है ।गंगा के बढ़ते जल स्तर के मद्देनजर जिला प्रशासन और सिंचाई विभाग ने आपदा से निपटने के लिए कड़ी सुरक्षा प्रबंध किए है। गंगा नदी जिले में स्याना तहसील से प्रवेश कर अनूप शहर डिबाई नरोरा क्षेत्र से होते हुए आगे निकल जाती है। श्री सिंह ने बताया कि गंगा के जलस्तर में हो रही वृद्धि से सिंचाई विभाग अलर्टमोड पर है। दिन रात बैराज की निगरानी की जा रही है। मुनादी कराकर खादर क्षेत्र में पशु चराने अथवा अपने खेतों पर न जाने की अपील ग्रामीणों से की जा रही है।

दो पक्षों में खूनी संघर्ष, दर्जन भर लोग घायल

सीतापुर। सीतापुर के सकरन थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले हैं। दोनों तरफ के एक दर्जन लोग घायल हो गए। घटना के समय पुलिस भी पहुंच गई मगर मारपीट रोकने में नाकाम रही। सकरन थाना क्षेत्र के भिठमनी गांव निवासी पूर्व प्रधान दिनेश रावत व महेश रावत के बीच काफी समय से जमीनी विवाद चल रहा था। सोमवार की सुबह दिनेश रावत अपनी दीवार बना रहे थे तभी महेश रावत ने इसका विरोध किया और कहा कि दीवार हमारी जगह में बन रही है। महेश ने पुलिस को भी फोन कर दिया मौके पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों से लाठी डंडे चलने व फावड़े चलने लगे। पुलिस की मौजूदगी में करीब एक घंटे तक जमकर मारपीट हुई उसके बाद किसी तरह से पुलिस ने दोनों पक्षों को शान्त कराया। इस मारपीट में महिलाओं समेत दोनों पक्ष के एक दर्जन से ऊपर लोग घायल हुए हैं। मारपीट करने वालों में एक दरोगा भी शामिल हैं जो कानपुर में तैनात है। तथा उनके पिता महेश रावत आरक्षी हैं। इनकी तैनाती बरेली में बतायी जा रही है। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मारपीट का मुकदमा दर्ज कर घायलों को उपचार हेतु सीएचसी सांडा भेज दिया है।

रायबरेली : घर लौट रहे युवक को घात लगाए बैठे बदमाशों ने मारी गोली, हालत गंभीर

रायबरेली। रायबरेली जिले के पीढ़ी गांव के पास कस्बे से घर लौट रहे युवक को पुरानी रंजिश में रास्ते में घात लगाए बैठे लोगों ने गोली मार दी। गोली युवक की बांह में लगी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे परिजन उसे सीएचसी फुरसतगंज ले गए। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पूरी वली मजरे समरहदा थाना मिल एरिया निवासी मोहम्मद मकसूद (35 वर्ष) पुत्र कासिम अपने रिश्तेदार शरीफ के साथ बीती रात नौ बजे के करीब कस्बे से वापस अपने घर जा रहा था। पूरे चेतरा मजरे पीढ़ी गांव के पास घात लगाए बैठे कुछ लोगों ने उसे गोली मार दी। गोली मकसूद के हाथ में लगी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे परिजन उसे सीएचसी फुरसतगंज ले गए जहां पर चिकित्सक डॉ.गौरव सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। एसओ मनोज कुमार सोनकर ने बताया कि पुरानी राजिंश के चलते घटना हुई है। शरीफ की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल की लैब में जल्द शुरू होंगी जांचें

लखनऊ। लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल की माइक्रोबायोलॉजी लैब में जल्द जांच शुरू होगी। लैब में माइक्रोबायोलॉजिस्ट के तैनाती का आदेश जारी हो गया। डॉक्टर 25 अगस्त को कार्यभार ग्रहण करेंगे। लैब में उपयोगी कुछ मशीन व उपकरण आदि आ गए हैं। इन्हें इंस्टॉल किया जा रहा है। लैब शुरू होने से यहां बैक्टीरिया व वायरस से जुड़ी सभी प्रकार की बीमारियों व शरीर के किसी भी हिस्से के संक्रमण की जांच होगी। ऑपरेशन थियेटर के संक्रमण की भी जांच हो सकेगी। अभी तक यह जांचें केजीएमयू व निजी लैब में मरीज करा रहे हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 12 मई को बलरामपुर अस्पताल में माइक्रोबायलोजी लैब भवन का उद्घाटन किया था। जांच से जुड़ी मशीने और डॉक्टर न होने से जांच नहीं हो पा रही थी। बलरापुर अस्पताल के सीएमएस डॉ. जीपी गुप्ता का कहना है कि लैब के लिए माइक्रोबायोलॉजिस्ट की तैनाती का आदेश मिल गया है। कार्यभार संभालने के साथ लैब में मशीनें व उपकरण लगने पर जांच शुरू की जाएगी।

जौनपुर : रोडवेज की बस अनियंत्रित होकर दुकान में घुसी सभी यात्री सुरक्षित

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के पुरऊपुर चौराहे पर रविवार को देर रात रोडवेज की एक बस अनियंत्रित होकर दुकान को तोड़ते हुए घुस गयी, जिससे दो दुकाने क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रहा की दुकानदार बारिस की वजह से जल्दी बंद करके घर चले गए थे जिससे दुकानदार बच गए और रोडवेज बस में दर्जनों यात्री सवार हादसे में सुरक्षित बच गए। पुलिस के अनुसार प्रयागराज डिपो की बस प्रयागराज से चलकर मुंगरा बादशाहपुर की तरफ जा रही थी। तभी रास्ते में पुरऊपुर के पास शारदा सहायक खंड 39 नहर के पुल पर रोडवेज और ट्रक तेजी से आमने-सामने पार कर रहे थे। नहर का पुल चौड़ा न होने से रोडवेज बस अचानक अनियंत्रित होकर दुकान की सटर तोड़कर घुस गई। इसमें बबलू मौर्या की रेडीमेड कपड़े की दुकान जिसका काउंटर समेत 30 हजार रुपये का नुकसान हुआ, और दिनेश किराना का भी काउंटर समेत 35 हजार रुपये का नुकसान हुआ। दुकान किराए के मकान में थी, मकान मालिक शिव कुमार पटेल ने बताया की हमारे मकान का सटर समेत दीवारें गिर गयी हैं।

प्रतापगढ़ में पत्रकार सुभाष सिंह का निधन

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुभाष सिंह का सोमवार सुबह वाराणसी में निधन हो गया। वह करीब 55 साल के थे। परिजनों के मुताबिक वे कई साल से बीमार चल रहे थे। पिछले दिनो उन्हे बीएचयू अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्होने आज सुबह अंतिम सांस ली। श्री सिंह रानीगंज तहसील से हिंदी दैनिक आज समाचार पत्र के संवाददाता थे। पत्रकार का पार्थिव शरीर उनके गांव आमपुर बेर्रा में लाया गया है। अंतिम संस्कार आज ही प्रयागराज के रसूलाबाद में गंगा नदी के तट पर किया जायेगा। जिले के पत्रकारों व विभिन्न पत्रकार संगठनों ने श्री सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

हत्या के प्रयास में वांछित 04 सगे भाईयों को हथियारों के साथ गिरफ्तार

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में दो दिन पहले हत्या का प्रयास करने के मामले में वांछित चार अभियुक्तों को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। चारों अभियुक्त सगे भाई हैं। पुलिस के अनुसार शनिवार को थाना जेठवारा स्थित डेरवा बाजार में चारों भाईयों ने एक दुकानदार की गोली मार हत्या करने का प्रयास किया गया था। प्रतापगढ़ के पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिये गठित टीम ने चारों अभियुक्तों को भावनपुर मन्दिर के पास से गिरफ्तार कर लिया। थाना जेठवारा के उपनिरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने मुखबिर से मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्तों को पकड़ लिया। इनकी पहचान जेठवारा निवासी लवकुश उर्फ जुगनू कश्यप के पुत्र अर्जुन कश्यप, करन कश्यप, कामता कश्यप और धरमराज कश्यप के रूप में हुयी है। पुलिस ने इसके पास से वारदात में प्रयुक्त 01 अवैध पिस्टल, (315 बोर) भी बरामद कर ली है।

बारिश न होने से तबाह हो रहे हैं किसान

फसलें हो रहीं बर्बाद, बाजार पर पड़ेगा किसानों की 'कराह' का असर

गोरखपुर। मौसम की बेरुखी से किसान कराह रहा है। खेती-किसानी पर अब तक लाखों रुपये खर्च कर चुके किसानों की नजरें हर वक्त आसमान पर टिकी रह रही हैं। इस उम्मीद में कि बारिश की अमृत बूंदें गिरेंगी और उनकी फसलें सराबोर होकर खिलखिला उठेंगी पर उन्हें केवल मायूसी मिल रही है। किसानों की कराह से कारोबारियों की चिंताएं भी बढ़ गई हैं। कारोबारियों को आशंका सता रही है कि यदि बारिश न होने से किसानों की फसलें अच्छी नहीं हुईं तो त्योहारी सीजन में बाजारों पर भी इसका बुरा असर पड़ेगा।

शुक्रवार को मानसून की बेरुखी साफ देखने को मिली। जिले के बड़े हिस्से में काले बादल छाए रहे। मानसूनी सिस्टम भी एक्टिव रहा। शहरी क्षेत्र में बादल झूमकर बरसे। 28.4 मिमी आंकी गई। शहरी क्षेत्र के साथ सहजनवा व गोला में भी बादल मेहरबान रहे। सहजनवा में 45 और गोला में 25 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं जिला आपदा प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक चार तहसीलों में बादल रुठे रहे। बांसगांव में तो बारिश की बूंदे तक नहीं पड़ी। खजनी में एक मिमी बारिश दर्ज की गई। कैंपियरगंज में 4 मिमी व चौरीचौरा में छह मिमी बारिश हुई जो खेती-किसानी के लिए नाकाफी है। बांसगांव क्षेत्र निवासी व प्रगतिशील किसान रामबचन राय का कहना है कि बारिश न होने की वजह से अब बड़ी संख्या में किसान यह मन बना बैठें हैं कि कुछ क्षेत्रफल की ही फसलों को बचाने के लिए जोर दें ताकि खाने-पीने के लिए अन्न के दाने घर में आ जाएं।

पम्पिंग सेट से पानी चलाकर बड़े क्षेत्रफल में फसलें बचा पाना काफी कठिन है। किसान अमरजीत यादव का कहना है कि किसान अब तक तीन-तीन बार पानी चला चुके हैं। हर बार प्रति एकड़ 2500 रुपये तक का खर्च आ रहा है। किसान आखिर कब तक और कितना पानी चलाकर फसलें बचाएंगे। किसानों की इस चिंता से व्यापारी प्रमोद गुप्ता खुद और अन्य कारोबारियों की चिंता भी जोड़कर देख रहे हैं। उनका कहना है कि किसान खुशहाल रहते हैं तो दशहरा और दीपावली पर खूब खरीदारी करते हैं। धनतेरस की खरीदारी में बड़ी भागीदारी खुशहाल किसानों की भी रहती है। संतोष गुप्ता का कहना है कि जब किसान ही खुशहाल नहीं रहेगा तो बाजार में चहल-पहल कहां रहेगी।

किसान ने जुतवा दी 16 बीघा धान की फसल बारिश न होने से परेशान किसान अब अपने सामर्थ्य के मुताबिक ही फसलों को जिंदा रखने के लिए सिंचाई कर रहे हैं। कौड़ीराम ब्लाक के सिसायल गांव निवासी व पूर्व जिला पंचायत सदस्य शैलेंद्र सिंह ने 16 बीघा धान की फसल जुतवा दी। उन्होंने बताया कि 34 बीघा धान की बुआई और रोपाई कराई थी। अब तक प्रति बीघा के हिसाब से 4000 रुपये खर्च कर चुके हैं। बारिश न होने की वजह से अब 34 बीघा धान की फसल बचा पाना सम्भव नहीं है। किसान बलवंत ने भी 10 बीघा धान की फसल जुतवा दी। खर्च जितना हो गया और आगे भी होता उतना उत्पादन नहीं होता। मजबूर होकर फसल की जुताई कर दी।

बिलकिस बानो प्रकरण में प्रोटेस्ट पर सपा महानगर अध्यक्ष गिरफ्तार

एजेंसी

मुरादाबाद। सपा के महानगर अध्यक्ष शाने अली शानू को गिरफ्तारी के बाद मेडिकल के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया।

मुरादाबाद पुलिस ने बिलिकस बानो केस में मशाल जुलूस निकालने वाले सपा नेताओं के खिलाफ मुकदमा किया है। प्रदर्शन में शामिल रहे सपा के महानगर अध्यक्ष शाने अली शानू को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बता दें कि सपा नेताओं ने रविवार रात को मुगलपुरा थाना क्षेत्र में बिलिकस बानो प्रकरण में मशाल जुलूस निकाला था।

इस दौरान गुजारात सरकार को बर्खास्त करने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी नारेबाजी की गई थी। सपा नेताओं का कहना था कि बिलकिस बानो से गैंगरेप करने वाले 11 लोगों को रिहा करके गुजरात सरकार ने पूरी नारी जाति का अपमान किया है। इसलिए उसे बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए। मुगलपुरा पुलिस ने इस मामले में समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष शाने अली शानू, तालिब अंसारी और अथर अंसारी समेत तीन लोगों को नामजद करते हुए 30-40 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने शाने अली शानू को गिरफ्तार कर लिया है। दोपहर करीब डेढ़ बजे उन्हें मेडिकल कराने के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस ने कहा- बिना अनुमति निकाला था जुलूस

इस मुकदमे के पीछे पुलिस का तर्क है कि सपा नेताओं ने बिना अनुमति के मशाल जुलूस निकाला। जिले में धारा 144 लागू है इसलिए सपा नेताओं को जुलूस निकालने से पहले पुलिस की अनुमति लेनी चाहिए थी। इसके साथ ही भीड़ ने प्रधानमंत्री भारत सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और उग्र प्रदर्शन किया।

ननिहाल में रह रहे युवक की हत्या, खेत में मिला शव

एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले ननिहाल में रह रहे युवक का शव खेत में मिला। युवक के शरीर पर चोट के निशान मिले है। परिजनों ने युवक की हत्या का आरोप लगाया है। सूचना के बाद मौके पर एएसपी भी पहुचे। फोरेंसिक टीम के साथ डाग स्क्वाड की टीम ने मौके पर पड़ताल की। थाना क्षेत्र दरियाबाद के लालपुर गुमान में असन्द्रा थाना क्षेत्र के ग्राम पूरे चेतई निवासी सूरज (18) पुत्र रमेश अपनी ननिहाल में रहता था। वह घर से थोड़ी दूरी पर गुमटी में परचून की दुकान चलाता था। सूरज रोजाना रात्रि में गुमटी के बाहर ही सोने जाता था। सोमवार की सुबह जब सूरज घर नहीं पहुंचा तब परिजनों ने सूरज की खोजबीन शुरू की। गुमटी पर सूरज नहीं मिला तब आसपास परिजन उसे खोजने में जुटे। गुमटी के कुछ दूरी पर खेत में कटीले तारों के पास सूरज का शव बरामद हुआ। सूरज के शरीर पर चोट के निशान बने हुए थे। खेत मे सूरज का शव मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। परिजन बदहवास हो गए और शव को घर ले आये। इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। जिस पर एसएचओ दरियाबाद दुर्गाप्रसाद अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस टीम ने परचून की दुकान से लेकर खेत तक जाकर गहन जांच की। मृतक के घर जाकर शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू की दी।

हमीरपुर : महिला जज से छेड़छाड़ करता था वकील, अरेस्ट, सदस्यता रद्द

हमीरपुर। हमीरपुर में महिला जज का पीछा करने, अभद्र कमेंट और मैसेज भेजने के आरोपित अधिवक्ता सदर कोतवाली क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया है। वकील की सदस्यता भी रद्द कर दी गई है। शनिवार रात से ही पुलिस टीमें दबिश दे रही थी। बार संघ ने भी अधिवक्ता से किनारा कर लिया है। स्थानीय कोर्ट में कार्यरत महिला न्यायिक अधिकारी ने शुक्रवार को मुख्यालय के सैय्यदबाड़ा मोहल्ला निवासी अधिवक्ता मोहम्मद हारून के खिलाफ कोतवाली में छेड़खानी की तहरीर दी थी। जिसमें अधिवक्ता पर घूरने व पीछा करने के साथ ही मैसेज भेजने का आरोप है। मामला न्यायिक अधिकारी से जुड़ा होने की वजह से पुलिस ने तत्काल एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दहेज की मांग पूरी न होने पर पत्नी का सिर मुंडवाया, दिया तीन तलाक

लसाड़ी गेट। मेरठ में एक तीन तलाक का मामला सामने आया है। एक शख्स ने दहेज में बुलेट न मिलने पर अपनी पत्नी का सिर मुंडवा कर तीन तलाक दे दिया। महिला का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग मारपीट करते थे। ये मामला मेरठ के लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के इत्तेफाकनगर की है।

समीना ने बताया कि दो साल से उसका पति मारपीट करता था। समीना का निकाह तकरीबन दो साल पहले अफजलपुर पाउटी के रहने वाले अहमद अली के साथ हुआ था। समीना ने बताया कि उसके ससुराल पक्ष ने निकाह के वक्त मोटा दहेज वसूला।

लेकिन उनके बुलेट की मांग पूरी नहीं हो पाई। जिसे लेकर अहमद अली और उसके परिवार वाले आए दिन मारपीट करते थे।

समीना का आरोप है कि 7 जून को उसके पति ने मुंडवाकर उसे घर से निकाल दिया गया। इसके बाद समीना मायके चली आई। जहां पंचायत के जरिए सुलह कराई गई। पीड़िता ने बताया कि 9 अगस्त को वापस ससुराल जाने पर एक बार फिर शौहर मारपीट करने लगा।

इसके बाद 14 अगस्त को तीन तलाक दे दिया। समीना ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए बताया कि जब वह शिकायत दर्ज कराने थाने गयी तो पुलिस ने मुकदमा दर्ज नही किया। हालांकि आला अफसरों से शिकायत करने के बाद कंकरखेड़ा की पुलिस ने मामला दर्ज किया। वहीं सीओ अरविंद चौरसिया ने बताया कि पीड़िता ने अपने एफआईआर में बाल काटने की बात नहीं कही है। इसलिए मुकदमें में केवल दहेज उत्पीड़न और तीन तलाक का ही जिक्र है।

लखनऊ विवि ने खोजा ऑक्सीजन और हाईड्रोजन उत्पादन की सस्ती तकनीक

लखनऊ। पानी से हाईड्रोजन और ऑक्सीजन अलग करना अब सस्ता और आसान हो जाएगा। प्राकृतिक मैटिरयल की मदद से सस्ती ऑक्सीजन और हाईड्रोजन का उत्पादन हो सकेगा। इस तकनीक से कम खर्च भी आएगा और जरूरतें भी पूरी हो सकेंगी।

हाईड्रोजन ऊर्जा जरूरतें पूरी करेगा और अस्पतालों को पर्याप्त ऑक्सीजन भी उपलब्ध हो सकेगी। बीरबल साहनी पुरा संस्थान और लखनऊ

विश्वविद्यालय केमिस्ट्री विभाग ने रॉक वार्निश से तैयार इलेक्ट्रोड मदद से पानी से ऑक्सीजन और हाईड्रोजन अलग करना सस्ता और आसान कर दिया है। इस रिसर्च को सस्टेनेबल एनर्जी एंड फ्यूल रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री लंदन ने प्रकाशित किया है। वैज्ञानिकों का दावा है कि रॉक वार्निश पर दुनिया का यह पहला शोध है। वैज्ञानिकों के मुताबिक अभी पानी से ऑक्सीजन और हाईड्रोजन अलग करना काफी महंगा है।

इसे अलग करने के लिए प्लेटिनम, गोल्ड, निकिल के इलेक्ट्रोड का इस्तेमाल होता है। यह धातुएं काफी महंगी हैं। ताजा रिसर्च लद्दाख की पहाड़ियों पर पाए जाने वाले चमकीले पदार्थ (रॉक वार्निश) पर की गई। रॉक वार्निश को लैब में टेस्ट किया गया तो पता चला कि इसमें पर्याप्त मात्रा में आयरन और मैग्नीज उपलब्ध है। रॉक वार्निश से इलेक्ट्रोड बनाए गए। इलेक्ट्रोड 10 मिली एंपीयर के करंट पर पानी को तोड़ने में सक्षम पाए गए। वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि रॉक वार्निश से तैयार प्राकृतिक मैटेरियल पानी को तोड़ने में सक्षम है। देश में पर्याप्त मात्रा में आयरन और मैग्नीज उपल्बध है।

औरैया में डांट से नाराज छात्रा ने की खुदकुशी

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के दिबियापुर क्षेत्र में परिजनों की डांट से छुब्ध छात्रा ने सोमवार को ट्रेन से कट कर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने बताया कि फफूंद क्षेत्र के गांव केशमपुर पसईपुर निवासी भागीरथ शर्मा की बेटी शिवानी (22) बीए फाइनल की छात्रा थी। रविवार रात किसी बात को लेकर उसकी परिजनों से कहासुनी हो गई जिस पर उसके पिता व भाई ने उसे डांट दिया। इससे नाराज होकर वह आज सुबह पांच बजे घर से निकल कर दिबियापुर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी छोर की रेलवे क्रासिंग पहुंच गई। काफी देर तक वह क्रासिंग के आसपास टहलती रही और करीब नौ बजे आप लाइन पर राजधानी आते देख वह पटरी पर लेट गई। वहां से निकल रहे लोग जब चिल्लाए तब तक उसके ऊपर से ट्रेन गुजर गई और उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने मृतका के पास मिले पहचान पत्र से शिनाख्त की और उसमें लिखे नम्बर पर परिजनों को सूचना दी और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मेरठ में देवर ने भाभी से किया रेप : पति को आपबीती सुनाई तो घर से निकाला

मेरठ। मेरठ में एक महिला ने अपने देवर पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पीड़िता ने अपने पति से विरोध जताया तो आरोपी पति ने बंधक बनाकर मारपीट की। महिला ने अपने मायके पक्ष को आपबीती सुनाई। पीड़िता ने सीओ कोतवाली से शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। सीओ ने जांच कराकर कार्रवाई की बात कही है।

पति ने मारपीट कर घर से निकाला

लिसाड़ीगेट के इस्लामाबाद निवासी एक महिला की शादी चार साल पहले समर गार्डन निवासी युवक से हुई थी। महिला का पति ट्रक चालक है। महिला ने बताया कि 19 अगस्त को वह अपनी ससुराल में थी, तभी रात में देवर ने उसके साथ तमंचे के बल पर दुष्कर्म किया। विरोध करने पर कहा की ससुराल में बदनाम कर दी जाएगी।

पीड़िता ने घटना के अगले दिन अपने पति को आपबीती सुनाई। महिला का आरोप है कि पति ने बंधक बनाकर बुरी तरह से मारा पीटा और कहा की हमें बदनाम कर रही है। महिला का कहना है कि पति ने गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया।

जिसके बाद आरोपी पति ने अपनी पत्नी को घर से निकाल दिया। सीओ कोतवाली अरविंद कुमार का कहना की लिसाड़ीगेट थाना प्रभारी को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

आगरा में कोरोना के 9 केस मिले

आगरा। कोरोना मरीजों पर कोरोना वैक्सीनेशन का असर दिखने लगा है। आगरा में दो दिन में 95 मरीज कोरोना को मात देकर स्वस्थ हुए हैं। पिछले 24 घंटे में 1816 लोगों की जांच कराई गई, जिनमें 9 मरीज कोरोना पॉजिटिव निकले। वहीं आज यानी सोमवार को 28 लोग स्वस्थ हुए हैं, जबकि रविवार को 65 लोग स्वस्थ हुए थे। आगरा में पिछले हफ्ते कोरोना मरीजों की संख्या में एकदम से इजाफा हुआ है। उसी तरह कोरोना को मात देकर लोग तेजी से स्वस्थ्य हो रहे हैं। सीएमओ डा. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि यह कोरोना वैक्सीन का असर है। जो लोग वैक्सीनेशन करा चुके हैं। वह जल्दी ठीक हो रहे हैं। वैक्सीनेशन कराने वाले मरीज दो से तीन में स्वस्थ्य हो रहे हैं। जिन लोगों ने एक बार ही वैक्सीनेशन कराया है या जो अभी तक जागरूक नहीं हैं, वे अपना वैक्सीनेशन कराएं। मरीजों में देखा जा रहा है कि जिन्होंने वैक्सीनेशन नहीं कराया है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का द्वि दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर राजस्थान में आयोजित हुआ

सोनभद्र। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का द्वि दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर राजस्थान में आयोजित हुआ जिसमें देश के कोने-कोने से राज-रियासत के रजवाड़ों का जबरदस्त जमावड़ा हुआ। कश्मीर राज से डॉ. कर्णसिंह, युवराज हर्षवर्धन सिंह, वसुंधरा राजे सिंधिया पूर्वमुख्यमंत्री राजस्थान, राज्यपाल राजस्थान महामहिम कलराज मिश्र, राष्ट्रीय अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह डूंगरपुर, राजकुमारी दीक्षा अगोरी-बड़हर सोनभद्र के साथ ही राष्ट्रीय सचिव, विभिन्न प्रान्तों के प्रदेश अध्यक्ष, रियासतों के राजा समन्वित रूप से सम्मिलित रहे अधिवेशन में।

यह राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध सम्मेलन रहा जो राजा रजवाड़ों सियासतदानों के अधिवेशन तो कहा ही जायेगा , इसमें सियासत की कहीं न कहीं झलक भी नेपथ में कही जा सकती है। पूर्वांचल से अहम व

स्मरणीय उपस्थिति रही सोनभद्र अगोरी-बड़हर राजकुमारी दीक्षा की।

अखिलभारतीय क्षत्रिय महासभा के अतीत से वर्तमान तक सांगठनिक लिहाज से नुमाईंदगी की परत देखें तो सन 1897 में क्षत्रिय महासभा गठित हुई, राजा बलवंत सिंह आवागढ़ अध्यक्ष निर्वाचित हुए। 1897 से अबतक आद्योपांत सांगठनिक पदाधिकारियों और संगठन के नाम मे आरोह-अवरोह आते रहे।कार्याल लखनऊ और प्रधानकार्यालय मथुरा सुनिश्चित हुआ। 9 सितम्बर 1986 को डूंगरपुर राजा लक्ष्मण सिंह अध्यक्ष निर्वाचित हुए और संगठन का नाम अखिलभारतीय क्षत्रिय महासभा रखते हुए सोसायटी से लखनऊ पंजीकरण कराया गया ये तो कुछ बानगी है, बीच-बीच मे नाम पदनाम में उतारचढ़ाव परिवर्तन हुए। अब राजस्थान के जयपुर अधिवेशन महासम्मेलन की बात करें तो राजस्थान ज राज्यपाल कलराज मिश्र, पूर्वमुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, कश्मीर से आये डॉ. कर्णसिंह तथा और प्रान्तों-सूबों-रियासतों से आने वाले अग्रगण्य अपने समय के राजा महाराजा रियासतों के पुरोधाओं की लम्बी जमात रही 20-21अगस्त2022 तक जिसमें आगोर-बड़हर स्टेट की राजकुमारी दीक्षा का पूर्णत: सक्रियता से सहभाग करना स्वयं में गौरव है।

निपुण प्रशिक्षण का एसडीएम ने किया शुभारंभ

सोनभद्र। विकासखण्ड घोरावल व करमा के शिक्षकों का निपुण भारत मिशन के चार दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का शुभारंभ बीआरसी घोरावल में हुआ। मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी घोरावल श्याम प्रताप सिंह ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण कर प्रशिक्षण की शुरुआत की।

बताते चलें कि पूरे भारत को निपुण बनाने के लिए निपुण भारत का एक राष्ट्रीय अभियान चल रहा है,जिसमें उत्तर प्रदेश ने 2025-26 तक उत्तर प्रदेश को निपुण बनाने का लक्ष्य लिया है।

जिसके अन्तर्गत बालवाटिका से लेकर कक्षा तीन तक भाषा और गणित

के निपुण लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं ,जिसे सभी बच्चों को उस लक्ष्य में निष्णात करना होगा।

उपजिलाधिकारी महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश को निपुण बनाने हेतु जो अभियान चल रहा है,उसमें आपकी महती भूमिका है। मुझे उम्मीद है कि इस प्रशिक्षण से आपके शिक्षण विधियों में निखार आयेगा और इसका भरपूर उपयोग अपने बच्चों के साथ आप करके निपुण कक्षा, निपुण विद्यालय, निपुण ब्लाक ,निपुण जनपद बनाते हुए उत्तर प्रदेश को निपुण प्रदेश बनायेंगे।

खण्ड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि यह प्रशिक्षण दो - दो के बैचों में पचास -पचास की संख्या में चार दिवसीय प्रशिक्षण है, जिसमें बालवाटिका से कक्षा तीन तक के बच्चों को भाषा और गणित में अपेक्षित दक्षतायें प्रदान कर निपुण प्रदेश बनाना है। हम अपने शिक्षकों की तरफ से यह प्रतिबद्धता जाहिर करते हैं कि विकासखण्ड घोरावल निर्धारित समय 2025-26 के छ: महीने पूर्व निपुण ब्लाक का लक्ष्य हासिल कर लेगा।

कार्यक्रम का संचालन एआरपी दीनबन्धु त्रिपाठी ने किया । प्रशिक्षक के रूप में एसआरजी संजय मिश्र, बिनोद कुमार, एआरपी अखिलेश सिंह, धर्मराज सिंह,अविनाश शुक्ल और मिथिलेश द्विवेदी उपस्थित रहे।

संपत्ति के विवाद में पुत्र ने साले के साथ मिलकर मां की हत्या की

एजेंसी

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में जनपद बुलंदशहर के खुर्जा नगर में संपत्ति के विवाद में एक कलियुगी पुत्र ने अपने साले के साथ मिलकर रविवार को देर रात मां की निर्मम हत्या कर दी और शव को मंदिर के निकट फेंक दिया।

पुलिस ने सोमवार को बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि खुर्जा के हनुमान टीला मुहल्ले के निवासी योगेश का खुर्जा स्थित बजाता मार्केट में कपड़े का शोरुम है। वह अपने माता पिता का इकलौता पुत्र है। कुमार ने बताया कि योगेश का सम्पत्ति को लेकर अपनी वृद्ध माता अरुणा से विवाद चल रहा था। इस बात पर आए दिन घर में झगड़ा भी होता रहता था। रविवार को रात में मां से झगड़ा होने पर योगेश ने अपने साले को साथ लेकर किसी वज़नदार वस्तु से 75 वर्षीय मां का मुंह कुचल कर हत्या कर दी। इसके बाद उसने शव को बिस्तर में बांध कर घर से कुछ दूर चौरासी घंटा माता मंदिर के समीप फेंक दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर कर पूछताछ शुरू कर दी है।

शार्ट न्यूज

आईडीबीआई बैंक ने सावधि जमा दरों में वृद्धि की

मुंबई। आईडीबीआई बैंक ने सोमवार को विभिन्न अवधि के लिए सावधि जमाओं पर ब्याज दरों में वृद्धि की। बैंक के एक बयान में कहा गया है कि दरें सोमवार से प्रभावी हैं। बयान के अनुसार आईडीबीआई बैंक अब कुछ चुनिंदा अवधि की जमाओं पर 6.55 प्रतिशत की उच्चतम ब्याज दर की पेशकश कर रहा है। बैंक ने अमृत महोत्सव सावधि जमा (एफडी) योजना के तहत 500 दिनों की जमा की एक विशेष योजना पेश की है। इस पर बैंक 6.70 प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज की पेशकश की है। यह पेशकश 30 सितंबर तक उपलब्ध है। इसके अलावा, अमेरिकी डॉलर में एफसीएनआर (बी) जमाओं के लिए 500 दिनों की एक विशेष योजना भी पेश की गई है जिस पर 3.63 प्रतिशत की दर की पेशकश है।

कीमती धातुओं की चमक पड़ी फीकी

मुंबई। डॉलर में जारी तेजी के दबाव में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं की गिरावट से आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 299 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 416 रुपये प्रति किलोग्राम उतर गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.56 प्रतिशत की कमजोर होकर 1738.08 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इसी तरह अमेरिका सोना वायदा 0.89 प्रतिशत गिरकर 1732 डॉलर प्रति औंस रह गया। वहीं, इस दौरान चांदी हाजिर 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त लेकर 19.03 डॉलर प्रति औंस बोली गई। देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 299 रुपये फिसलकर 51180 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 300 रुपये उतरकर 51217 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इसी तरह चांदी 416 रुपये लुढ़ककर 55080 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 525 रुपये कमजोर होकर 55750 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

रुपया 79.84 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में तेजी के बावजूद आयातकों और बैंकरों की बिकवाली के बल पर आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 79.84 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर रहा। वहीं, पिछले कारोबारी दिवस रुपया 20 पैसे लुढ़ककर 79.84 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे टूटकर 79.90 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान लिवाली के दबाव में 79.92 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि बिकवाली से समर्थन पाकर यह 79.780 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले दिवस की तुलना में रुपया 79.84 रुपये प्रति डॉलर पर टिका रहा।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आवास ऋण पर ब्याज में आधी फीसद की बढोतरी

नयी दिल्ली। आवास ऋण प्रदान करने वाली कंपनी बजाज हाउसिंग फाइनेंस ने अपने होम लोन की ब्याज दर में आधी फीसद की बढोतरी करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि अब तक यह ब्याज दर 7.20 प्रतिशत थी जो अब बढ़कर न्यूनतम 7.70 प्रतिशत हो गया है। योग्य वेतनभोगी और पेशेवर आवेदक अब कम से कम 7.70 प्रतिशत प्रति वर्ष से शुरू होने वाले होम लोन का लाभ उठा सकते हैं। इससे पहले, वेतनभोगी और पेशेवर आवेदकों के लिए कंपनी के होम लोन की ब्याज दरें 7.20 प्रतिशत प्रति वर्ष से शुरू होती थीं। इन दिनों ब्याज दरों में 50 आधार अंक या 0.50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि इस वृद्धि के बावजूद भी कंपनी का दावा है कि उसकी यह दर बाजार में सबसे सबसे कम दरों में से एक है।

तरूण बजाज को मिला कंपनी मामलों के सचिव का प्रभार

नयी दिल्ली। राजस्व सचिव तरूण बजाज को तत्काल प्रभाव से कपनी मामलों के सचिव का अतिरिक्त प्रभाव भी दिया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने आज जारी एक परिपत्र में कहा कि श्री बजाज को इस पर नियमित नियुक्ति होने तक या अगले आदेश तक जो पहले हो तब तक अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। श्री बजाज को यह प्रभार इस पद पर पदस्थ श्री राजेश वर्मा के राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू के सचिव के पद पर नियुक्त किये जाने के बाद दिया गया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें यथावत

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव के बीच घरेलू स्तर पर आज भी पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज लंदन ब्रेंट 0.36 प्रतिशत बढ़कर 97.07 डॉलर प्रति औंस पर और अमेरिकी क्रूड 0.50 प्रतिशत बढ़कर 91.22 डॉलर प्रति औंस बोला गया। घरेलू स्तर पर तेल विपणन करने वाली कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर यथावत है। पिछले दो महीने से अधिक समय से तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर हैं। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने आवास ऋण किया महंगा

मुंबई। जीवन बीमा निगम (एलआईसी) हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एलआईसी एचएफएल) ने सोमवार को आवास ऋण की अपनी मुख्य ब्याज दर में (एलएचपीएलआर) में आधा प्रतिशत की वृद्धि कर 8.00 प्रतिशत कर दी। एलएचपीएलआर उसकी एक मानक दर है। जो सबसे अच्छे ग्राहकों के लिए होती है। कंपनी इसको आधार बना कर ग्राहक के साथ जोखिम का आकलन कर कर्ज की वास्तविक दर तय करता है। अभी तक एलएचपीएलआर 7.50 प्रतिशत थी। नई दरें सोमवार से प्रभावी हो गयी हैं। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य अधिशासी अधिकारी(सीईओ वाई) विश्वनाथ गौड़ ने कहा :यह निर्णय प्रत्याशित है। यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पांच अगस्त को रेपो दर में 0.50 प्रतिशत वृद्धि किए जाने के निर्णय के बाद माप-तौल कर किया गया है और वैश्विक आर्थिक रुझानों के अनुरूप है।

अडानी ग्रुप की कंपनियों में पैसे लगाने वाले निवेशक मालामाल

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप की कंपनियां शेयर बाजार में जबरदस्त परफार्मेंस कर रही हैं। पिछले तीन सालों में अडानी ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप लगभग 1,120 प्रतिशत बढ़ गया है। इस बीच, इसी अवधि के दौरान समूह की कंपनियों के शेयरों में 500-5,100 फीसदी की तेजी आई। 5,102 प्रतिशत की रैली के साथ अडानी ग्रीन एनर्जी लिस्ट में टॉप पर है। कंपनी के शेयर 19 अगस्त 2022 को बढ़कर 2,411 रुपये हो गए। जो इसी दिन साल 2019 में 46.32 रुपये पर थे। अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी टोटल गैस, अडानी ट्रांसमिशन, अडानी पावर और अडानी पोर्ट्स और एसईजेड सहित अन्य प्लेयर्स में क्रमश: 2,208 फीसदी, 2,115 फीसदी, 1,559 प्रतिशत, 584 प्रतिशत और 144 प्रतिशत की तेजी आई। अडानी ग्रुप की हालिया लिस्टेड कंपनी अडानी विल्मर ने भी अपने 230 रुपये के आईपीओ प्राइस से 219 प्रतिशत अधिक कारोबार किया है। कंपनी के शेयरों ने 8 फरवरी, 2022 को एक्सचेंजों पर अपनी शुरुआत की थी। अडानी समूह के शेयरों में चल रही तेजी पर बोलते हुए, वेल्थमिल्स सिक्योरिटीज के इक्विटी रणनीतिकार, क्रांति बथिनी ने कहा, आर्थिक माहौल अडानी समूह के व्यापार मॉडल के पक्ष में रहा है। 30 जून, 2022 को समाप्त नवीनतम तिमाही के लिए, सभी सूचीबद्ध अडानी समूह की फर्मों का समेकित लाभ साल-दर-साल लगभग 155 प्रतिशत बढ़कर 6,897.85 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल की समान तिमाही में यह आंकड़ा 2,705.84 करोड़ रुपये था। दूसरी ओर, समीक्षाधीन तिमाही के दौरान समूह की फर्मों की संचयी बिक्री भी 102 प्रतिशत बढ़कर 79,769.97 करोड़ रुपये हो गई।

चार्टर्ड लेखाकार संस्थान की लघु उद्यम यात्रा को राणे ने दिखायी झंडी

मुंबई। सनदी लेखाकारों की संस्था इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की ओर से आजादी के अमृत काल में सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) के महत्व पर केंद्रित एमएसएमई यात्रा आयोजित की है।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार यह यात्रा 75 दिनों में 75 शहरों में जाएगी और इस दौरान एमएसएमई क्षेत्र पर 75 बैठकों का आयोजन किया जाएगा।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे ने देश की अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यमों की महती भूमिका को रेखांकित करते हुए 18 अगस्त को मुंबई में इंडियन मर्चेंट्स चैंबर में एक प्रतीकात्मक बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह देश के पश्चिमी क्षेत्र में जाएगी। इसी तरह उत्तर, मध्य, पूर्व, दक्षिण से यात्राएं शुरू होंगी और 18 नवंबर को मुंबई में समाप्त होंगी।

यात्रा के दौरान आईसीएआई के पदाधिकारी एमएसएमई के साथ सरकारी योजनाओं, आसान और सस्ते वित्तीय विकल्पों, शिकायतों पर ध्यान देने, प्रशिक्षण और कौशल विकास में सहायता प्रदान करने, डिजिटलीकरण और अनुपालन और व्यवसाय स्थापित करने के लिए आवश्यक अन्य पेशेवर सहायता के बारे में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

इस समय एमएसएमई क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 30

से अधिक और निर्यात में 48 प्रतिशत से अधिक का योगदान करता है। इस क्षेत्र में 11 करोड़ लोगों को नौकरियां मिली हुई हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एमएसएमई की क्षमताओं और क्षमताओं को बढ़ाना, उन्हें पेशेवर रूप से उन्नत करना और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है। यात्रा को भारतीय स्टेट बैंक , भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक और राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम का समर्थन है।

श्री राणे ने मुंबई में यात्रा को रवाना करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने कोविड के बाद एमएसएमई के पुनर्गठन में पांच लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिसमें सीए पेशेवरों ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, सरकार का लक्ष्य निकट भविष्य में निर्यात क्षेत्र में एमएसएमई के योगदान को 60 प्रतिशत करना चाहती है। इसके लिए सरकार देश के उद्यमी युवाओं को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी और कृषि आधारित उद्योगों को विकसित और विस्तारित करने में भी मदद करेगी।

देश में छह करोड़ एमएसएमई इकाइयां हैं, हालांकि केवल 90 लाख को ही उद्यम के साथ पंजीकृत किया गया है। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे ने 18 अगस्त को मुंबई में इंडियन मर्चेंट्स चैंबर में एक प्रतीकात्मक बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

आईसीएआई के अध्यक्ष देवाशीष मिश्रा ने कहा, आईसीएआई की एमएसएमई यात्रा 1949 में हमारी स्थापना के बाद से आईसीएआई की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। संस्थान की भूमिका विशुद्ध रूप से खातों और लेखा परीक्षा से बढ़ कर अब एक ऐसा रूप ले रही है जो समाज और पर्यावरण को एकीकृत करती है। यह एमएसएमई यात्रा इस आंदोलन को दर्शाती है।

एसबीआई के उप प्रबंध निदेशक प्रवीण राघवेंद्र ने कहा, आज भी 80 प्रतिशत से अधिक एमएसएमई इकाइयां बैंक जैसरी औपचारिक ऋण सुविधाओं से वंचित हैं,उन्हें यह सुविधा सुलभ कराने की आवश्यकता है।

सिडबी के उप प्रबंध निदेशक सुदत्त मंडल ने कहा, हम एमएसएमई उद्यम को पंजीकृत कराने में सीए की सहायता स्वीकार करते हैं, जो अनिवार्य है। उद्यम पंजीकरण की सुविधा के लिए सिडबी सरकार के साथ भी काम कर रहा है।

एनएसआईसी के जोनल मैनेजर मनोज कुमार सिंह ने कहा, हम एमएसएमई को विपणन, प्रौद्योगिकी तथा व्यापार जैसे क्षेत्रों में सहायता प्रदान करते हैं।

जेएसपी को दो श्रेणियों में नेशनल सीएसआर पुरस्कार

नयी दिल्ली। बिजली एवं इस्पात क्षेत्र की कंपनी जिन्दल स्टील एंड पावर (जेएसपी) का कंपनी मामलों के मंत्रालय ने नेशनल सीएसआर पुरस्कार 2020 की दो श्रेणियों के लिए चयन किया है।

कंपनी मामलों के मंत्रालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक जेएसपी को दो श्रेणियों, महत्वाकांक्षी जिलों/कठिन क्षेत्रों (पूर्वी भारत) में सीएसआर और राष्ट्रीय प्राथमिकता क्षेत्र (दिव्यांगों की सहायता) में सराहनीय सेवाओं के लिए इस सम्मान का विजेता घोषित किया गया है। जेएसपी को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकार,देश के तीन प्रतिष्ठित व्यावसायिक संस्थानों और उद्योग एवं व्यापार मंडलों के बाद क्षेत्र में किये गए कार्यों का सत्यापन व सर्वोच्च निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन की नामांकन की निर्धारित प्रणाली के आधार पर मंत्रालय द्वारा शुरू की गई तीन चरणों की चयन प्रक्रिया के बाद चुना गया है।

इस उपलब्धि पर जेएसपी के अध्यक्ष नवीन जिन्दल ने कहा,हम लोगों के साथ मिलकर और इस धरती को हरा-भरा बनाए रखने के उद्देश्य से उद्योग के माध्यम से राष्ट्रनिर्माण में योगदान करते हुए समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कृतसंकल्प हैं। हम सीएसआर के तहत बहुआयामी सामाजिक विकास कार्यक्रम चला रहे हैं ताकि हम अपने प्लांट क्षेत्र के साथ-साथ देश के अन्य स्थानों पर लोगों के जीवन में बदलाव ला सकें।

कंपनी मामलों के मंत्रालय द्वारा जेएसपी को दो श्रेणियों में नेशनल सीएसआर पुरस्कार वास्तव में लोगों के लिए काम करने के हमारे जुनून, हमारे दर्शन का परिचायक है। हमारे लिए लोग सदैव सबसे पहले हैं।

जेएसपी को नेशनल सीएसआर अवार्ड के लिए भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए जेएसपीएल फाउंडेशन की अध्यक्ष शालू जिन्दल ने कहा,हम आभारी हैं और प्रोत्साहित भी हुए हैं कि भारत सरकार ने हमें हमारे सीएसआर कार्यक्रमों के लिए सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया है। महामारी पर विजय प्राप्त करने के बाद हम स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज और जलवायु समेत अनेक क्षेत्र में संकटों और जरूरतों के बारे में और अधिक सजग हुए हैं। हमारे सभी कार्यक्रम पूरी तरह से संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप हैं और हमारा लक्ष्य देश में लोगों के जीवन को और बेहतर बनाने के लिए काम करना है।

दिल्ली एनसीआर में सुप्रीम सुपर फूड्स लांच

नयी दिल्ली। सुप्रीम फार्मास्युटिकल्स मैसूर प्राइवेट लिमिटेड ने आज दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में हेल्दी सुपर फूड्स ब्रांड सुप्रीम सुपर फूड्स के लॉन्च की घोषणा की। कंपनी ने सुप्रीम सुपर फूड्स में मार्केटिंग एवं प्रॉडक्ट प्रमुख शोभा की मौजूदगी में नॉर्मालाइफ और नॉर्माहेल्थ ब्रांड नाम से 30 उत्पाद पेश किए। नवंबर 2021 में राष्ट्रीय स्तर पर आधुनिक ट्रेड आउटलेट्स और ई-कॉमर्स पर लॉन्च किया गया था। सुश्री शोभा ने दिल्ली में लॉन्च के अवसर पर कहा, सुप्रीम फार्मा ने लोगों के आहार में पोषक तत्वों की कमियों को दूर करने और स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सुपरफूड्स के मार्केट में प्रवेश किया है। कंपनी ने आहार विज्ञान में व्यापक अनुसंधान किया है और इस अंतर को दूर करने में मदद देने के लिए कई समाधान तैयार किये हैं। हमने दिल्ली में वेयरहाउस में भी निवेश किया है, जो पूरे उत्तर भारत के बाजार की जरूरत को पूरा करेगा।

होंडा ने नयी मोटरसाइकिल सीबी 300 एफ की आपूर्ति शुरू की

अहमदाबाद। दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने गुजरात के अहमदाबाद जिले के विट्ठलपुर स्थित अपनी चौथी फैक्टरी से नई मोटरसाइकिल सीबी300 एफ का देश भर में आपूर्ति शुरू कर दिया है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस मोटरसाइकिल के रोल-आउट के मौके पर उसके प्रबंध निदेशक, अध्यक्ष एवं सीईओ आत्सुशी ओगाता , मुख्य उत्पादन अधिकारी एवं निदेशक ताकाहीरो होंडा, उत्पादन निदेशक नवीन अवाल और संयंत्र के परिचालन अधिकारी मनीष दुआ भी मौजूद थे।

सीबी300एफ का निर्माण मिड-साइज़ मोटरसाइकिलों के लिए स्पेशल लाईन पर किया जाएगा, जो घरेलू एवं निर्यात- दोनों तरह की मांग को पूरा करेगी, जबकि मुख्य मैनुफैक्चरिंग लाईन स्कूटर की मांग को पूरा करती रहेगी।

पेयजल परियोजना के लिए एडीबी देगा 9.63 करोड़ डालर का कर्ज

नयी दिल्ली। सरकार ने सोमवार को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के साथ हिमाचल प्रदेश में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने और जलापूर्ति और स्वच्छता सेवाओं में सुधार के लिए 9.63 करोड़ डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए।

केन्द्र सरकार की ओर से आर्थिक मामलों के विभाग के अतिरिक्त सचिव रजत कुमार मिश्रा और भारत में एडीबी के लिए निदेशक ताकेओ कोनिशी ने एडीबी के लिए हस्ताक्षर किए।

श्री मिश्रा ने नयी दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा यह परियोजना भारत सरकार के जल जीवन मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप है। इसका उद्देश्य 2024 तक सभी ग्रामीण परिवारों को पाइप से पानी उपलब्ध कराना है और यह पानी की आपूर्ति के बुनियादी ढांचे को उन्नत करेगा और सुरक्षित, टिकाऊ और समावेशी ग्रामीण जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत क्षमता को मजबूत करेगा। श्री कोनिशी ने कहा, परियोजना में एडीबी की भागीदारी जल प्रबंधन को सर्वोत्तम अभ्यास प्रदान करेगी, संस्थागत क्षमता को मजबूत करेगी और शुल्क व्यवस्था में सुधार का मार्गदर्शन करेगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एडीबी की मदद से यह राज्य में परियोजना 75,800 घरों को सेवा से जोड़ेगी, जिससे 10 जिलों के लगभग 3,70,000 निवासियों को निर्बाध पानी की आपूर्ति होगी। जल आपूर्ति और स्वच्छता सेवाओं में सुधार के लिए, परियोजना का लक्ष्य 48 भूजल कुओं, 80 सतही जल सेवन सुविधाओं, 109 जल उपचार संयंत्रों, 117 पंपिंग स्टेशनों और 3,000 किलोमीटर जल वितरण पाइपलाइनों का निर्माण करना है। बयान में कहा गया है कि सिरमौर जिले में एक पायलट फेकल कीचड़ प्रबंधन और स्वच्छता कार्यक्रम भी लागू किया जाएगा, जिससे 250,000 निवासियों को लाभ होगा। परियोजना हिमाचल प्रदेश सरकार के जल शक्ति विभाग और ग्राम पंचायत (स्थानीय सरकार) ग्राम जल और स्वच्छता समितियों की क्षमता को मजबूत करेगी। प्रमुख परियोजना हितधारकों और समुदाय आधारित संगठनों को जल प्रबंधन पर प्रशिक्षित किया जाएगा, जिसमें महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए आजीविका कौशल प्रशिक्षण भी शामिल है।

भारतीय इकाइयों के लिए विदेशों में निवेश के लिए सरलीकृत नियम अधिसूचित

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने सोमवार को भारतीय इकाइयों द्वारा विदेश में किए जाने वाले निवेश संबंधी विभिन्न लेनदेन की व्यवस्था को सरल बनाने के लिए संशोधित विदेशी निवेश नियमों और विनियमों को अधिसूचित किया। नए नियमों के तहत ऐसे लेन देन मंजूरी मार्ग के बजाय स्वचालित मार्ग तरीके से किए जा सकेंगे।

वित्त मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के परामर्श से विदेशों में निवेश से संबंधित नियमों को सरल बनाने के लिए एक व्यापक विचार विमर्श के बाद नियमों को संशोधित किया है। इसमें विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम 2015 में संशोधनों के अनुरूप भारतीय कंपनियों द्वारा देश से बाहर किए जाने वाले निवेश के नियम तैयार किए गए हैं।

विदेश में निवेश और भारत के बाहर अचल संपत्ति के अधिग्रहण और हस्तांतरण से संबंधित मौजूदा नियमों को संशोधित नियमों और विनियमों में शामिल किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने कहा, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश पर स्पष्टता लाई गई है और विदेश में निवेश संबंधीविभिन्न लेन-देन अब स्वचालित मार्ग के तहत रखे गए हैं जो पहले अनुमोदन मार्ग के तहत थे, इससे भारत में कारोबार करने की आसानी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मंत्रालय ने कहा है कि भारत में कारोबार की नयी उभरती जरूरतों को देखते हुए एक तेजी से एकीकृत वैश्विक बाजार में, भारतीय कॉरपोरेट्स को वैश्विक मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनने की आवश्यकता है।

बयान में कहा गया है कि विदेश में निवेश के लिए संशोधित नियामक ढांचा मौजूदा व्यवस्था को सरल बनाने वाला है और व्यापार और आर्थिक गतिशीलता के अनुकल है।

वर्तमान में, भारत में निवासी व्यक्ति द्वारा विदेशी निवेश विदेशी मुद्रा प्रबंधन (किसी विदेशी सुरक्षा का हस्तांतरण या निर्गम) विनियम, 2004 और विदेशी मुद्रा प्रबंधन (भारत के बाहर अचल संपत्ति का अधिग्रहण और हस्तांतरण) विनियम, 2015 द्वारा नियंत्रित होता है।

भारत के लिए जी-20 की अध्यक्षता समस्याओं को दूर करने का सुनहरा अवसर

एजेंसी

कोलकाता। भारत इस वर्ष एक दिसंबर से अगले वर्ष 30 नवंबर तक जी 20 की अध्यक्षता करेगा, और उसके पास अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग से विसंगतियों को दूर करने का सुनहरा अवसर होगा।

भारतीय स्टेट बैंक के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार डा. सौम्य कांति घोष के अनुसार, भारत का अध्यक्ष पद कृषि और खाद्य सब्सिडी के क्षेत्र में विकासशील देशों के खिलाफ लंबे समय से चली आ रही विसंगतियों को दूर करने का एक सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा कि सबसे अहम मुद्दा कृषि सब्सिडी को लेकर है।

जी20 अर्थव्यवस्थाएं वर्तमान में

वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 85 फीसदी, अंतरराष्ट्रीय व्यापार का 75 प्रतिशत और विश्व जनसंख्या का दो-तिहाई हिस्सा हैं।

सबसे पहले, विकसित देशों के लिए 2016 में अमेरिका में प्रति किसान घरेलू समर्थन 60,586 अमेरिकी डॉलर था, जबकि ब्रिटेन में यह 6762 अमेरिकी डॉलर है। महामारी के बाद इन आंकड़ों में उछाल हैं। भारत के लिए यहां तक कि हम महामारी के बाद की संख्या पर भी विचार करते हैं, यह मुश्किल से 600 अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार, यदि हम विकसित और विकासशील देशों की बहस में शामिल होते हैं तो कृषि सब्सिडी के मामले में यह शायद दूसरा तरीका है।

दूसरे, विश्व व्यापार संगठन की व्यवस्था के तहत, व्यापार विकृतियों को पैदा करने वाली कृषि सब्सिडी की अनुमति नहीं है। ये सब्सिडी एम्बर बॉक्स के भीतर चिह्नित हैं। एम्बर बॉक्स के भीतर, विश्व व्यापार संगठन ने डी मिनिमिस को 1986-88 की कीमतों पर अनुमत न्यूनतम राशि के रूप में निर्दिष्ट किया है। विकसित और विकासशील देशों के न्यूनतम आंकड़े उनके कृषि उत्पादन के क्रमश: पांच प्रतिशत और 10 फीसदी हैं।

खाद्य तेलों में टिकाव, अधिकांश दालें सस्ती

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं अधिकांश दालों के दाम चढ़ गए।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 74 रिंगिट बढ़कर 4164 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, इस दौरान अमेरिकी सोया तेल का सितंबर वायदा 0.13 सेंट फिसलकर 65.57 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान मूंग दाल 100 रुपये, अरहर दाल 100 रुपये और उड़द दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई वहीं चना, चना दाल और मसूर दाल के भाव पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भी स्थिरता रही रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे

दाल-दलहन : चना 4550-4650, दाल चना 5550-5650, मसूर काली 8300-8400, मूंग दाल 8000-8100, उड़द दाल 9850-9950, अरहर दाल 8650-8750 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल : 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3530-3660, चीनी एम. 3800-3900, मिल डिलीवरी 3410-3510 और गुड़ 3900-4000 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 16849 रुपये, मूंगफली तेल 19267 रुपये, सूरजमुखी तेल 19780 रुपये, सोया रिफाइंड 15604 रुपये, पाम ऑयल 13773 रुपये और वनस्पति तेल 14652 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

शेयर बाजार : सेंसेक्स-निफ्टी डेढ़ फीसदी टूटे

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ने की आशंका और फेड रिजर्व के ब्याज दरों में बढ़ोतरी की अटकलों से विदेशी बाजारों में आई गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की चौतरफा बिकवाली के दबाव में आज शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरता हुआ डेढ़ प्रतिशत उतर गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 872.28 अंक लुढ़ककर 59 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 58773.87 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 267.75 अंक टूटकर 17490.70 अंक पर आ गया। दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली का जोर रहा। इस दौरान मिडकैप 1.80 प्रतिशत गिरकर 24,516.88 और स्मॉलकैप 1.17 प्रतिशत कमजोर होकर 27,844.73 अंक पर

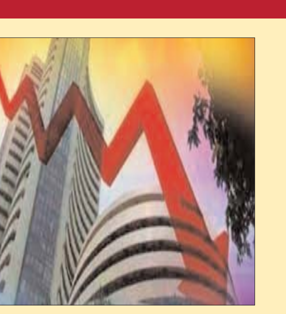

रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3706 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2296 में गिरावट जबकि 1246 में तेजी रही वहीं 164 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 45 कंपनियां लाल जबकि शेष पांच हरे निशान पर रही। बीएसई के सभी 19 समूह बिकवाली के दबाव में रहे। इस दौरान बेसिक मैटेरियल्स 2.44, सीडीजीएस 2.01, वित्त 1.88, हेल्थकेयर 1.58, इंडस्ट्रियल्स 1.67, आईटी 1.65, ऑटो 1.92, बैंकिंग 1.88, कैपिटल गुड्स 1.15, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.57, तेल एवं गैस 1.27, रियल्टी 2.47, टेक 1.35 और धातु समूह के शेयर 2.69 प्रतिशत उतर गए।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.43, जर्मनी का डैक्स 1.74, जापान का निक्केई 0.47 और हांगकांग का हैंगसेंग 0.59 प्रतिशत गिर गया जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.61 प्रतिशत की बढ़त रही।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 285 अंक की गिरावट लेकर 59,361.08 अंक पर खुला लेकिन मामूली लिवाली से यह थोड़ी देर बाद 59,402.50 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। इसके बाद शुरू हुई बिकवाली के दबाव में यह लगातार गिरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 58,705.11 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 59,646.15 अंक के मुकाबले 1.46 प्रतिशत टूटकर 58,773.87 अंक पर आ गया।

इसी तरह निफ्टी भी 76 अंक फिसलकर 17,682.90 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 17,690.05 अंक के उच्चतम जबकि 17,467.35 अंक के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 17,758.45 अंक की तुलना में 1.51 प्रतिशत गिरकर 17,490.70 अंक पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स की नेस्ले इंडिया और आईटीसी की 0.64 प्रतिशत तक की बढ़त को छोड़कर शेष 28 कंपनियां धराशायी हो गई। गिरावट पर रहने वाली प्रमुख कंपनियों में टाटा स्टील 4.50, एशियन पेंट 3.51, विप्रो 2.96, सन फार्मा 2.90, एलटी 2.87, बजाज फाइनेंस 2.71, अल्ट्रासिमको 2.65, बजाज फिनसर्व 2.58, कोटक बैंक 2.46, एक्सिस बैंक 2.27, टेक महिंद्रा 2.27, आईसीआईसीआई बैंक 2.09, एसबीआई 1.77, एचडीएफसी 1.76, मारुति 1.67 और रिलायंस 0.26 प्रतिशत शामिल है। इनके अलावा अन्य कंपनियां 0.24 प्रतिशत से लेकर 1.56 प्रतिशत तक गिरी।

शार्ट न्यूज

सत्रह साल बाद पाकिस्तान में टेस्ट श्रृंखला खेलेगी इंग्लैंड

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस साल दिसंबर में तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिये इंग्लैंड के पाकिस्तान दौरे की पुष्टि की। इंग्लैंड 17 साल बाद पाकिस्तान में टेस्ट श्रृंखला खेलेगी। इससे पहले इंग्लैंड मेजबान टीम के साथ 20 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच कराची और लाहौर में सात टी20 मैच खेलेगी। तीन टेस्ट मैचों की यह श्रृंखला रावलपिंडी (01-05 दिसंबर), मुल्तान (09-13 दिसंबर) और कराची (17-21 दिसंबर) में खेली जाएगी। इंग्लैंड ने पिछली बार 2005 में पाकिस्तान का दौरा किया था, जब मेज़बान टीम ने मेहमानों को 2-0 से मात दी थी। इंग्लैंड ने 2000 में नासिर हुसैन की कप्तानी में पाकिस्तान में अपना आखिरी टेस्ट जीता था। इंग्लैंड ने तीसरा टेस्ट मुल्तान में खेलते हुए सीरीज पर 1-0 से कब्जा किया था। पीसीबी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट निदेशक ज़ाकिर ख़ान ने कहा, हमें खुशी है कि पाकिस्तान और इंग्लैंड टेस्ट प्रतिद्वंद्विता दिसंबर में हमारे यहां लौट रही है, जिसने ऐतिहासिक रूप से कई करीबी और कड़े मैच देखे हैं। पाकिस्तान में आखिरी बार 2005 में दोनो टीमों ने मैच खेला था। मुझे विश्वास है कि यह श्रृंखला वैश्विक क्रिकेट प्रेमी की उम्मीदों पर खरी उतरेगी जो प्रतिस्पर्धी और रोमांचक मैच देखना और उनका आनंद लेना चाहते हैं।

एशिया कप में शाहीन की जगह लेंगे हसनैन

लाहौर। पाकिस्तान के युवा तेज गेंदबाज़ मोहम्मद हसनैन 27 अगस्त से शुरू होने वाले टी20 एशिया कप में शाहीन शाह अफ़रीदी की जगह लेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। शाहीन जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ खेले गये पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हो गये थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की चिकित्सीय सलाहकार समिति ने शनिवार को बताया कि उन्हें चार से छह हफ्ते और आराम करने की जरुरत है। हसनैन ने 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान की ओर से खेलते हुए 17 विकेट चटकाए हैं।

कोरिक ने वापसी में जीता अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब

मेसन। क्रोएशिया के बोर्ना कोरिक ने चोट के बाद यादगार वापसी करते हुए सोमवार को सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में स्टेफानोस सितसिपास को मात देकर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता। कोरिक ने यूनान के चौथी सीड सितसिपास को एक घंटे 57 मिनट चले फाइनल में 7-6(0), 6-2 से मात दी। 2020 के बाद अपना पहला टूर-स्तरीय फाइनल खेल रहे क्रोएशियाई खिलाड़ी ने खिताब तक के सफर में राफेल नडाल को मात दी थी। फाइनल के पहले सेट में वह 1-4 से पिछड़ गये थे, लेकिन उन्होंने दबाव से उभरते हुए अपने यूनानी प्रतिद्वंदी को दो सेट में शिकस्त दी। कोरिक कंधे की चोट के कारण पिछले सीज़न ज्यादातर आयोजनों से बाहर रहे थे। जब वह सिनसिनाटी ओपन में आये थे तब उनकी रैंकिंग 152 थी लेकिन अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर वह एटीपी रैंकिंग में 29वें स्थान पर आ गये हैं। कोरिक ने जीत के बाद कहा, यह एक बेहद मुश्किल मैच था। मैं शुरुआत में बहुत अच्छा नहीं खेल रहा था और वह मुझ पर दबाव डाल रहे थे। मैंने बाद में बेहतर सर्व करना शुरू किया और उन्हें कड़ी टक्कर दी। दूसरा सेट शायद इस साल का मेरा सर्वश्रेष्ठ सेट था।

गार्सिया ने जीता करियर का दसवां खिताब

मेसन। फ्रांस की कैरोलीन गार्सिया ने डब्ल्यूटीए टूर 2022 की अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में चेक गणराज्य की पेट्रा क्विटोवा को मात देकर अपने करियर का 10वां एकल खिताब जीता। गार्सिया ने रविवार को खेले गये फाइनल में क्विटोवा को 6-2, 6-4 के सीधे सेटों में मात दी। हार्ड कोर्ट की इस जीत के साथ गार्सिया ने इस सत्र में अपना तीसरा खिताब जीत लिया है। इससे पहले वह बैड होमबर्ग (ग्रास कोर्ट) और वारसॉ (क्ले कोर्ट) में भी जीत दर्ज कर चुकी हैं। गार्सिया ने क्वालीफायर राउंड से जगह बनाते हुए फाइनल तक पहुंची थीं। इस जीत के साथ वह डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतने वाली पहली क्वालीफायर भी बन गयी हैं। गार्सिया ने जीत के बाद कहा, यह निरा सुख है। केवल सुख। हर जीत बेहद महत्वपूर्ण। हर खिताब बहुत खास है, चाहे डब्ल्यूटीए 250 हो या 1000। इसे बयान कर पाना मुश्किल है। ऐसा बार-बार नहीं होता, इसलिये आपको इसका आनंद लेना होता है। मैं टेनिस के इस शानदार हफ्ते के लिये शुक्रगुज़ार हूं। एक और खिताब जीतना बहुत खास है। उन्होंने कहा, डब्ल्यूटीए 1000 में सब कुछ बहुत तेज़ होता है। आपको हर सुबह दोबारा ध्यान केंद्रित करना होता है। यह एक मुश्किल चुनौती थी, लेकिन मैं अपने प्रयास से बहुत खुश हूं।

विश्व चैंपियनशिप में लक्ष्य की विजयी शुरुआत

टोक्यो। भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन ने बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए सोमवार को पहले राउंड में डेनमार्क के हांस क्रिस्टियन विटिंगस को 2-0 से मात दी। नौंवी सीड सेन ने टोक्यो मेट्रोपोलिटन जिम्नेशियम में डेनमार्क के दिग्गज खिलाड़ी को 21-12, 21-11 के सीधे गेमों में मात दी। 20 वर्षीय सेन ने विश्व चैंपियनशिप 2021 में कांस्य पदक जीता था। वह पिछले आयोजन में वरीयता सूची से बाहर थे, लेकिन उन्होंने टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनलिस्ट केविन कॉर्डन सहित कई बड़े खिलाड़ियों को हराया था। सेन को सेमीफाइनल में हमवतन किदांबी श्रीकांत से हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। इसी बीच, अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की भारतीय जोड़ी ने महिला युगल के पहले राउंड में मालदीव की आमिनत नबीहा और फातिमा नबाहा को 21-7, 21-9 से मात दी। ईशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी ने डेनमार्क के पैट्रिक स्कील और फ्रांज़िस्का वोल्कमैन को 21-12, 21-13 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। 2019 चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता बी साई प्रणीत हालांकि चीनी तापेई के चोऊ टेइन चेन से 15-21, 21-15, 15-21 से हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गये। साथ ही मालविका बंसोड़ को महिला एकल मैच में डेनमार्क की लिन क्रिस्टोफरसन से 21-14, 21-12 से हार मिली। पुरुष युगल के पहले राउंड में मनु अत्री और बी सुमीत रेड्डी को हिरोका ओकामुरा और मासायुकी ओनोडेरा की जापानी जोड़ी से 11-21, 21-19, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारत विश्व चैंपियनशिप 2022 में 26 खिलाड़ियों के साथ, जापान (32) और मलेशिया (27) के बाद खिलाड़ी प्रतिनिधित्व के मामले में तीसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान ने नीदरलैंड को किया क्लीन स्वीप

रॉटरडैम। पाकिस्तान ने नसीम शाह (पांच विकेट) और मोहम्मद वसीम जूनियर (चार विकेट) की शानदार गेंदबाज़ी की बदौलत रोमांचक तीसरे एकदिवसीय मैच में नीदरलैंड को नौ रन से मात दी। नीदरलैंड ने पाकिस्तान को 49.4 ओवर में 206 रन पर आउट समेट दिया था, लेकिन वह इसके जवाब में सिर्फ 197 रन ही बना सकी। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। नीदरलैंड के लिए 207 रन का पीछा करते हुए टॉप कूपर ने सर्वाधिक 62 रन बनाए। उन्होंने 105 गेंदों की पारी में चार चौके लगाए। इसके अलावा विक्रमजीत सिंह ने 85 गेंदों पर सात चौकों की बदौलत 50 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। तेजा निदामनुरु ने भी 24 रन बनाए, लेकिन कोई अन्य डच बल्लेबाज़ महत्वपूर्ण योगदान नहीं दे सका और नीदरलैंड 197 रन पर ऑल आउट हो गई। पाकिस्तान की ओर से नसीम शाह ने 10 ओवर में महज 33 रन देकर पांच विकेट लिए, जबकि वसीम जूनियर ने 9.2 ओवर में 36 रन देकर चार विकेट झटके। इससे पहले, नीदरलैंड ने पाकिस्तान को 206 रन पर ऑल आउट कर दिया था। यह नीदरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबलों में पाकिस्तान का सबसे छोटा स्कोर है।

रोमांचक मैच में भारत ने ज़िम्बाब्वे को 13 रन से हराया

हरारे। भारत ने शुभमन गिल (103 रन) की शतकीय पारी की बदौलत ज़िम्बाब्वे को तीसरे एकदिवसीय मैच में सोमवार को 13 रन से मात दी।

भारत ने 50 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 289 रन बनाये थे, जिसके जवाब में ज़िम्बाब्वे 276 रन बनाकर ऑलआउट हो गयी। सिकंदर रज़ा ने 115 रन की शतकीय पारी खेलते हुए ज़िम्बाब्वे को जीत के करीब पहुंचाया, लेकिन जीत दिला नहीं सके और उनकी टीम 12 साल बाद भारत के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज करने से चूक गयी।

भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए ज़िम्बाब्वे को 290 रन का लक्ष्य दिया था।

कप्तान केएल राहुल और शिखर धवन ने टीम को मज़बूत शुरुआत दिलाते हुए पहले विकेट के लिये 63 रन जोड़े। राहुल ने जहां 46 गेंदों पर एक चौका और एक छक्का लगाते हुए 30 रन बनाये, वहीं धवन ने 68 गेंदों पर पांच चौकों की बदौलत 40 रन की पारी खेली।

पहली पारी में भारतीय टीम के स्टार शुभमन गिल रहे जिन्होंने 97 गेंदों में 15 चौकों और एक छक्के की बदौलत 130 रन की शतकीय पारी खेली।

इसके अलावा ईशान किशन ने 61 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 50 रन बनाये। किशन ने दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट होने से पहले गिल के साथ तीसरे विकेट के लिये 140 रन की साझेदारी की।

भारत ने 42 ओवर में 224 रन बना लिये थे, लेकिन ज़िम्बाब्वे ने किशन का विकेट गिरने के बाद मैच में वापसी की और नियमित रूप से विकेट निकालते हुए भारत को 289 रन पर रोका। दीपक हुड्डा (01), अक्षर पटेल (01) और शार्दुल ठाकुर (09) 10 रन का आंकड़ा छुए बिना पवेलियन लौट गये।

भारत ने 50वें ओवर में गिल का विकेट गंवाते हुए सात रन जोड़े और 289 पर पारी को समाप्त किया।

ज़िम्बाब्वे की ओर से ब्रैड इवान्स ने 10 ओवर में 54 रन देकर पांच विकेट झटके, जबकि विक्टर न्यौची और ल्यूक जॉन्वे को एक-एक विकेट प्राप्त हुआ। ज़िम्बाब्वे 290 रन का पीछा करने उतरी तो सलामी बल्लेबाज़ इनोसेंट काइया (06) तीसरे ओवर में आउट हो गये, जबकि उनके साथी तकुद्ज़्वनाशे काइटानो को मांसपेशी में खिंचाव के कारण पवेलियन लौटना पड़ा।

सीन विलियम्स (45) ने टोनी मुन्योंगा (15) के साथ पारी को आगे बढ़ाने का प्रयास किया लेकिन 16वें और 17वें ओवर में दोनों पवेलियन लौट गये।

इसके बाद रज़ा ने एक छोर से ज़िम्बाब्वे की पारी को आगे बढ़ाया जबकि दूसरे छोर से बल्लेबाज़ आउट होते रहे। ल्यूक जॉन्वे के 169 रन पर सातवें विकेट के रूप में आउट होने के बाद ब्रैड इवान्स क्रीज़ पर आये जिन्होंने रज़ा के साथ आठवें विकेट के लिये 104 रन की साझेदारी की। इवान्स ने 36 गेंदों पर दो चौकों की बदौलत बहुमूल्य 28 रन बनाये और उनके आउट होने तक ज़िम्बाब्वे को 12 गेंदों पर सिर्फ 17 रन की ज़रूरत थी। ज़िम्बाब्वे की उम्मीदें रज़ा पर टिकी हुई थीं लेकिन शार्दुल ठाकुर ने 49वें ओवर में शुभमन गिल के शानदार कैच की बदौलत उन्हें आउट किया और भारतीय खेमे ने चैन की सांस ली। आवेश खान ने 50वें ओवर में विक्टर न्यौची को आउट कर मैच समाप्त किया।

इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला में ज़िम्बाब्वे को 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

विराट कोहली की खराब फॉर्म पर उनके करीबी दोस्त एबी डिविलियर्स ने दिया बड़ा बयान

एजेंसी

नई दिल्ली। विराट कोहली ने अपने करियर की शुरुआत करने के बाद करीब एक दशक से अधिक समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में लगातार शतक लगाए हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से किस्मत के साथ साथ उनका बल्ला भी उनसे नाराज है। पूर्व कप्तान कोहली ने करीब तीन साल से कोई अंतरराष्ट्रीय शतक नहीं बनाया है।

उन्होंने पिछली बार कोलकाता के ईडन गार्डन्स में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच में अपना आखिरी शतक ठोका था। तब से लेकर अब तक करीब 1,000 से अधिक दिन गुजर चुके हैं और फैंस को कोहली के बल्ले से सेंचुरी का इंतजार कायम है।

हाल के समय में कोहली का फॉर्म और ज्यादा चिंता का विषय बन गया है। भारतीय टीम को अब एक सप्ताह

बाद एशिया कप में खेलना और उसे देखेते हुए कोहली का फॉर्म में लौटना जरूरी हो गया है। हालांकि कोहली के करीबी दोस्त एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि किंग कोहली आगामी एशिया कप में रनों के साथ वापसी करेंगे। डिविलियर्स लंबे समय तक आईपीएल में विराट के साथ रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेल चुके हैं। डिविलियर्स ने एनडीटीवी से बातचीत में कहा, 'विराट कोहली क्रिकेट खेलने वाले महान खिलाड़ियों में से एक हैं। फॉर्म टेम्परारी होता लेकिन क्लास परमानेंट। विराट के साथ भी यही बात है। वे वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं।

मैं और विराट लगातार टच में हैं और हम दोस्त हैं। विराट को मेरी जरूरत नहीं है कि मैं उन्हें बताऊं कि जब आप खराब फॉर्म से गुजर रहे होते हैं, तो कड़ी मेहनत करना कितना अहम होता है।

विश्व चैंपियनशिप : लक्ष्य, श्रीकांत, प्रणय दूसरे दौर में

टोक्यो। भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत और एच एस प्रणय ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2022 में शानदार शुरुआत करते हुए अपने-अपने पहले दौर के मुकाबलों में जीत दर्ज की।

नौंवी सीड लक्ष्य ने टोक्यो मेट्रोपोलिटन जिम्नेशियम में डेनमार्क के दिग्गज खिलाड़ी हान्स-क्रिस्टियान विटिंगस को 21-12, 21-11 के सीधे गेमों में मात दी। लक्ष्य दूसरे दौर में स्पेन के लुइस पेनलवर का सामना करेंगे।

20 वर्षीय सेन ने विश्व चैंपियनशिप 2021 में कांस्य पदक जीता था। वह पिछले आयोजन में वरीयता सूची से बाहर थे, लेकिन उन्होंने टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनलिस्ट केविन कॉर्डन सहित कई बड़े खिलाड़ियों को

हराया था। सेन को सेमीफाइनल में हमवतन किदांबी श्रीकांत से हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था।

दूसरी ओर, विश्व चैंपियनशिप 2021 के सिल्वर मेडलिस्ट श्रीकांत ने करीबी मुकाबले में आयरलैंड के न्हात न्यूएन को 22-20, 21-19 से हराया। न्यूएन ने 51 मिनट चले मुकाबले में श्रीकांत को कड़ी टक्कर दी मगर वह आयरिश खिलाड़ी की चुनौती से विजयी उभरे। श्रीकांत अब दूसरे दौर में चीन के ज़्हाओ जुन पेंग से मुकाबला करेंगे।

एच एच प्रणय ने ऑस्ट्रिया के ल्यूका रैबर को 21-12, 21-11 से हराकर अपने हमवतनों का साथ अगले दौर में जगह बनायी, जहां उनका सामना दो बार के विश्व चैंपियन जापान के केंटो मोमोटा से होगा।

इसी बीच, 2019 चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता बी साई प्रणीत चीनी तापेई के चोऊ टेइन चेन से 15-21, 21-15, 15-21 से हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गये।

साथ ही मालविका बंसोड़ को महिला एकल मैच में डेनमार्क की लिन क्रिस्टोफरसन से 21-14, 21-12 से हार मिली।

इमरान खान को मिली बड़ी राहत, हाई कोर्ट ने 25 अगस्त तक गिरफ्तारी पर लगाई रोक

एजेंसी

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उन्हें प्री-अरेस्ट बेल दी है, जिसका मतलब है कि 25 अगस्त तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकेगा। गौरतलब है कि इमरान खान के खिलाफ एंटी टेररिज्म एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। यह मुकदमा एक रैली के दौरान अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश और कुछ पुलिस अफसरों को धमकी देने के मामले में दर्ज किया गया था। इसी मामले में उनके ऊपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। मामले की सुनवाई के दौरान इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने इमरान खान को 25 अगस्त को एंटी-टेररिज्म कोर्ट के सामने पेश होने का

आदेश दिया है। वहीं पुलिस ने कहा गया है कि तब तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाए।

लीगल टीम ने दायर की याचिका

इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने यह फैसला इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीके इंसाफ की लीगल टीम द्वारा सोमवार को दायर याचिका के बाद सुनाया है। पाकिस्तान की स्थानीय मीडिया के मुताबिक याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस मोहसिन अख्तर कयानी ने एफआईआर पर उठाई गई आपत्तियों के बारे में पूछा। जवाब में इमरान के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल के घर को चारों तरफ से घेर रखा गया है। इसके चलते वह कोर्ट तक भी नहीं पहुंच पा रहे हैं।

याचिका में सरकार पर आरोप

इमरान के वकीलों बाबर अवान और फैसल चौधरी ने प्री-अरेस्ट बेल पेटीशन फाइल की थी। पेटीशन के मुताबिक इमरान खान को सत्ताधारी पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट द्वारा उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। दावा किया है कि इमरान खान भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारी राजनेताओं के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। इसलिए उन्हें परेशान किया जा रहा है। याचिका में यह भी कहा गया है कि इमरान खान को गिरफ्तार करने के लिए सरकार ने सारी सीमाएं पार कर दी हैं। इसके मुताबिक उनके ऊपर इल्जाम भी झूठे लगाए गए हैं। याचिका में यह भी कहा गया है कि इमरान के खिलाफ दर्ज सबसे ताजा एफआई राजनीति से प्रभावित है।

अफगानिस्तान में बाढ़ से 14 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्वी पक्तिया प्रांत में रविवार देर रात हुई भारी बारिश और अचानक आयी बाढ़ से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई जबकि 12 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी सरकारी समाचार एजेंसी बख्तार ने दी। समाचार एजेंसी के अनुसार, मानसून की बाढ़ में 358 आवासीय घर पूरी तरह से नष्ट हो गए जबकि अन्य 676 घरों को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा और कम से कम 20 एकड़ जमीन बह गए। एजेंसी ने कहा कि इस बाढ़ से प्रांत में 1430 से ज्यादा मवेशियों की मौत हुई और सैकड़ों किमी सड़कें, कई सुरक्षात्मक दीवार, पुल और पानी के बांध क्षतिग्रस्त हो गए। इससे पहले, शनिवार को पक्तिया के पड़ोसी प्रांत लोगार के खुशी जिले में भारी बारिश और अचानक बाढ़ से 15 लोग मारे गए थे जबकि नौ लोग घायल हो गए थे। अधिकारियों के अनुसार, देश के 34 प्रांतों में से 10 प्रांतों में पिछले कुछ माह में हुई भारी बारिश और बाढ़ से अबतक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

गर्मी और सूखे से चीन बेहाल, बर्बाद हो गईं फसलें, उतारने पड़े सेना के जवान

एजेंसी

बीजिंग। चीन इस बार सूखे की बड़ी समस्या से जूझ रहा है। साउथवेस्ट चीन के चोंगकिंग में कई जगहों पर आग लग गई जिसे बुझाने के लिए सेना तक को तैनात करना पड़ा। वहीं भीषण गर्मी और बारिश की कमी की वजह से कई नदियां सूख गई हैं, किसानों की फसले सूख रही हैं और बिजली की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

सोमवार को चीन में तापमान का रेड अलर्ट जारी किया गया। इसके अलावा राष्टारीय स्तर पर सूखे का ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया गया जो कि सबसे ऊंचा स्तर है। चीन पिछले 6 दशक के सबसे बड़े सूखे का सामना कर रहा है। इससे ना केवल कृषि बर्बाद हो रही है बल्कि कई कारखाने भी बंद होने वाले हैं। वहीं हाईड्रोपावर प्लांट बंद होने की वजह से बिजली की भी समस्या खड़ी हो गई है।

चीन में 200 से ज्यादा मौसम

विज्ञान केंद्रों के मुताबिक चीन के चोंगकिंग, सिंचुआन के सीमावर्ती इलाके, पूर्वी झेंजियांग प्रांत और शांनक्सी प्रांत में 1 अगस्त से तापमान 40 डिग्री को क्रॉस कर गया है। सबसे बुरा हाल चोंगकिंग का ही बताया जा रहा है।

चीन की न्यूज एजेंसी के मुताबिक, 5 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को राहत-बचाव के काम में लगाया गया है। इनमें दमकलकर्मी, सेना के जवान, रेक्यू टीम शामिल हैं। कई हेलिकॉप्टर भी राहत बचाव का काम कर रहे हैं.।

चीन की एक न्यूज वेबसाइट के मुताबिक इस साल सामान्य से 40 फीसदी कम वर्षा हुई है। इस वजह से यांग्त्जे नदी सूख गई है। नदी सूखने की वजह से हाइड्रोपावर प्लांट पर बिजली का उत्पादन बहुत कम हो गया है। बिजली उत्पादन की क्षमता लगभग आधी हो गई है।

इलेक्ट्रिसिटी कट की वजह से ना केवल आम लोगों को दिक्कत है बल्कि कारोबार ठप हो गए हैं।

बाली में महसूस किए गए भूकंप के झटके

जकार्ता। इंडोनेशिया के बाली रिसोर्ट द्वीप में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गयी। मौसम विभाग के अनुसार स्थानीय समयानुसार आज अपराह्न तीन बजकर 36 मिनट पर भूकंप आया और रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.8 मापी गयी। इसका केन्द्र दक्षिण कुता से 74 किलोमीटर दक्षिणपूर्व में में जमीनी सतह से 124 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। भूकंप से किसी तरह की सुनामी के कोई आसार नहीं है। भूकंप के झटके महसूस करने पर विदेशी पर्यटकों में अफरातफरी मच गयी और वे रिसोर्ट द्वीप के होटलों और इमारतों से निकलकर बाहर आ गए। भूकंप के झटके पड़ोसी लोम्बोक द्वीप में भी महसूस किए गए।

प्रताड़ित करने वाला वीडियो सामने आने पर तीन पुलिसकर्मी निलंबित

न्यूयार्क। अमेरिका में अर्कासस के अमेरिकी कानून प्रवर्तन के तीन अधिकारियों को एक व्यक्ति को पीटने का वीडियो सामने आने के बाद निलंबित कर दिया गया है। यह वीडियो 2020 में ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के दौरान मारे गए जार्ज फ्लॉयड के साथ हुए व्यवहार जैसा था। बीबीसी की रिपार्ट के अनुसार इनमें से एक अधिकारी एक आदमी को सिर पर मुक्का मार रहा था और उसने आदमी के सिर को फुटपाथ पर भी मारा था। ये वीडियो ट्विटर और सोशल मीडिया पर दिखाए गए थे। एक अन्य अधिकारी एक काले व्यक्ति को घुटने से लगातार मार रहा था। दोनों अधिकारी क्राफोर्ड काउंटी शेरिफ कार्यालय की वर्दी में थे। वीडियो में दिखाया गया है कि जमीन पर गिरा हुए व्यक्ति ने अपने हाथों से सिर को ढक रखा है और खुद को बचाने के लिए जमीन पर लौट रहा है। इस वीडियो को लाखों बार देखा गया। ट्विटर पर कहा गया है कि जॉर्ज फ्लॉयड के बाद ऐसा कैसे हो सकता है। तीनों पुलिस अधिकारी एक संदिग्ध को पूरी ताकत के साथ मार रहे हैं। ये घटना यह वीडियो में कैद नहीं होती तो इसकी कहानी अलग होती। एक महिला जो इस वीडियो में दिखाई नहीं दे रही है उसको यह कहते हुए सुना जा सकता है 'इसको मत मारो , इसे इसकी दवाओं की जरुरत है।'

इमरान ने गिरफ्तारी से बचने के लिए उच्च न्यायालय का रूख किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सप्ताहांत में अपने खिलाफ दर्ज एक मामले में गिरफ्तारी में बचने को लेकर इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। जियो टीवी की सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार श्री खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के वकील फैसल चौधरी ने बताया कि कानूनी टीम याचिका दायर करेगी। द न्यूज के मुताबिक अभी यह तय नहीं है कि श्री खान को गिरफ्तार किया जाएगा या नजरबंद रखा जायेगा। इस को लेकर रणनीतिक तैयारी की जा रही है। यहां एफ-9 पार्क में एक रैली में इस्लामाबाद पुलिस के एक अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को धमकाने के लिए अपदस्थ प्रधानमंत्री के खिलाफ आतंकवाद विरोधी अधिनियम (एटीए) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गृह मंत्रालय ने मामला दर्ज होने के बाद श्री खान को गिरफ्तार करने के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के कार्यालय से लिखित अनुमति मांगी है। सूत्रों के अनुसार गिरफ्तारी से बचने के लिए पीटीआई अध्यक्ष अपने बानी गाला स्थित आवास से निकले हैं और वह लाहौर या खैबर पख्तूनख्वा के लिए रवाना हुए हैं।

समलैंगिक सेक्स पर प्रतिबंध खत्म करेगा सिंगापुर

सिंगापुर। सिंगापुर समलैंगिक यौन संबंधों पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को रद्द कर देगा जिससे देश में ऐसे संबंध कानूनी रूप से वैध हो जायेंगे। प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने राष्ट्रीय टीवी पर यह घोषणा की है। उन्होंने कहा , 377ए कानून को खत्म करने से देश के कानून वर्तमान सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुरूप हो जायेंगे और मुझे उम्मीद है कि समलैंगिक सिंगापुरियों को कुछ राहत मिलेगी। भारत, ताइवान और थाईलैंड के बाद सिंगापुर ऐसा देश होगा जहां समलैंगिक यौन संबंध कानूनी रूप से वैध होंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके।

ऐसे बने घर में अपने बच्चों के टीचर

ग्लोबल टीचर प्राइज जीतने वालीं ब्रिटेन की शिक्षिका एंड्रिया जाफिरकाऊ कहती हैं कि आभासी तरीके से बच्चों को पढ़ाना कठिन है क्योंकि कक्षा का माहौल बच्चों को एकाग्र बनाता है। वह कहती हैं कि इस वक्त शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके। वे घर में रंग, कागज, कलम और रोचक खेल खेलते हुए समय बिताएं।

कोरोना वायरस की इस लड़ाई ने मासूम बच्चों को उनके स्कूल, टीचर और दोस्तों से दूर कर दिया है। पर बच्चों के लिए सबसे जरूरी उनकी पढ़ाई है इसलिए कोविड-19 से लड़ रहे देशों में ई-लर्निंग को वैकल्पिक माध्यम बनाया जा रहा है। इस तकनीक के बाबजूद अभिभावकों के लिए यह समय चुनौतीभरा है क्योंकि बच्चों को पढ़ाने का दारोमदार पूरी तरह उन पर आ गया है। आइए आज जानते हैं कि अभिभावक घर में रहकर अपने बच्चों को ई माध्यमों से पढ़ाई के लिए किस तरह प्रोत्साहित कर सकते हैं और शिक्षक की भूमिका निभा सकते हैं।

अरब दुनिया के बच्चे स्कूल से हैं दूर- विश्व आर्थिक मंच ने संस्कृति व शिक्षा से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ कोरोना वायरस के दौर की चुनौतियों पर चर्चा की। इस दौरान वहां मौजूद शिक्षकों ने माना कि अपने बच्चे को पढ़ाना दुनिया में सबसे ज्यादा कठिन काम है क्योंकि वह अभिभावक की जगह शिक्षक से पढ़ने का आदी होता है। ऐसे में अभिभावकों की चुनौतियां बहुत अधिक हैं, इन विशेषज्ञों ने अभिभावकों के लिए ये सुझाव दिए हैं.

सवाल पूछने दें - रचनात्मकता सवालों से पैदा होती है, बच्चों के हर सवाल को धैर्य से सुने और उसका हल खोजने में उनकी मदद करें।

लक्ष्य तय करें - हर दिन के लिए एक लक्ष्य या चुनौती तय करें, जिससे बच्चों के साथ मिलकर पूरा करने में लग जाएं। उन्हें पूरा समय दें।

री-डू सिखाएं - घर में पड़े इस्तेमाल न होने वाले सामान को निकालकर बच्चों संग उससे कुछ रचनात्मक बनाएं इससे बच्चों में पुरानी चीजों के दोबारा इस्तेमाल की आदत बनेगी।

ऑनलाइन मदद - पढ़ाई या कुछ रचनात्मक बनाते समय ऑनलाइन माध्यमों की मदद लेने से न झिझकें, हर वक्त बच्चों के सामने परफेक्ट दिखने सही नहीं। अलग सोचे - बच्चों की आर्ट, क्राफ्ट से बाहर की रचनात्मक दुनिया से पहचान करवाएं। कपड़े कैसे तय करें, कमरे की सफाई, किचन आदि काम सिखाएं।

स्कूल वापसी - इस बात को सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने शिक्षक और दोस्तों के संपर्क में बने रहे क्योंकि तब ही उनके मन में स्कूल वापस लौटने का ख्याल बना रहेगा।

तकनीक सीखें - ई-लर्निंग के जरिए अगर बच्चा पढ़ रहा है तो इस दौरान उसे तकनीक संबंधी समस्या आ सकती है इसलिए बच्चे के साथ मिलकर इन तकनीकों को सीखें।

सब्जी में ऊपर से नमक डालना हो सकता है खतरनाक

नमक, स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी उपयोगी है। मगर, हर चीज की एक तय सीमा होती है। इसी तरह नमक से ज्यादा प्यार भी आपकी सेहत के लिए हजारों खतरे पैदा कर सकता है। बेशक आपको नमक इतना पसंद है कि आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

खाना बनाते वक्त नमक सबसे पहले याद आता है। आप चाहे जितने भी अच्छे और खुशबूदार मसाले डाल लें, लेकिन अगर खाने में नमक नहीं है, तो सारा खाना बेस्वाद हो जाता है। बेशक आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

नमक और आपकी सेहत

नई दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ.जुगल किशोर कहते हैं, 'नमक हमारे शरीर की इलेक्ट्रोलाइट संबंधी जरूरतों को पूरा करता है यानी इससे हमें सोडियम, पोटैशियम और कैल्शियम मिलता है। इसके अलावा इससे आयोडीन भी मिलता है। लेकिन, खाने में नमक ज्यादा हो जाए तो भी दिक्कत है और कम हो तो भी दिक्कत है। रोजाना की खुराक में नमक यानी सोडियम क्लोराइड की मात्रा पांच ग्राम से कम होनी चाहिए। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि नमक ज्यादा खाने की आदत के साथ रक्तचाप संबंधी समस्या भी बढ़ने लगती है। जितनी भी दिल से जुड़ी बीमारियां हैं, वे रक्तचाप के कारण ही होती हैं। इसके अलावा नमक के ज्यादा सेवन से किडनी पर भी दबाव पड़ता है। उच्च रक्तचाप का मस्तिष्क पर भी असर पड़ता है। यानी शरीर के जो मुख्य अंग हैं, वे ज्यादा नमक के सेवन से प्रभावित होने लगते हैं। यही वजह है कि नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। एक और बात को ध्यान में रखने की जरूरत है, रोटी, चावल, दलिया आदि खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक तौर पर सोडियम मौजूद होता है। ऐसे में इनमें नमक न भी डाला जाए तो भी सोडियम की पूर्ति हो जाती है। उच्च रक्तचाप के मरीज को भी चार से पांच ग्राम नमक ही दिन भर में खाना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए किसी भी डिश में ऊपर से नमक डालकर खाने की आदत को भी बदलना जरूरी है।

मात्रा तय करें

खाना बनाते वक्त आप उसमें कितना नमक डाल रही हैं, उसकी मात्रा को देखना एक अच्छा आइडिया है। कितने लोगों के लिए सब्जी पकाई जा रही है, उसे किस तरह से पकाया जा रहा है, नमक डालते वक्त इन सब बातों को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपके परिवार के सदस्यों को ज्यादा नमक खाने की आदत है तो धीरे-धीरे खाने में नमक की मात्रा कम करती जाएं। संभव है कि शुरुआत में उन्हें परेशानी हो, पर जल्द ही उन्हें कम नमक वाला खाना भी पसंद आने लगेगा। मसाले, टमाटर और धनिया व पुदीना आदि भी खाने में नमक की कम मात्रा को संतुलित करने में आपकी मदद करेंगे। इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर में सीनियर डाइटीशियन डॉ.हिमांशी शर्मा के मुताबिक, 'इसमें कोई दोराय नहीं है कि आयोडीन युक्त नमक हमारी सेहत के लिए जरूरी है। गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ होने वाले शिशु की सेहत पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे दिमाग चुस्त-दुरुस्त रहता है और याददाश्त मजबूत बनी रहती है। लेकिन कुछ लोग रोजाना के खाने में ज्यादा नमक का सेवन करने लगते हैं। यह मात्रा कई बार रोजाना नौ से दस ग्राम नमक के सेवन तक पहुंच जाती है। रोजाना की डाइट में नमक की मात्रा पांच ग्राम तक ही सीमित रखें। हमेशा याद रखें कि बिना डॉक्टरी सलाह के कभी भी नमक का सेवन पूरी तरह से बंद नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से भी आपको सेहत से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।'

विकल्प हैं बेहतर

अगर आपको ज्यादा नमक खाने की आदत है, तो इससे निजात पाने के लिए नमक के अन्य विकल्पों पर अपना ध्यान केंद्रित करें। इसके लिए आप नीबू और सिरका की मदद ले सकती हैं। स्वाद के लिहाज से नमक की कमी को यह काफी हद तक पूरा करते हैं। अदरक, लहसुन और कुछ सूखे मसाले भी इसमें मददगार साबित हो सकते हैं। बेशक ये नमक का विकल्प नहीं बन सकते हैं, लेकिन नमक की ज्यादा खाने की जो लत है, उसे कम करने में ये चीजें काफी मददगार साबित हो सकती हैं।

बदलें खाना पकाने का तरीका

कुछ सब्जियां और व्यंजन ऐसे होते हैं, जो लोगों को कम ही पसंद आते हैं। कई बार उनका स्वाद बढ़ाने के लिए हम उसमें नमक ज्यादा मात्रा में डालने लगते हैं। सलाद में ज्यादा मात्रा में नमक डालना, खाने के साथ सब्जी की तरह ढेर सारा अचार खाना आदि पहली नजर में बेहद सहज लगता है, पर धीरे-धीरे खानपान से जुड़ी ये आदतें हमारे शरीर में प्रतिदिन पांच ग्राम से ज्यादा नमक पहुंचाने लगती हैं। इसका असर सेहत पर देर-सबेर नजर आने लगता है। ऐसे में जरूरत है खाना पकाने का तरीका बदलने की। आपके परिवार के सदस्य जिन सब्जियों का नाम सुनकर ही मुंह बनाने लगते हैं, उन्हें अब दूसरे तरीके से पकाकर देखिए। सादा तरीके से उन सब्जियों को बनाने की जगह उन्हें रोस्ट या ग्रिल करके पकाएं। इससे खाना स्वादिष्ट भी लगेगा और नमक पर भी नियंत्रण बना रहेगा।

प्रोसेस्ड फूड से बनाएं दूरी

रेडी-टू-ईट फूड और तरह-तरह के प्रोसेस्ड फूड को अपनी डाइट में कम-से-कम मात्रा में शामिल करें। इनमें नमक और चीनी दोनों की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसकी जगह घर में बने ताजा खाने को तरजीह दें। सही मात्रा में नमक के सेवन का यह सबसे अच्छा तरीका है। आप अपनी डाइट में सेहतमंद खाद्य पदार्थों को जितनी ज्यादा मात्रा में शामिल करेंगी, नमक की मात्रा उसी अनुपात में संतुलित होती जाएगी।

न करें यह गलती

फल खा रहे हों या सलाद या फिर सामान्य तौर पर खाना। नमक कम लगने पर हम ऊपर से नमक डालने लगते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं है। एक तो नमक ज्यादा मात्रा में शरीर में पहुंचता है, वहीं सलाद और फल के पोषक तत्व भी कम होने लगते हैं। सीमित मात्रा में नमक का सेवन ही काफी नहीं है,उसे किस तरीके से खाया जाना चाहिए, यह तरीका जानना भी उतना ही जरूरी है।

सुकून चाहती हैं तो वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित करें

अपने प्रोफेशनल जीवन में आप आगे बढ़ना चाहती हैं, नए मुकाम हासिल करना चाहती हैं। लेकिन इस बात पर भी ध्यान देना जरूरी है कि आपकी महत्वाकांक्षाएं कहीं आपके जीवन को प्रभावित तो नहीं कर रहीं। प्रोफेशनल लाइफ में आगे बढ़ने के साथ जिंदगी खुशगवार बनाए रखना बेहद जरूरी है, तभी आप वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित कर सकती हैं। कुछ बातें इस काम में आपकी मदद करेंगी

स्मार्ट तरीके से काम करें

अगर आप अपनी नींद के घंटे घटाकर काम कर रही हैं तो कोई उसकी हिमायत नहीं करेगा। अमेरिकी अकादमी से संबद्ध मैट माइट अपने ब्लॉग वर्कलाइफ बैलेंस में कहते हैं, 'आजकल लोग अपने दिमाग को ज्यादा काम करने और कम सोने के लिए अड्टयस्त बना रहे हैं, लेकिन यह चलन सही नहीं है। आपके लिए काम के घंटे जितने महत्वपूर्ण हैं, काम के बाद का समय उतना ही मूल्यवान है।' मेंटल हेल्थ फाउंडेशन का सुझाव है कि काम ज्यादा नहीं, स्मार्ट होना चाहिए। इसके लिए वरीयता स्पष्ट होनी चाहिए और हर काम के लिए समय तय होना चाहिए। गैर जरूरी चीजों में नहीं उलझना चाहिए।

काम को घर न लाएं

ऑफिस से बाहर निकलने से पहले उन कामों की सूची बना लें, जो पूरे नहीं हो पाए। लेकिन काम की लिस्ट बनाने के बाद खुद को पूरी तरह ऑफिस के काम से आजाद कर लें। यही सोचें कि आप शाम को घर पर परिवार के साथ क्या करने जा रही हैं। अगर आप मानसिक तौर पर ऑफिस में ही फंसी हुई हैं तो एक गहरी सांस लें और इस बात का अहसास करें कि आप ऑफिस से बाहर आ गई हैं। इससे आपका मन शांत और स्थिर रहेगा।

ना कहना सीखें

अगर आप काम के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी, तो स्वाड्टाविक रूप से आप पर काम का बोझ बढ़ जाएगा। अगर आप आदतन काम के लिए हां कह देती हैं तो कुछ अतिरिक्त काम मिलने पर तुरंत हां कहने से पहले थोड़ा ठहर जाएं। आप कुछ देर बाद उस पर जवाब देने के लिए कह सकती हैं और इस दौरान इस बात पर विचार कर सकती हैं कि आपको हां कहना चाहिए या नहीं। अगर हां कहना चाहती हैं, तो अच्छी बात है लेकिन अगर ना कहने की इच्छा है, तो ना ही कहें और अपनी प्रतिक्रिया देने से पहले स्वयं कई बार ना बोलने का अड्टयास करें।

काम के लिए 'शहीद' होने की जरूरत नहीं

कुछ महिलाओं में यह प्रवृति होती है कि वे सब काम खुद ही कर लेना चाहती हैं। उन्हें इस भाव में जीना अच्छा लगता है कि वे व्यस्त हैं और उनके बारे में ज्यादा चर्चा होती है। इस बात को गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि इससे दूसरे लोगों पर क्या प्रभाव पड़ रहा होगा। ज्यादातर लोग अत्यधिक काम यह सोचकर ले लेते हैं कि इससे दूसरों की नजर में उनका सम्मान बढ़ जाएगा। इस प्रवृति के साथ आपके सिर कितना बोझ बढ़ जाएगा, अगर आप इस बात पर विचार करें तो शायद आप ऐसा व्यवहार नहीं करेंगी।

हर वक्त आपाधापी अच्छी नहीं

चाहे ऑफिस हो, जिम हो या कोई पार्टी हो, क्या आप हर जगह दौड़ते-ड्टागते पहुंचती हैं आपको इस बात पर निगरानी रखने की जरूरत है। आपको खुद से यह पूछने की जरूरत है कि आपकी जिंदगी कैसी चल रही है। असल में जल्दबाजी करने वाले लोग एक चीज खत्म होने पर दूसरी चीज के लिए हड़बड़ी करने लगते हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में आप अपने दोस्तों और अपने परिवार वालों के लिए समय कैसे निकालेंगी आपाधापी में थकान होना ड्टी स्वाड्टाविक है, इसीलिए हर वक्त भागमभाग से बचें।

रिटायरमेंट के बारे में सोचें

कुछ महिलाएं काम में इस कदर डूब जाती हैं कि उन्हें उसी में आनंद मिलता है। अगर आप पूरा वक्त काम में ही दे देंगी तो किसी बुरे हालात में फंस जाने मसलन, जॉब न कर पाने की स्थिति खड़ी हो जाने, जॉब छूटने या व्यवसाय नहीं चल पाने पर आप खुद को कैसे संभालेंगी और इनसे इतर रिटायरमेंट के बाद आप समय किस तरह बिताएंगी, क्या आपने इस बारे में सोचा है अगर रिटायरमेंट के बाद भी आप थोड़ा-बहुत काम करें तो आपके लिए अच्छा है, लेकिन आपको अपने कुछ और शौकों को पूरा करने के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि रिटायरमेंट के बाद भी आप सक्रिय रह सकें।

CMYK CMYK CMYK CMYK